हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी



भोले के द्वार...आस्था अपार

सावन के पहले सोमवार पर छत्तीसगढ़ के शिवालयों में तड़के से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ेगी। जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और विशेष पूजन के साथ भगवान भोलेनाथ की आराधना होगी। सावन के पहले पावन सोमवार को हरिभूमि लेकर आया है छत्तीसगढ़ के प्रमुख शिवधामों की विशेष ग्राउंड रिपोर्ट, जहां आस्था, इतिहास और अनूठी मान्यताएं भक्तों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं।

25 फीट खुदाई के बाद भी नहीं मिला कौही के स्वयंभू शिवलिंग का अंतिम छोर



भूषण देशलहरे ▶▶| पाटन

रानीतराई से तीन किलोमीटर दूर खारून नदी के तट पर स्थित ग्राम कौही का प्राचीन शिव मंदिर धार्मिक और सामाजिक एकता का पर्याय बन चुका है। यहां विराजमान स्वयंभू शिवलिंग की सबसे बड़ी विशेषता इसका लगातार बढ़ता आकार है। वर्तमान में शिवलिंग की ऊंचाई लगभग छह फीट व परीधि पांच मीटर है। खुदाई के बाद ▶▶|शेष पेज 7 पर

25 फीट तक की गई खुदाई

मंदिर निर्माण के पूर्व लगभग 20 से 25 फीट खुदाई की गई, लेकिन शिवलिंग का अंतिम छोर नहीं मिला। इस मंदिर परिसर मे 21 देवी देवताओं का मंदिर स्थापित हैं, जो कई समाजों ने मंदिर समिति के सहयोग से स्थापित किया है। इस सावन कौही समिति और ग्रामवासियों के सहयोग से बोल बम कांवरिया सावन मेला एवं रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया है। सावन के अंतिम सोमवार को मंदिर कौही में विराजे स्वयंभू शिवलिंग की विशेष पूजा-अर्चना होगी। रुद्राभिषेक व हवन पूजन का आयोजन किया गया है। इस गांव के नदी किनारे शिव मंदिर प्रांगण में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर तीन दिनों तक मेला लगता है।

14 साल में और विराट हुए भूतेश्वर महादेव

तस्वीरों में नजर आया बढ़ता आकार

हरिभूमि ने 2012 से लेकर अब तक की तस्वीरें टटोलीं, विशाल हो रहा है शिवलिंग



गोरेलाल सिन्हा ▶▶| गरियाबंद

गरियाबंद जिले के मरौदा स्थित भूतेश्वरनाथ महादेव (भकुर्रा महादेव) धाम को लेकर वर्षों से यह मान्यता रही है कि यहां विराजमान स्वयंभू शिवलिंग का आकार लगातार बढ़ रहा है। हरिभूमि ने वर्ष 2012 और 2026 में ली गई तस्वीरों का तुलनात्मक अध्ययन किया। मंदिर समिति से पुरानी तस्वीरें हासिल कीं। दोनों तस्वीरों में शिवलिंग का स्वरूप पहले की तुलना में अधिक विशाल दिखाई देता है। मंदिर समिति और स्थानीय लोगों का भी कहना है कि ▶▶|शेष पेज 7 पर



जशपुर जिला

विश्व के सबसे बड़े प्राकृतिक शिवलिंग मधेश्वर से लेकर कैलाश गुफा तक होगी आराधना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जशपुरनगर

अंचल में स्थित प्राचीन शिवधामों में सोमवार को तड़के जलाभिषेक, रुद्राभिषेक होगा। शैव परंपरा की इस पावन भूमि पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। जिले के कुनकुरी विकासखंड स्थित मधेश्वर पहाड़ विश्व के सबसे बड़े प्राकृतिक शिवलिंग के रूप में अपनी अलग पहचान रखता है। प्राकृतिक रूप से शिवलिंग के आकार में दिखाई देने वाले इस पर्वत को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में लार्जेस्ट नेचुरल शिवलिंग के रूप में दर्ज किया गया है। जशपुर और सरगुजा जिले के उदयपुर से लगे वनांचल को प्राचीन काल से शैव साधना और शिव उपासना की पावन भूमि माना जाता रहा है। यही वजह है कि इस पूरे क्षेत्र में अनेक प्राचीन शिव मंदिर, गुफाएं और प्राकृतिक शिवधाम आज भी श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र बने हुए हैं। मधेश्वर पहाड़ जशपुर की धार्मिक पहचान का सबसे बड़ा केंद्र है। दूर से देखने पर पूरा पर्वत विशाल शिवलिंग का स्वरूप प्रस्तुत करता है, जिसे श्रद्धालु भगवान शिव का स्वयंभू स्वरूप ▶▶|शेष पेज 7 पर

श्रीराम ने की थी बस्तर में शिवजी की पूजा लगी है 220 साल पुरानी लंदन की घंटी



महेन्द्र विश्वकर्मा ▶▶| जगदलपुर

बस्तर में मौजूद भगवान शिव का एक प्रसिद्ध मंदिर दूरदराज से आने वाले पर्यटकों के लिए श्रद्धा के साथ आकर्षण का केंद्र है। रामपाल गांव के इस मंदिर में करीब 220 साल पुरानी घंटी लगी हुई है, इस घंटी में 1806 लंदन लिखा हुआ है। लोग बताते हैं कि तत्कालीन ब्रिटिश गवर्नर ने यह घंटी मंदिर में चढ़ाई थी, तब से यह घंटी मंदिर के प्रांगण में लगी हुई है। इसका वजन करीब 15 किलो है। लोहे से बनी इस घंटी में कभी जंग नहीं लगती। कहा जाता है कि अपने 14 साल के वनवास के दौरान जब भगवान राम दंडकारण्य से गुजर रहे थे तब ▶▶|शेष पेज 7 पर

ब्रिटिश गवर्नर ने चढ़ाई थी घंटी, अब तक जंग नहीं लगी



शिव के उपासक हैं बस्तर के ग्रामीण

बस्तर को आदिकाल से ही शिवधाम कहा जाता है, यहां के ग्रामीण भगवान शिव और भगवान राम की सैकड़ों सालों से उपासना करते आ रहे हैं। यही वजह है कि बस्तर में हजारों की संख्या में भगवान शिव के मंदिर हैं और सभी मंदिर की अलग-अलग विशेषताएं हैं। जगदलपुर शहर से लगभग 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित रामपाल का शिव मंदिर भी प्रसिद्ध है और इंद्रावती नदी के पास मौजूद ▶▶|शेष पेज 7 पर

आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक

बस्तर लोकसभा सांसद महेश कश्यप ने बताया कि उनके गृह ग्राम के समीप स्थित यह प्राचीन शिव मंदिर मेरे लिए केवल एक ऐतिहासिक धरोहर नहीं, बल्कि आस्था और श्रद्धा का केंद्र भी है। बाल्यकाल से ही मैं यहां भगवान शिव की आराधना करता आया हूं। यह मंदिर हमारी समृद्ध सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है।

तालाा गांव की रुद्र शिव प्रतिमा अपने शिल्प के चलते 39 वर्षों से कला-संस्कृति पारखियों, शोधकर्ताओं के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है

39 साल पहले मलबे से निकली थी रुद्र शिव की प्रतिमा



बिलासपुर। बिलासपुर-रायपुर हाईवे पर 31 किलोमीटर दूर (भोजपुरी से 5 किमी) ताला गांव की रुद्र शिव प्रतिमा अपने शिल्प के चलते 39 वर्षों से कला-संस्कृति पारखियों, शोधकर्ताओं के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। विश्वभर की शिव प्रतिमाओं में यह सबसे अनूठी और विलक्षण मानी जाती है। सबसे ▶▶|शेष पेज 7 पर

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹107628/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹131450/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹143490/-
Live Rate आनंद ज्वेल्स के मोबाइल ऐप पर चेक करें।
anand Jewels Pandri, Raipur

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, ओडिशा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और झारखंड से आएंगे एचआईवी पॉजिटिव

देशभर से रायपुर में जुटेंगे सैकड़ों एचआईवी संक्रमित गोपनीय बैठक में दवा छोड़ने जैसा कड़ा फैसला संभव

वरुण झा ▶▶| रायपुर

एचआईवी और एड्स ग्रसित पीड़ित प्रशासन के खिलाफ आर-पार की लड़ाई के लिए रायपुर में जुटेंगे। विश्वस्त सूत्रों के अनुसार सोमवार को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में एक गोपनीय बैठक होगी। इसमें सैकड़ों संक्रमित जीवन-रक्षक एआरटी की दवा छोड़ने का फैसला कर सकते हैं। इस बैठक में छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, ओडिशा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और झारखंड से बड़ी संख्या में एचआईवी संक्रमित शामिल होंगे।

उपचार के दौरान होता है भेदभाव, जीवन रक्षक मशीनें भी कई बार नहीं मिलती

हरिभूमि एक्सक्लूसिव



जानकारी नहीं

मैं अभी नया आया हूं। इस विवाद को लेकर मुझे फिलहाल जानकारी नहीं है।

- हरीश दवे, संयुक्त संचालक, सीएसटी

संक्रमितों के लिए परियोजना बंद

संस्था के पदाधिकारियों का आरोप है कि विहान सीएससी परियोजना, जो कि 2013 से प्रदेश में कार्यरत थी। यह तीन संस्था अलग-अलग बिलासपुर, रायपुर और जगदलपुर में काम कर रही थी। रायपुर और जगदलपुर की परियोजना स्वयं के समुदाय के द्वारा चलाई जा रही थी। वहीं, बिलासपुर की परियोजना एनजीओ के द्वारा संचालित किया जा रहा था। इस परियोजना में काम करने वाले कर्मचारी भी उनके समुदाय के थे। वे समुदाय की समस्याओं से परिचित थे और इसी के आधार पर सेवाएं दे रहे थे, लेकिन फरवरी 2026 में सीजीसैक/नाको के द्वारा मूल्यांकन कराया गया। मूल्यांकन के बाद 1 अप्रैल को कार्यालय को बंद कर दिया गया। यही नहीं, उनका पिछला बकाया भुगतान भी नहीं किया गया। परियोजना बंद होने के कारण एचआईवी समुदाय को बहुत सी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

एआरटी दवा छोड़ने पर हो सकती है मौत

एआरटी की दवा एचआईवी के प्रभाव को कम करने वाली मुख्य चिकित्सीय पद्धति (थेरेपी) है। दवा शरीर के भीरत वायरस की संख्या को नियंत्रित या कम करती है, जिसके कारण एचआईवी का वायरस शरीर में नगण्य हो जाता है। इतना कम कि कई बार वह जांच में भी नहीं दिखता। यदि कोई एचआईवी संक्रमित व्यक्ति इस दवा का सेवन रोकता या बंद करता है तो संक्रमण तेजी से बढ़ता है। कई गंभीर रोग होने का खतरा बढ़ने लगता है। संक्रमित की मौत तक हो सकती है।

ISBM UNIVERSITY
KNOWLEDGE • WISDOM • HUMANITY
BCI Bar Council of India | Association of Indian Universities | Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission | UGC University Grant Commission | All India Council for Technical Education | PCI Pharmacy Council of India



LAUNCH YOUR FUTURE WITH
ISBM UNIVERSITY
New Campus in Heart of Raipur - Near Nalanda Parisar - 1 Km approx.
•Ultra Modern Campus •A.I. + M.L. Classes for All Student
•Free Career Guidance with Prior Appointment
CHOOSE A UNIVERSITY THAT PUTS YOU FIRST!
NAAC ACCREDITED | INTERNATIONAL ASSOCIATION OF UNIVERSITIES | AACSB Business Education Alliance Member
ADMISSION OPEN 2026-27
Hostel Facility Available Boys/Girls

10,000+ Students & Alumni
25+ Awards & Recognitions
150+ Recruiters Network
200+ National & International Conferences
50+ MoUs & Tie-Ups
750+ Research Publications
20+ Patents
₹2.5cr+ Research Fellowship

OUR PROGRAMS
PHARMACY
LAW
INFORMATION & TECHNOLOGY
LIBRARY & INFORMATION SCIENCE
COMMERCE & MANAGEMENT
JOURNALISM & MASS COMM.
HOTEL MANAGEMENT
INNOVATION & COMPUTING
DESIGN
ENGINEERING & TECHNOLOGY
SCIENCE
ARTS & HUMANITIES
YOGA & NATUROPATHY
PhD
Shreeram Addiction

+91 9109333333, +91 7880170727
Raipur Campus - ISBM University, Ring Road No. 1, Near Sarona Bridge, Tatibandh, Raipur, Chhattisgarh- 492099
Main Campus - ISBM University, Nawapara (Kosmi), Block & Tehsil- Chhura, Gariyaband, Chhattisgarh - 493996
www.isbmuniversity.edu.in
(SCAN QR TO VISIT WEBSITE)



टोचन कर बाहर निकाली गई बस

नाले की पुलिया धंसी फंस गई यात्री बस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

पिछले कुछ दिनों से हो रही लगातार बारिश के कारण रविवार की दोपहर रतनपुर बांसाझाल चपोरा स्थित एक नाले की पुलिया धंस गई, इसमें बिलासपुर से पेंड्रा जा रही बस बुरी तरह फंस गई, धंसते पुल पर एकाएक बस के फंसने से यात्रियों में कोहराम मच गया। आनन फानन में यात्री बस से उतरकर बाहर निकल गए। कुछ देर बाद टोचन कर बस को बाहर निकाला गया है, दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। जानकारी मिलने ▶▶|शेष पेज 7 पर

कलेक्टर पहुंचे मौके पर

हादसे की सूचना मिलते ही कलेक्टर संजय अग्रवाल अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंच गए और टूटे हुए पुलिया का जायजा लिया गया है। उन्होंने अधिकारियों को शीघ्र टूटा हुआ पुलिया का मरम्मत कार्य कराने का आदेश दिया है।


सूरत में श्मशान घाट में भरा पानी

गुजरात के सूरत में फिलहाल बारिश रुक गई है, लेकिन किम नदी का जलस्तर अब भी बढ़ा हुआ है। नदी के किनारे स्थित मुक्तिधाम श्मशान घाट पानी में डूब गया, जिसके चलते लोगों को अंतिम संस्कार के लिए दूसरे श्मशान घाटों पर जाना पड़ रहा है।


सूरत

कुदरत का कहर! बिहार में 6 लोगों की मौत केरलम-कर्नाटक में लैंडस्लाइड से गई 11 जानें

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

देश के कई हिस्सों में मानसून लोगों की मुश्किलें बढ़ा रहा है। कहीं लगातार बारिश से बाढ़ जैसे हालात हैं, तो कहीं लैंडस्लाइड ने सड़कें बंद कर दी हैं। सबसे ज्यादा असर केरलम में देखने को मिला है, जहां भारी बारिश और लैंडस्लाइड से 8 लोगों की मौत हो गई, 8 लोग अब भी लापता हैं। वहीं कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले में रविवार सुबह लैंडस्लाइड में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। राजस्थान के 24 जिलों में बारिश हो रही है। इसकी वजह से अजमेर की सड़कों पर पानी भर गया।


किश्तवाड़

जम्मू कश्मीर में लगातार बारिश, भूस्खलन

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में रविवार सुबह से लगातार हो रही बारिश के कारण नदियों और नालों का जलस्तर बढ़ गया है। अनेक जगह भूस्खलन होने के कारण जहां भारी नुकसान हुआ है वहीं कई लोग बेघर हो गए हैं। भूस्खलन के कारण कई मार्ग बंद हो गए हैं। मौसम विभाग ने अगले दो दिन और बारिश की संभावना जताई है।


केरल

केरल के 5 डैम पर रेड अलर्ट, बढ़ रहा जलस्तर

केरल में भारी बारिश के बीच मूझियार, कल्लारकुट्टी, एरट्टयार, लोअर पेरियार और पोरिंगलकुथु डैम पर रेड अलर्ट जारी किया गया है। जलस्तर बढ़ने के बाद प्रशासन ने निचले इलाकों के लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

हरियाणाः चार जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

हरियाणा में मानसून फिर सक्रिय होने जा रहा है। मौसम विभाग ने पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर और कुरुक्षेत्र में भारी बारिश और गरज-चमक का अलर्ट जारी किया है।

उत्तरकाशी में लैंडस्लाइड; बद्रीनाथ हाईवे धंसा

उत्तरकाशी में यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर लैंडस्लाइड से बड़ा हादसा टल गया, जबकि चमोली के गौचर में बद्रीनाथ हाईवे का 20 मीटर हिस्सा धंस गया। मौसम विभाग ने देहरादून, टिहरी, रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़, बागेश्वर और नैनीताल में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

मप्र के 55 जिलों में भारी बारिश की वार्निंग

मध्य प्रदेश में अगले दो दिन हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी रहेगा। मौसम विभाग के मुताबिक, भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर समेत 55 जिलों में रविवार को बारिश होने की संभावना है।

2000 लोगों ने की बारिश के लिए प्रार्थना

तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में सूखे मौसम की वजह से तिरुचिरापल्ली के थेन्नूर में मुस्लिम समाज के 2,000 लोगों ने बारिश की विशेष प्रार्थना (सलात अल-इस्तिस्का) की। कई जिलों में तापमान 37.5C से ऊपर बना हुआ है और राज्य भीषण जल संकट का सामना कर रहा है।

खबर संक्षेप

तालाब में डूबने से तीन बच्चों की मौत

महराजगंज। उत्तर प्रदेश के महराजगंज जिले में रविवार को एक तालाब में डूबने से तीन बच्चों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य बच्चा तैरकर बाहर निकलने में सफल रहा। पुलिस ने बताया कि राजबीर यादव, नीतीश यादव, रोहन और कृष्णा रौनियार (सभी 12 से 15 वर्ष) तालाब में नहाने गए थे। इसी दौरान सभी बच्चे गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। राजबीर किसी तरह तैरकर बाहर निकल आया और उसने लोगों को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों के साथ करीब 30 मिनट की मशक्कत के बाद तीनों बच्चों को तालाब से बाहर निकाला गया।

बालाघाट में बाघ के हमले से महिला की मौत

बालाघाट। मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले में रविवार तड़के बाघ के हमले में 30 साल की एक महिला की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह घटना कान्हा राष्ट्रीय उद्यान के खापा रेंज के अंतर्गत पर्रापुर बैगटोला गांव में हुई। ग्रामीणों के अनुसार, जिला मुख्यालय से लगभग 80 किलोमीटर दूर गांव में सुगनी बाई धुर्वे एक झोपड़ी में सो रही थीं तभी तड़के करीब 1.30 बजे एक बाघ ने उन पर हमला कर दिया और उन्हें घसीटकर ले जाने लगा।

पीएम मोदी ने लॉन्च किया नशा मुक्त अभियान

भारत में ड्रग्स सप्लाई आतंकी साजिश का हिस्सा, हम कामयाब नहीं होने देंगे : मोदी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

पीएम मोदी ने रविवार को 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' लॉन्च किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत में ड्रग्स की सप्लाई दुश्मन देशों की आतंकी साजिश का हिस्सा है। पीएम ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अपने संबोधन में कहा- दुश्मन देश भारतीय युवाओं को नशे के जाल में धकेलना चाहते हैं। इस साजिश को हमें मिलकर नाकाम करना होगा। विकसित भारत का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब देश का युवा शारीरिक और मानसिक रूप से फिट होने के साथ नशे से भी दूर रहेगा। यह कार्यक्रम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए देशभर के 28 हजार से ज्यादा स्थानों पर एक साथ आयोजित किया गया।



प्रमुख हस्तियों सहित 1 करोड़ से ज्यादा युवा हुए शामिल : कार्यक्रम में कई प्रमुख हस्तियां भी शामिल हुईं। इनमें आध्यात्मिक गुरु- अम्मा, श्री श्री रविशंकर, दाजी, डॉ. चिन्मय पंड्या और स्वामी ब्रह्मविहारीजी भी वर्चुअली जुड़े। इसके अलावा कई मुख्यमंत्री और राज्यपाल भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। अभियान में 1 करोड़ से ज्यादा युवा शामिल हुए। 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' सुबह 11 बजे से शुरू हुआ। प्रधानमंत्री के संबोधन से पहले देशभर के युवाओं ने एक साथ 'नशा मुक्त भारत' की शपथ ली।

नशे के खिलाफ जन आंदोलन बनाने की कोशिश

यह अभियान 125 से ज्यादा आध्यात्मिक संगठनों के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। सरकार चाहती है कि इस अभियान में स्कूल, कॉलेज, युवा संगठन, सामाजिक संस्थाएं, उद्योग संगठन और आध्यात्मिक संस्थाएं मिलकर काम करें। उद्देश्य है कि ज्यादा से ज्यादा लोग इस मुहिम से जुड़ें और नशे के खिलाफ इसे जन आंदोलन बनाया जाए।

100 हफ्तों तक हर रविवार कार्यक्रम होगा

इस कार्यक्रम का मकसद युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना और उन्हें अपने समाज में बदलाव लाने के लिए आगे बढ़ाना है। यह अभियान अगले 100 हफ्तों तक चलेगा। इसके तहत हर रविवार देशभर में अलग-अलग कार्यक्रम होंगे, जिनके जरिए लोगों को नशे के नुकसान बताए जाएंगे और नशा मुक्त भारत का संदेश दिया जाएगा।

ड्रग्स माफिया पर कार्रवाई कई गुना बढ़ी

देश में नशे के कारोबारियों और तस्करों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। बड़ी मात्रा में ड्रग्स जब्त की जा रही है और कार्रवाई पहले के मुकाबले कई गुना बढ़ी है। उन्होंने कहा कि यह सरकार की नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति का प्रमाण है।

नशा सपनों और परिवार दोनों को तोड़ देता है

पीएम मोदी ने कहा कि नशा युवाओं का फोकस भटकाकर उन्हें धीरे-धीरे उनके सपनों से दूर ले जाता है। आज भारत के युवा स्टार्टअप, एआई और स्पेस जैसे क्षेत्रों में दुनिया का नेतृत्व कर रहे हैं, लेकिन अगर कोई युवा ड्रग्स की गिरफ्त में आ जाए तो सिर्फ उसका सपना ही नहीं, पूरा परिवार हार जाता है। नशा एक पिता के सपनों और भाई-बहन की उम्मीदों को भी तोड़ देता है।

नशा व्यक्ति नहीं देश को कमजोर करता है

पीएम ने कहा, नशा केवल व्यक्ति को नहीं, बल्कि राष्ट्र की ताकत को भी कमजोर करता है। दुश्मन देश भारतीय युवाओं को ड्रग्स के जाल में फंसाने की साजिश रचते हैं। सरकार नशे के कारोबारियों और तस्करों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है।

ड्रग्स थोड़ी देर का आनंद छोड़ने वाले असली योद्धा

मोदी ने कहा ड्रग्स कुछ समय के लिए आनंद देता है, लेकिन करियर और फैमिली लाइफ को बर्बाद कर देता है। पीएम ने कहा कि नशे की लत से लड़कर बाहर निकलने वाले असली योद्धा हैं। किसी व्यक्ति का अतीत उसकी पहचान नहीं होता, बल्कि मुश्किलों से बाहर निकलने का उसका साहस उसकी असली पहचान होता है।

सुरक्षा बलों ने चलाया अभियान

मणिपुर में 9 उग्रवादी गिरफ्तार हथियार, 6 आईईडी बरामद



इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए अलग-अलग अभियानों में पिछले 24 घंटों के दौरान प्रतिबंधित विद्रोही संगठनों से जुड़े नौ उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। उनसे हथियार, गोला-बारूद व अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है। पकड़े गए उग्रवादी प्रतिबंधित संगठनों में कांगलेईपाक कम्युनिस्ट पार्टी (केसीपी), पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) और उसके पॉलिटिकल विंग रिवोल्यूशनरी पीपल्स फ्रंट (आरपीएफ) नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड-खापलांग और पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलेईपाक से जुड़े हैं।

हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा मिला

एक और संयुक्त अभियान में सुरक्षा बलों ने तेंगनौपाल जिले के मोरेह के एक जंगल इलाके से एक 9 एमएम की पिस्टल, एक डबल-बैरल बंदूक, छह रेडियो सेट, दो हैंड ग्रेनेड और छह शक्तिशाली आईईडी बरामद की हैं। पुलिस ने बताया कि बम निरोधक दस्ते ने मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का पालन करते हुए मौके पर ही आईईडी को सुरक्षित रूप से नष्ट कर दिया।

ITSA HOSPITALS
HEALTHCARE. HOSPITALITY. HARMONY.

पार्किंसन पर जीत, समय पर शुरुआत

पार्किंसन के सामान्य लक्षण:
- कंपन (Tremors)
- धीमी गति
- जकड़न (Stiffness)
- संतुलन समस्या
- बोलने/लिखने में बदलाव



जल्दी पहचान = बेहतर जीवन
हर सोमवार दोपहर 12 से 3 बजे तक
(समर्पित पार्किंसन एवं मूवमेंट डिसऑर्डर क्लिनिक)

विशेष सेवाएं शामिल
1. जटिल मोटर एवं नॉन-मोटर लक्षणों का मूल्यांकन व उपचार
2. डीप ब्रेन स्टिमुलेशन के लिए जांच व फॉलो-अप



डॉ. अभिजीत कुमार कोहाट
DM - न्यूरोलॉजी (SGPGIMS, लखनऊ)
क्लिनिकल फेलो - पार्किंसंस रोग और मूवमेंट डिसऑर्डर (नेशनल न्यूरोसाइंस इंस्टीट्यूट, सिंगापुर)
कंसल्टेंट
न्यूरोलॉजिस्ट और मूवमेंट डिसऑर्डर स्पेशलिस्ट
18+ वर्षों का अनुभव

समय पर इलाज, बेहतर जीवन
आज ही संपर्क करें।

इट्सा हॉस्पिटल्स, अम्बुजा सिटी सेन्टर मॉल के पास, सड्डू, रायपुर, छ.ग.
0771 4800000, 7880 110000
www.itsahospitals.com

कांवड़ यात्रा...



हरिद्वार। सावन के महीने में होने वाली कांवड़ यात्रा में गंगाजल लेकर बाबाधाम जातीं श्रद्धालु महिलाएं।

दावा- आरोपी चाकू लेकर आया था, संसद में चढ़ावा चोरी का नाटक किया था

सांसद पप्पू यादव पर चप्पल फेंकी समर्थकों ने आरोपी को पीटा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव पर उनके दिल्ली में स्थित आवास पर रविवार शाम एक शख्स ने हमला कर दिया। पप्पू यादव प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे, इसी बीच एक आदमी ने उनके ऊपर चप्पल फेंक दी। इसके बाद पप्पू के समर्थकों ने उसके साथ मारपीट की। पप्पू ने आरोप लगाया कि एक युवक ने चाकू लेकर उनकी हत्या की कोशिश की। उन्होंने कहा कि कुछ बाबा रोज कहते हैं- मुझे मार दो, जला दो, हम 51 लाख देंगे। हमने एक व्यक्ति को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस अभी आरोपी को पकड़कर ले गई है। उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।



राममंदिर में चंदा चोरी पर किया था नाटक

बता दें कि पप्पू यादव ने शुक्रवार को संसद में चंदा चोरी का नाटकर किया था, जिसके बाद लखनऊ के एक हिंदूवादी नेता ने उनका सिर लाने वाले को 51 लाख रुपए का इनाम देने का ऐलान किया था। हमले के बाद पप्पू यादव ने मीडिया से कहा- आपके सामने ही हमला हुआ है? मेरा क्या गुनाह है? गुनाह बृजभूषण तिवारी का है, चंपत राय का है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-रीजन टू ब्लीव होना अनिवार्य, याचिका हुई खारिज

सिर्फ 'संदेह' के आधार पर बैंक अकाउंट फ्रीज नहीं कर सकती ईडी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उसने दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें कहा गया था कि धन शोधन निवारण अधिनियम, 2000 की धारा 17(1A) के तहत केवल 'संदेह' के आधार पर बैंक खाते फ्रीज नहीं किए जा सकते। इसके लिए सक्षम प्राधिकारी के पास 'रीजन टू ब्लीव' (विश्वास के कारण) होना अनिवार्य है।

खंडपीठ ने दिल्ली हाईकोर्ट की व्याख्या सही मानी

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की खंडपीठ ने दिल्ली हाईकोर्ट की व्याख्या से सहमति जताते हुए कहा कि भले ही धारा 17(1ए) में रीजन टू ब्लीव शब्दों का स्पष्ट उल्लेख नहीं है, लेकिन इसे धारा 17(1) से अलग करके नहीं पढ़ा जा सकता। जब्ती के लिए 'विश्वास का कारण' होना आवश्यक है और चूंकि फ्रीज करना जब्ती का ही एक वैकल्पिक उपाय है, इसलिए उस पर भी वही मानक लागू होगा।



सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने याचिका की खारिज

दिल्ली हाईकोर्ट ने ईडी की कार्रवाई को अवैध बताते हुए कहा था कि बिना वैधानिक आवश्यकताओं और प्रक्रिया का पालन किए जारी किया गया फ्रीजिंग आदेश कानून की कसौटी पर टिक नहीं सकता। हाईकोर्ट ने यह भी कहा था कि बिना उचित आधार के किसी बैंक खाते को फ्रीज करना संविधान के अनुच्छेद 300ए के तहत संपत्ति के अधिकार का उल्लंघन है। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के इस दृष्टिकोण को बरकरार रखते हुए ईडी की अपील खारिज कर दी।

यह है पूरा मामला

मामला पूनम मलिक के दो बैंक खातों को फ्रीज करने से जुड़ा था। पूनम मलिक, कथित स्टर्लिंग बायोटेक बैंक धोखाधड़ी मामले के आरोपी गगन धवन से जुड़े बताए गए रंजीत मलिक की पत्नी हैं। हालांकि, न तो पूनम मलिक और न ही उनके पति का नाम एफआईआर या ईसीआईआर में था। ईडी के फ्रीजिंग आदेश में केवल यह कहा गया था कि संदेह है कि बैंक खाते में मनी लॉन्ड्रिंग की रकम हो सकती है, इसलिए खाते से डेबिट लेनदेन रोक दिया जाए। बाद में निर्णायक प्राधिकरण ने इस आदेश की पुष्टि की, लेकिन अपीलीय अधिकरण ने इसे रद्द कर दिया। इसके बाद ईडी दिल्ली हाईकोर्ट पहुंची।



हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

इस तरह के सवाल

- मल्टीमीडिया में इमेज की स्पष्टता को कौन सा पैरामीटर प्रभावित करता है?
- कौन-सी डिवाइस फ्लैश मेमोरी का उपयोग करता है?
- मल्टीमीडिया विकास के चरण बताइए।
- कपड़ा का पर्यायवाची शब्द कौन-सा है?
- 'सप्तर्षि' में प्रयुक्त संधि का क्या नाम है?
- 'देशभक्ति' में कौन-सा समास है?
- वीर रस का स्थायी भाव क्या है?
- 'स्मार्ट सिटी मिशन' किस वर्ष प्रारंभ हुआ?
- छत्तीसगढ़ में जनसंख्या घनत्व (जनगणना 2011) कितना है?
- भारत के प्रथम चुनाव आयुक्त कौन थे?
- काली मिट्टी मिलने वाले राज्य कौन से हैं?
- भारत में किस वर्ष प्रथम औद्योगिक नीति की घोषणा की गई थी?
- 1857 की क्रांति के शहीद मंगल पांडे किस छावनी के सैनिक थे?
- छत्तीसगढ़ के आदिवासी विद्रोहों का क्रम।

व्यापम ने 27 केंद्रों में आयोजित की सिविल अनुरेखक भर्ती परीक्षा

सिर्फ रायपुर में बनाए गए सेंटर, 63 फीसदी एबसेंट, फूल चौक स्कूल में पहुंचे मात्र 41

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खास खबर

छग कर्मचारी चयन मंडल (पूर्व नाम व्यापम) ने रविवार को अनुरेखक भर्ती परीक्षा आयोजित की। जल संसाधन विभाग के अंतर्गत रिक्त 35 पदों के लिए यह भर्ती परीक्षा आयोजित की गई। इस परीक्षा के लिए केवल राजधानी में ही केंद्र बनाए गए। रायपुर के 27 परीक्षा केंद्र में यह परीक्षा हुई। दूरस्थ क्षेत्रों के अभ्यर्थी परीक्षा दिलाने नहीं पहुंचे, इसलिए केवल 36.86 प्रतिशत उपस्थिति ही दर्ज की गई। षकर्मचारी चयन मंडल ने 22 मई से 15 जून तक इन पदों के लिए आवेदन मांगे थे। इस अवधि में 8821 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 3252 परीक्षा में उपस्थित रहे, जबकि 5569 ने परीक्षा छोड़ दी। एक केंद्र में सिर्फ 41 परीक्षार्थी ही पहुंचे। यह व्यापम का केंद्र क्रमांक 2527 अर्थात फूल चौक स्थित शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ⏭शेष पेज 7 पर



कम आवेदन के कारण सीमित केंद्र

अनुरेखक भर्ती परीक्षा के लिए व्यापम को दस हजार आवेदन भी नहीं मिल सके थे। कम आवेदन संख्या के कारण व्यापम ने केवल राजधानी में ही केंद्र बनाया। अधिक जिलों में केंद्र बनाने पर परिवहन, पर्यवेक्षक सहित अन्य मद मिलाकर लागत में वृद्धि हो जाती है। परीक्षार्थियों से बहुवैकल्पिक सवाल पूछे गए। एक अंक के 100 सवाल पूछे गए। इसे हल करने के लिए 120 मिनट अर्थात 2 घंटे का समय दिया गया। अनुरेखक का पद होने के कारण ड्राइंग-डिजाइन संबंधित सवाल भी प्रश्नपत्र का हिस्सा रहे। क्षैतिज रेखाएं खींचने के लिए किस उपकरण का उपयोग किया जाता है, आइसोमेट्रिक प्रोजेक्शन कोण सहित डाइमेंशन रेखा से जुड़े सवाल पूछे गए।

Ninh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA sky चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

अमरनाथ यात्रा के लिए 3,886 श्रद्धालु रवाना

जम्मू। लगातार बारिश के कारण दो दिनों तक बंद रहे जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग के आंशिक रूप से



बहाल होने के बाद 3,886 श्रद्धालुओं का एक नया जत्था भगवती नगर आधार शिविर से अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना हुआ। एक दिन के विराम के बाद यात्रा का 25वां जत्था कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 177 वाहनों के काफिले में तड़के दो बजकर 52 मिनट पर जम्मू आधार शिविर से मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में स्थित बालटाल के लिए रवाना हुआ।

हवाई अड्डों से 11 करोड़ का सोना जब्त

कोच्चि। केरल के सीमा शुल्क विभाग ने विभिन्न हवाईअड्डों से पिछले एक सप्ताह को दौरान तस्करी कर लाया गया आठ किलोग्राम सोना जब्त किया है। बरामद सोने की कीमत 11 करोड़ रुपए से अधिक है। इस संबंध में पिछले एक सप्ताह के दौरान में कुल 14 मामले दर्ज किए गए और नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार लोगों में केरल के छह और तमिलनाडु के तीन लोग शामिल हैं। ये अभियान राजस्व खुफिया निदेशालय और केरल पुलिस के सहयोग से चलाए गए।

कोकीन तस्करी गिरोह का किया पर्दाफाश

दीमापुर। नगालैंड पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले एक बड़े अंतरराज्यीय गिरोह का



भंडाफोड़ किया है, जो कथित तौर पर व्यावसायिक कूरियर और पार्सल सेवाओं के जरिए कोकीन मंगाकर उसकी तस्करी करता था। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान तोहुका सेमा उर्फ तोका, येका अवोमी (30), बीरेश कुमार (22), अख्तर हुसैन (35) तथा मादक पदार्थों के परिवहन को सुगम बनाने वाले वितरण एजेंट स्वंथेइबा इंकाह (25) के रूप में हुई है।

चॉकलेट पैकेट में छुपा कर लाया 2.7 किग्रा गांजा

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने थाईलैंड के फुकेट से आए एक यात्री को गिरफ्तार किया है। उसके पास से चॉकलेट के पैकेट्स में छिपाकर लाया गया 2.7 किलोग्राम संदिग्ध 'हाइड्रोपोनिक गांजा' बरामद हुआ है। 'हाइड्रोपोनिक गांजा' एक उच्च गुणवत्ता और अधिक असरदार किस्म का गांजा होता है जिसे मिट्टी के बजाय पोषक तत्वों से भरपूर पानी में उगाया जाता है। दो अगस्त को फुकेट से पहुंचे इस यात्री को उस समय रोका गया जब वह सीमा शुल्क विभाग का ग्रीन चैनल पार कर चुका था।

ट्रंप बोले : शांति समझौते के पैरामीटर्स तय, ईरान बोला- दावा झूठा

ट्रंप ने फिर किया सीजफायर का ऐलान ईरान की दो टूक, नहीं खुलेगा होर्मुज

एजेंसी ⏭ वाशिंगटन/तेहरान

पांच महीने से चल रहे ईरान-अमेरिका संघर्ष के बीच एक बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने ऐलान किया है कि युद्ध खत्म करने के लिए संभावित समझौते के पैरामीटर्स तय कर लिए गए हैं। इसी को देखते हुए उन्होंने फिलहाल ईरान पर नए सैन्य हमलों के आदेश रोक दिए हैं। इधर, ईरान ने ट्रंप के इस दावे को झूठा बताया और कहा-ईरान 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' को खोलने की अनुमति नहीं देगा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि पश्चिम एशिया के सहयोगी देशों ने ईरान के साथ पांच महीने से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए एक समझौते की रूपरेखा पर सहमति बना ली है। उन्होंने कहा कि फिलहाल वह इस संघर्ष में ईरान पर नए सैन्य हमले का आदेश नहीं देंगे। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि इस समझौते में 'होर्मुज जलडमरूमध्य को तत्काल और पूरी तरह खोलना तथा ईरान के परमाणु खतरे का अंत शामिल होगा। उन्होंने कहा, इस अनुरोध के आधार पर मैंने दुनिया के भविष्य के हित में और साथ ही एक सफल एवं समृद्ध ईरान के अस्तित्व को ध्यान में रखते हुए फिलहाल हमलों को रोकने पर सहमति दी है, बशर्ते कि शीघ्र ही कोई समझौता हो सके। अमेरिका और इजराइल द्वारा 28 फरवरी को ईरान पर हमला किए जाने के बाद से राष्ट्रपति ट्रंप कई बार हमले रोकने की घोषणा कर चुके हैं।

अमेरिका सैन्य रूप से हर जवाब के लिए तैयार- ट्रंप

डोनाल्ड ट्रंप की सोशल मीडिया पोस्ट के मुताबिक, अमेरिका सैन्य ताकत के मामले में पूरी तरह तैयार है और जरूरत पड़ने पर ईरान के खिलाफ कार्रवाई कर सकता है। ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिका के पास ऐसी सैन्य तैयारी है जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद नहीं देखी गई। हालांकि ईरान और अन्य पश्चिमी एशियाई देशों ने अमेरिका से हमला न करने की अपील की है, क्योंकि समझौते की रूपरेखा लगभग तय हो चुकी है। इसमें होर्मुज को तुरंत खोलना शामिल है।



पूरी तरह खुलेगा होर्मुज स्ट्रेट

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा है, ईरान और दूसरे मिडिल ईस्ट देशों ने हमसे अभी-अभी कहा है कि हम किसी भी हमले को रोक दें क्योंकि समझौते की सीमाओं पर सहमति बन गई है। इसमें होर्मुज स्ट्रेट को तुरंत पूरी तरह से खोलना और ईरान के न्यूक्लियर खतरे को खत्म करना शामिल होगा।

इजरायल भी नहीं करेगा कोई हमला

ट्रंप ने आगे बताया है कि पश्चिमी एशियाई देशों की अपील के बाद अमेरिका ने ईरान पर अपने नए हमलों को रोक दिया है। साथ ही ट्रंप ने ये भी कहा कि हमारे हमले कब तक रूके रहेंगे ये इस बात पर निर्भर करता है कि शांति समझौते को कितना जल्दी लागू किया जाता है। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका के साथ-साथ इजरायल भी इस शांति समझौते का हिस्सा होगा और वह हमले नहीं करेगा।

ईरान अपनी शर्तों पर अडिग

ईरान की बातचीत करने वाली टीम के एक सूत्र के हवाले से समाचार एजेंसी ने बताया कि ईरान 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' को खोलने की अनुमति नहीं देगा। साथ ही, उन खबरों का हकीकत से कोई लेना-देना नहीं है, जिनमें कहा गया है कि तेहरान ने इस जलमार्ग को फिर से चालू करने के लिए कतरी मध्यस्थों के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' से जहाजों की आवाजाही फिर से शुरू करने पर कोई समझौता नहीं हुआ है और इस बारे में फैली खबरें झूठी हैं। सूत्र ने जोर देकर कहा कि जब तक अमेरिका अपनी शत्रुतापूर्ण कार्रवाई जारी रखता है, तब तक यह जलमार्ग बंद रहेगा। सूत्रों के अनुसार, होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की बात गलत है। दुश्मन से जुड़े कुछ मीडिया संस्थानों ने दावा किया था कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान, होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की योजना पर सहमत हो गया है।

बिजली हाफ का लाभ मिलेगा हजारों को

बारिश का असर, बिजली खपत 31.91 फीसदी घटी



हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर सिटी रीजन में जुलाई माह में बिजली की खपत में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। जून 2026 में कुल बिजली खपत 131.27 मिलियन यूनिट थी, जो जुलाई में घटकर 89.38 मिलियन यूनिट रह गई। इस प्रकार एक माह में बिजली खपत में 31.91 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक बिजली उपयोग करने वाले सभी उपभोक्ता वर्गों में खपत के साथ-साथ उपभोक्ताओं की संख्या में भी कमी आई है। 600 यूनिट से अधिक बिजली उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं की संख्या में 64.23 प्रतिशत तथा उनकी कुल बिजली खपत में 38.13 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। इसी प्रकार 401 से 600 यूनिट श्रेणी में उपभोक्ताओं की संख्या 33.99 प्रतिशत तथा बिजली खपत 32.58 प्रतिशत घटी है। जून माह में 400 यूनिट तक बिजली उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं की संख्या ⏭शेष पेज 7 पर

अब 400 यूनिट तक की श्रेणी में

आंकड़ों के अनुसार 0 से 100 यूनिट श्रेणी में उपभोक्ताओं की संख्या 53.12 प्रतिशत तथा 101 से 200 यूनिट श्रेणी में 51.79 प्रतिशत बढ़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि गर्मी का मौसम समाप्त होने, एयर कंडीशनर एवं कूलर जैसे विद्युत उपकरणों के उपयोग में कमी आने तथा ऊर्जा संरक्षण के प्रति बढ़ती जागरूकता का भी बिजली खपत में आई कमी पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। बड़ी संख्या में उपभोक्ता अब 400 यूनिट तक की श्रेणी में आ गए हैं, जिससे उन्हें शासन की राहतकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त हो रहा है।

अब तक 36 करोड़ की प्रॉपर्टी जब्त

भारतमाला घोटाले में 12.78 करोड़ रुपए की संपत्ति अटैच

अटैच संपत्ति में 4.69 करोड़ मूल्य के शेयर और म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स भी शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के रायपुर जोनल ऑफिस ने भारतमाला परियोजना मुआवजा घोटाला में शामिल आरोपियों की 12.78 करोड़ रुपए की संपत्ति अटैच करने की कार्रवाई की है। जिन संपत्तियों को अटैच किया गया है, उनमें 4.69 करोड़ रुपए के शेयर और म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स भी शामिल हैं। जांच एजेंसी ने मनी-लॉन्ड्रिंग के अपराध के लिए जय प्रकाश गांधी और 13 अन्य के ख़िलाफ विशेष न्यायालय पीएमएलए कोर्ट में एक सप्लीमेंट्री प्रॉसिक्यूशन कंप्लेंट (अतिरिक्त अभियोजन शिकायत) भी दायर की है। भारतमाला परियोजना मुआवजा घोटाला में केंद्रीय जांच एजेंसी ने ईओडब्लू, एसीबी द्वारा दर्ज अपराध के आधार पर जांच शुरू की थी। यह एफआईआर अभनपुर के तत्कालीन एसडीओ निर्भय साहू और अन्य लोगों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज की गई थी। इसके बाद ⏭शेष पेज 7 पर



पूर्व तहसीलदार-नायब तहसीलदार को लिया रिमांड पर

भारत माला परियोजना के घोटालेबाज अफसर दबोचे गए

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भारतमाला परियोजना मुआवजा घोटाला मामले में ईओडब्लू, एसीबी की टीम ने बुधवार को घोटाले के दो अहम आरोपी अभनपुर के तत्कालीन तहसीलदार शशिकांत कुरे तथा गोबरा नवापारा के तत्कालीन नायब तहसीलदार लखेश्वर प्रसाद किरण को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों ने गिरफ्तारी से बचने सुप्रीम कोर्ट में याचिका भी दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने दोनों आरोपियों की याचिका पहले ही खारिज कर दी है। शशिकांत तथा लखेश्वर प्रसाद को गिरफ्तार करने के बाद ईओडब्लू, तथा एसीबी की टीम ने ⏭शेष पेज 7 पर

भू-माफिया के साथ मिलकर घोटाला

हरिभूमि फॉलोअप

ज्यादा मुआवजा पाने जमीन को छोटे टुकड़ों में बांटा

जांच से पता चला कि जमीन मालिकों और निजी व्यक्तियों ने जमीन के दलालों और रेवेन्यू अधिकारियों के साथ आपराधिक मिलीभगत कर भारतमाला परियोजना निर्माण के लिए नोटिफिकेशन जारी होने के बाद जमीन खरीदी और धोखाधड़ी से ज्यादा मुआवजा पाने उसके कई छोटे टुकड़े किए। इसमें परिवार के सदस्यों के नाम पर सेल डीड (बिक्री विलेख) और गिफ्ट डीड (दान विलेख) के जरिए किए गए हस्तांतरण भी शामिल थे।

56.76 लाख की जमीन का मुआवजा 9.83 करोड़ मिला

ईडी की जांच से यह भी पता चला कि जय प्रकाश गांधी और उनके परिवार के सदस्यों को उनके 56.76 लाख रुपए मुआवजा के बदले 9.83 करोड़ रुपए का मुआवजा मिला। इसके बाद इस अवैध कमाई को कई चरणों में घुमाकर चल और अचल संपत्तियों, शेयरों, म्यूचुअल फंड और अन्य वित्तीय साधनों में निवेश किया गया। इसमें परिवार के सदस्यों और जुड़ी हुई फर्मों के नाम का भी इस्तेमाल किया गया। जांच में यह भी पता चला कि गांव नायकबंधा के अलग-अलग खसरा नंबरों वाली जमीन के टुकड़ों के लिए अन्य जमीन मालिकों को भी इसी तरह ज्यादा मुआवजा मिला। इसके अलावा, उमा तिवारी ने दिवंगत जमीन मालिक की बेटी को गोद ली हुई बेटी बताकर जाली रेवेन्यू रिकॉर्ड के आधार पर गांव उगेतारा में जमीन के लिए लगभग 2.13 करोड़ रुपए का मुआवजा हासिल किया।

तन्वी ने रचा इतिहास

जीता ताइपे ओपन का खिताब



- खिताब को जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी
- वियतनाम की छठी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी थुई लिन्ह को हराया
- साइना नेहवाल (2008) के बाद ताइपे ओपन जीतने वाली दूसरी भारतीय महिला खिलाड़ी
- तन्वी का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 300 टाइटल

ताइपे। 17 वर्षीय बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने ताइपे ओपन का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। वह इस खिताब को जीतने वाली किसी भी कैटेगरी की सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनी हैं। यह उनका पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 300 टाइटल भी है। तन्वी ने महिला सिंगल्स फाइनल में वियतनाम की छठी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी गुयेन थुई लिन्ह को 21-16, 21-16 से हराकर शानदार जीत हासिल की। वह साइना नेहवाल (2008) के बाद ताइपे ओपन जीतने वाली दूसरी भारतीय महिला सिंगल्स खिलाड़ी बन गई हैं।

इंडोनेशिया में बड़ा समुद्री हादसा

यात्री नौका में लगी आग पांच की मौत, 41 लापता



एजेंसी ⏭ सुराबाया

इंडोनेशिया के जावा द्वीप के पास रविवार को 271 लोगों को ले जा रही एक नौका में आग लग गई। इस हादसे में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और करीब 41 लोग लापता हो गए, जबकि बचाव दल और वहां से गुजर रहे जहाजों ने जलती हुई नौका से सैकड़ों लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। 'मुटियारा सेंटोसा 2' नौका देश के दूसरे सबसे बड़े शहर जावा के सुराबाया से दक्षिण सुलावेसी के मकासर शहर जा रही थी।

जान बचाने के लिए समुद्र में कूदे यात्री

सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो और चश्मदीदों के मुताबिक, देखते ही देखते पूरी फेरी से काला धुआं और ऊंची लपटें उठने लगीं। जहाज पर सवार कई यात्रियों ने लाइफ जैकेट पहन रखी थी और वे आग से बचने के लिए जहाज के अगले हिस्से और ब्रिज की ओर जमा हो गए। अपनी जान बचाने के लिए दर्जनों यात्री उफनते समुद्र में कूद गए।

ग्लास्गो के रेस्टोरेंट में पहुंची थी कॉमनवेल्थ विजेता बॉक्सर

भारत के नक्शे से नॉर्थ ईस्ट गायब, लवलीना ने लगाई लताड़

एजेंसी ⏭ ग्लास्गो

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारतीय मुक्केबाजों ने पदकों की बारिश कर दी। लेकिन जब यह पदक विजेता इसका जश्न मनाने पहुंचे तो उन्हें खासी निराशा का सामना करना पड़ा। असल में शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय खिलाड़ियों का मिस्टर सिंह्स इंडिया- द होम ऑफ करी' में स्वागत किया गया। इस दौरान ओलंपिक पदक विजता और कॉमनवेल्थ गेम्स में सिल्वर मेडल जीतने वाली महिला बॉक्सर लवलीना का ध्यान नैपकिन पर छपे भारत के नक्शे पर गया। उन्होंने देखा कि भारत के नक्शे से नॉर्थईस्ट गायब है। लवलीना ने कहा कि उन्हें यह देखकर बेहद निराशा हुई। इसको लेकर उन्होंने लताड़ भी लगाई है।



असम को समर्पित किया पदक

बता दें कि लवलीना ने अपना पदक असम के लोगों को समर्पित किया है। लवलीना ने रविवार को ऑनलाइन प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि इस समय असम की जो स्थिति है, वह मेरे लिए काफी दुखद है। असम के लोगों को इस स्थिति में देखकर मुझे बहुत बुरा लग रहा है। बाढ़ खत्म होने के बाद भी लोगों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। असम में बाढ़ से सात जिलों में लगभग 1.78 लाख लोग प्रभावित है।

खिलाड़ियों के स्वागत के दौरान सामने आया मामला

यह मामला उस समय सामने आया, जब कॉमनवेल्थ गेम्स में शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय दल के सदस्यों का स्वागत 'मिस्टर सिंह्स इंडिया –द होम ऑफ करी' रेस्टोरेंट में किया गया। यहां खिलाड़ियों को जिन कागज के नैपकिनों के साथ भोजन परोसा गया, उन पर भारत का गलत नक्शा छपा हुआ था।

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने कही यह बात

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने इस बारे में पूछे जाने पर रविवार को कहाकि हम वहां रात्रिभोज के लिए गए थे। हमें वहां यह गलती दिखी। मैंने और लवलीना ने इसकी जानकारी रेस्टोरेंट मैनेजमेंट को दी। उन्होंने इसके लिए हमसे माफी मांगी और कहा कि वे सही नक्शे वाले नए नैपकिन मंगवा रहे हैं। इस बारे में रेस्टोरेंट को बताना हमारा फर्ज था और हमने वही किया।

अल्पवर्षा के संकट से अभिशप्त बेमेतरा, आधा सीजन बीतने के बाद भी केवल 31 फीसदी बारिश

जुलाई बीतने के बाद जब राज्य के ज्यादातर जिलों में वर्षा का पचास फीसदी से ज्यादा कोटा पूरा हो चुका है, तब बेमेतरा जिला 31 फीसदी बरसात के साथ अल्पवर्षा का संकट झेल रहा है। जानकारों का मानना है कि पिछले चार साल से रेनशेड एरिया अपनी स्थिति बदलकर बेमेतरा को प्रभावित कर रहा है। इसके पहले इसकी छाया कबीरधाम जिले पर होती थी और वहां अल्पवर्षा का संकट होता था। बेमेतरा की औसत वर्षा 1052.4 मिमी. है और पिछले साल भी केवल 524 मिमी. बारिश हुई थी।

रायपुर। राज्य का आधा रेनी सीजन बीत चुका है और यहां कुल 566 मिमी. बारिश हो चुकी है, जो औसत वर्षा का करीब पचास फीसदी है। जुलाई में सक्रिय हुए मानसूनी सिस्टम ने इस बार मध्य इलाके में ज्यादा असर दिखाया और रायपुर समेत आसपास के जिलों में जून-जुलाई का कोटा पूरा हो गया। राज्य में केवल पांच जिले सरगुजा, सूरजपुर-मनेन्द्रगढ़, कांकेर, जशपुर और बेमेतरा जिले अल्पवर्षा के संकट से जूझ रहा है। बेमेतरा जिले में इस बार भी औसत वर्षा का कोटा पूरा होने की उम्मीद कम है, क्योंकि पिछले चार साल से यह जिला वर्षा का संकट झेल रहा है। मौसम विभाग के विशेषज्ञ मध्य इलाके में आने वाले इस जिले में कम बरसात की वजह का सही-सही अंदाजा लगाने में खुद को असमर्थ पाते हैं।

अलग खबर

विशेषज्ञों का तर्क- चार साल से कबीरधाम से बेमेतरा शिफ्ट हुआ रेनशेड एरिया

क्या होता है रेनशेड एरिया

जानकारों के मुताबिक शुष्क या कम वर्षा वाले भू-भाग को वृष्टि छाया क्षेत्र कहा जाता है। सामान्यतः यह किसी पर्वत पहाड़ के पीछे हवा की विमुख दिशा होती है। जबकि बेमेतरा की भौगोलिक स्थिति इस तरह की नहीं है। ऐसे में रेनगैज के संग्रहण अथवा औसत आंकड़े कम वर्षा का कारण हो सकता है। सरगुजा जिले में मानसूनी की गतिविधि देर से शुरू होती है और अन्य क्षेत्रों की तुलना में देर तक चलती है जिससे सामान्यतः वहां का कोटा पूरा हो जाता है।



राज्य की औसत वर्षा 1142 मिमी

छत्तीसगढ़ की औसत वर्षा 1 जून से 30 सितंबर तक 1142 मिमी. माना जाता है। जुलाई बीतने के बाद राज्य में 566 मिमी. बारिश हो चुकी है। यानी पचास फीसदी कोटा पूरा हो चुका है। अगस्त के महीने में बनने वाले तीन से चार मानसूनी सिस्टम से यह आंकड़ा अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने की उम्मीद है। हालांकि दिल्ली के मौसम विशेषज्ञों के पूर्वानुमान के मुताबिक भू-मध्य प्रशांत महासागर में अलनीनों के सामान्य से कम बारिश होने का अनुमान है।

बेमेतरा जिले में वर्षा की स्थिति

- **वर्ष 2025** में एक जून से 30 सितंबर के बीच 524 मिमी. बारिश जो सामान्य से पचास फीसदी कम था
- **वर्ष 2024** में रेनी सीजन के तीन महीने के बाद आंकड़ा 609 मिमी. तक पहुंचा जो करीब साठ फीसदी कम था
- **वर्ष 2023** में मानसूनी मौसम के दौरान यहां करीब 943 मिमी. वर्षा हुई जो औसत का लगभग 82 फीसदी था
- **वर्ष 2022** में इस जिले में 757 मिमी. बारिश हुई थी जो सामान्य वर्षा के कोटे का 66 प्रतिशत ही था।

खबर संक्षेप

सफाई के दौरान करंट लगने से युवक की मौत

धमतरी। शिव मंदिर की साफ-सफाई कर रहा युवक हाईवोल्टेज करंट की चपेट में आ गया। इस घटना में युवक की मौत हो गई। सावन माह के पहले सोमवार को होने वाली पूजा-अर्चना को लेकर एक दिन पूर्व लालबगीचा में स्थित शिव मंदिर में तैयारियां चल रही थीं। मंदिर के पास ही रहने वाला युवक रविवार को परिसर की साफ-सफाई कर रहा था। इस दौरान युवक मंदिर के ऊपर स्थित पेड़ की डाली को काटने के लिए चढ़ा था। पेड़ की डाली के पास से ही हाईवोल्टेज बिजली का तार गुजरकर ट्रांसफार्मर तक गया है। पत्ता हटाते समय युवक अचानक करंट की चपेट में आ गया। करंट के झटके से युवक मंदिर की छत पर गिर गया। घटना को देख आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। अचेत पड़े युवक को तत्काल उपचार के लिए मसीही अस्पताल ले गए जहां डॉक्टर ने चेकअप के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस अस्पताल पहुंची और पंचनामा कर शव को जिला अस्पताल भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को शव सौंप दिया है। बताया गया कि मृतक घनश्याम सेन मोहल्ले में सेलून की दुकान चलाता था। कम उम्र में ही मेहनत व अपने व्यवसाय से जुड़े होने के कारण उसका व्यवहार लोगों को पसंद था। युवक सेलून चलाकर परिवार संभाल रहा था। रविवार को हुई इस दुखद घटना से परिजन व मोहल्लेवासी शोक में डूब गए हैं।



मामले में अब 17 लोगों की हो चुकी गिरफ्तारी

बीएसपी स्क्रैप चोरी में भाजपा नेता ने दिए पुलिस को कई क्लू, रसूखदार आएंगे लपेटे में

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

बीएसपी के स्क्रैप चोरी मामले में पुलिस ने भाजपा नेता भास्कर मुदलियार के गिरफ्तारी के बाद कई रसूखदार और बड़े नाम सामने सकते हैं। पुलिस के मुताबिक भास्कर मुदलियार ने पूछताछ में कई अहम जानकारी दी है। इसे लेकर पुलिस जल्द बड़ा खुलासा कर सकती है। अब तक पुलिस ने 16 आरोपियों को पकड़ा है, भास्कर 17 वां आरोपी है।

तीन माह से चल रहे बीएसपी के स्क्रैप चोरी मामले का सूत्रधार अब तक पुलिस गिरफ्त से बाहर है। जिसे लेकर पुलिस बारिकी से जांच कर रही है। भास्कर मुदलियार के पकड़े जाने के बाद उसे भाजपा ने प्रथमिक सदस्यता से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है। वैशाली नगर मंडल का यह कोषाध्यक्ष भी था। वैशाली नगर निवासी भास्कर मुदलियार प्लांट के चोरी के स्क्रैप को बेचवाने में बड़ा योगदान रहा है। पुलिस ने इसे शनिवार को पकड़कर कई जानकारी हासिल किया है। आने वाले दिनों में पुलिस बीएसपी के अफसर, सीआईएसएफ के जवान समेत कई और लोगों से पूछताछ कर सकती है। मामले की जांच में भास्कर मुदलियार के कई वाहन लंबे समय से बीएसपी के अंदर चल रहे थे। इसके पास से मिले सबूतों के आधार पर उसकी भूमिका सामने आई। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की है।



इनकी हो चुकी गिरफ्तारी

अब तक पुलिस ने मिथेन ठाकुर, संजय सिंह, रवनद्रि सिंह, मदन साहू, इंदर पटेल, घनश्याम गुप्ता, कैलाश शर्मा, उपेन्द्र ओझा, तेजराम निषाद, चितानंद, गीतेश वर्मा, निर्मल सिंह, आकाश ठाकुर, भास्कर मुदलियार समेत अन्य लोगों को जेल भेज चुकी है।



तीन माह पहले हुआ था खुलासा

26 मई को भिलाई तीन तीन थाना क्षेत्र से ग्राम अकलोरडीह खदानपारा स्थित एके ट्रेडर्स और हथखोज के प्लॉट नंबर-18 में पुलिस ने दबिश दिया। जांच के दौरान कई हाईवा, ट्रक, अन्य वाहनों में फ्लू डस्ट के साथ लोहे की प्लेट, बीम, कटिंग सामग्री मिली थी। मौके से करीब 250 टन लौह स्क्रैप भी बरामद हुआ था। स्क्रैप की ढुलाई और लोडिंग में इस्तेमाल होने वाले कई वाहन, जेसीबी, हाईड्रा अन्य मशीनें भी जब्त की गई थीं। जब्त सामान और वाहनों की कुल कीमत करीब 3 करोड़ 22 लाख रुपए आंकी गई थी। इसमें लगभग 90 लाख रुपए का लौह स्क्रैप शामिल था।

पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी है पुलिस

पुलिस के मुताबिक स्क्रैप चोरी मामले में भास्कर के गिरफ्तारी के बाद चोरी के नेटवर्क तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। जांच के दौरान नए तथ्य सामने आ रहे हैं। जांच अधिकारियों के मुताबिक यह सिर्फ लोहा चोरी का मामला नहीं है, बल्कि इसके पीछे काम कर रहे पूरे नेटवर्क की पड़ताल भी चेक किया जा रहा है। पुलिस सभी पहलुओं को एक-एक कर जांच किया जा रहा है। बीएसपी में लोहा चोरी का यह मामला पिछले कुछ समय से लगातार चर्चा में है। अब रसूखदार कारोबारी व भाजपा नेता भास्कर मुदलियार की गिरफ्तारी के बाद इस पूरे मामले ने नया मोड़ ले लिया है। पुलिस का दावा है कि जांच निष्पक्ष तरीके से आगे बढ़ाई जा रही है।

मोबाइल की लत ने ली 9वीं की छात्रा की जान



हरिभूमि न्यूज ⏭ बोड़ला

मोबाइल फोन की लत और एक पल का गुस्सा आज फिर एक हंसते-खेलते परिवार पर कहर बनकर टूटा। बोड़ला में मोबाइल चलाने से मना करने पर 9वीं कक्षा की छात्रा प्रगति मरकाम ने किराए के मकान में फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

- मोबाइल को लेकर परिजनों की डांट से खफा छात्रा ने लगाई फांसी

इस खौफनाक कदम के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। मिली जानकारी के अनुसार, मृतक बालिका प्रगति मरकाम कक्षा 9वीं की छात्रा थी। उसके पिता राजेश मरकाम और माता बोड़ला स्थित शासकीय छात्रावास में रसोइया का काम करते हैं।

परिवार बोड़ला में ही एक किराए के मकान में रहता है। बताया जा रहा है कि घटना वाले दिन प्रगति लगातार मोबाइल चला रही थी। इस दौरान पिता राजेश मरकाम ने उसे पढ़ाई पर ध्यान देने और मोबाइल न चलाने की हिदायत देते हुए डांट दिया। पिता की इस बात से दुखी और नाराज होकर बच्ची ने घर के कमरे में खुद को बंद कर लिया और फांसी का फंदा लगा लिया।

दरवाजा तोड़कर छात्रा को निकाला गया बाहर

घटना के बाद परिजनो ने आनन-फानन में दरवाजा तोड़कर उसे नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बच्चों में मोबाइल की लत और छोटी-छोटी बातों पर उग्र कदम उठाने की प्रवृत्ति बेहद चिंताजनक है। अभिभावक बच्चों को अचानक डांटने के बजाय धैर्य और समझाइश से मोबाइल के सही इस्तेमाल के प्रति जागरूक करें।

आठ दिन पूर्व घर से लापता महिला का मिला कंकाल

कवर्धा। ग्राम चौरा निवासी झंगल बैगा ने थाना भोरमदेव में 1 अगस्त को सूचना दी कि उसकी पत्नी चैती बाई बैगा उम्र 28 वर्ष गत 26 जुलाई को प्रातः लगभग 7.00 बजे बिना किसी को बताए घर से निकल गई थी और वापस नहीं लौटी। इस सूचना पर थाना भोरमदेव में गुमशुदगी दर्ज कर पुलिस द्वारा तत्काल महिला की तलाश प्रारंभ की गई। साथ ही परिजनों एवं ग्रामीणों को भी आसपास के क्षेत्रों में खोजबीन करने हेतु कहा गया। तलाश के दौरान परिजनों एवं ग्रामीणों को मृतिका के घर से लगभग 200 मीटर दूर जंगल-झाड़ी में स्थित एक सेन्हा पेड़ की डंगाल पर मृतिका की साड़ी का एक सिरा बंधा हुआ तथा पास की नरकंकाल पड़ा देखा और इसकी सूचना तत्काल भोरमदेव पुलिस को दी।



रेलवे साइडिंग पर मालगाड़ी का डिब्बा पटरी से उतरा



हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

एसईसीएल की मानिकपुर रेलवे साइडिंग पर शनिवार को एक मालगाड़ी का डिब्बा पटरी से उतर गया। कोयले से भरी यह मालगाड़ी रेलवे की सेकेंड एंट्री पर खड़ी थी। इस घटना के कारण एसईसीएल का कोयला लोडिंग और परिवहन कार्य लगभग तीन घंटे तक बाधित रहा। जिसकी वजह से एसईसीएल व रेलवे दोनों को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ा।

- तीन घंटे तक प्रभावित रहा कोयला परिवहन मेंटेनेंस अभाव में हादसे की आशंका

उल्लेखनीय है कि मानिकपुर साइडिंग पर कोयला लोडिंग के बाद मालगाड़ी को पीछे करते समय रेलवे के सेकेंड एंट्री पॉइंट पर मालगाड़ी के एक डिब्बे का पहिया अचानक पटरी से उतर गया। सूत्रों की मानें तो रेलवे ट्रैक पर लंबे समय से उचित रखरखाव नहीं किया जा रहा है। संभवतः मरम्मत में बरती गई कोताही की वजह से यह घटना घटी होगी। दरअसल पटरियों पर गिट्टी और लेवलिंग की समस्या थी जिसका मरम्मत कार्य नहीं किया जा रहा था। कोयला लोडिंग के कारण डिब्बे पर अतिरिक्त भार था, जिससे कमजोर ट्रैक पर पहिया उतर गया।

कोयला आपूर्ति रही बाधित

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के 500 मेगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता वाले डीएसपीएम संयंत्र में मानिकपुर कोयला खदान से कोयले की आपूर्ति की जाती है। इसके लिए रेलवे स्टेशन के समीप एसईसीएल द्वारा रेलवे साइडिंग का निर्माण किया गया है जहां से मालगाड़ी के जरिये डीएसपीएम संयंत्र को कोयले की आपूर्ति की जाती है। रेलवे ट्रेक पर मालगाड़ी के डिरेल होने की वजह से डीएसपीएम संयंत्र में भी कोयला आपूर्ति बाधित हो गई थी।

ट्रैक मरम्मत और सुरक्षा जांच के दिए निर्देश

घटना के बाद रेलवे और एसईसीएल के वरिष्ठ अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने ट्रैक की मरम्मत और सुरक्षा जांच के निर्देश दिए हैं। रेलवे सूत्रों के अनुसार घटना के कारणों की जांच की जा रही है। भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ट्रैक मेंटेनेंस में सुधार किया जाएगा। इस घटना का कोयला उत्पादन और डिस्पैच पर अस्थायी असर पड़ा। शाम तक स्थिति सामान्य कर ली गई और लोडिंग का काम फिर से शुरू हो गया।

हरिभूमि HEALTH CARE छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बडों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

AB आई हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
पता : - 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड़, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुजनता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
रानी सती मंदिर के पास, केनाल सिविल रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी
स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330 मो. 0771-4347172

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

कावेरी जल विवाद गरमाया, शिवकुमार की सर्वदलीय बैठक

सरकार और हम खुद कावेरी मामले में राज्य के लोगों और किसानों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध, कर्नाटक अभी भी सूखे की मार झेल रहा

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

तमिलनाडु के साथ कावेरी जल विवाद के बीच कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के आधिकारिक आवास पर सर्वदलीय बैठक की। इस बैठक में मुख्यमंत्री शिवकुमार, राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और बसवराज बोम्मई, केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एम. वीरप्पा मोइली और कर्नाटक सरकार के मंत्री एमबी पाटिल, कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद मौजूद हैं। उपमुख्यमंत्री परमेश्वर भी थे।

◆ कर्नाटक सरकार के मंत्री समेत केंद्रीय मंत्री भी रहे बैठक में शामिल



फिलहाल धैर्य बनाए रखें

मुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा कि सरकार और वह खुद कावेरी मामले में राज्य के लोगों और किसानों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि हर परिस्थिति में राज्य के हितों की सुरक्षा की जाएगी।डीके शिवकुमार ने कहा कि कर्नाटक अभी भी सूखे जैसी स्थिति का सामना कर रहा है। राज्य में अनुमानित बारिश का केवल करीब 30-35 फीसदी ही बारिश हुई है।

सुप्रीम कोर्ट का रुख करेगी तमिलनाडु सरकार

इससे पहले शुक्रवार को तमिलनाडु सरकार ने साफ किया कि वह अपने हिस्से के पानी के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख करेगी। राज्य के कानून मंत्री आर. निर्मल कुमार ने कहा कि कर्नाटक की ओर से पानी छोड़ने से इनकार किए जाने के बाद अब कानूनी रास्ता अपनाया जाएगा।

यह है कावेरी जल विवाद

कावेरी नदी कर्नाटक से निकलकर तमिलनाडु होते हुए बंगाल की खाड़ी में मिलती है। दोनों राज्यों के बीच दशकों से इस बात को लेकर विवाद रहा है कि नदी का पानी किस अनुपात में बांटा जाए। इस विवाद के समाधान के लिए कावेरी जल विवाद न्यायाधिकरण का गठन किया गया था और बाद में कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण बनाया गया, जो जरूरत के अनुसार पानी छोड़ने के निर्देश देता है।

पानी का बहाव घटाया

उन्होंने कहा कि शनिवार को काबिनी जलाशय से कावेरी में पानी का बहाव बढ़ाकर 25,000 क्यूसेक कर दिया गया था। रविवार सुबह इसे काफी घटाकर 10,000 क्यूसेक कर दिया गया, लेकिन बाद में इसे बदलकर 14,958 क्यूसेक कर दिया गया। फिर पानी का बहाव बढ़कर 28,009 क्यूसेक हो गया। अंबुमणि ने आरोप लगाया कि यह अनिश्चित पैटर्न साफ़ तौर पर दिखाता है कि कर्नाटक का तमिलनाडु को पानी का उसका कानूनी हिस्सा देने का कोई इरादा नहीं है। इसके बजाय, वह कावेरी नदी का इस्तेमाल - जो तमिलनाडु से होकर बहती है - सिर्फ़ अतिरिक्त पानी निकालने के लिए एक बाढ़ निकासी चैनल के तौर पर कर रहा है।

पट्टालि मक्कल काच्चि के अध्यक्ष अंबुमणि बोले

मेकेदातु बांध से कावेरी का पानी तमिलनाडु आना बंद हो जाएगा



चेन्नई। पट्टालि मक्कल काच्चि (पीएमके) के अध्यक्ष अंबुमणि रामदास ने कहा कि अगर प्रस्तावित मेकेदातु जलाशय बन गया होता, तो तमिलनाडु को कर्नाटक के काबिनी जलाशय से अभी जितना पानी मिल रहा है, उतना भी नहीं मिल पाता। पीएमके नेता ने एक बयान में तमिलनाडु सरकार से कर्नाटक की इस परियोजना को लागू करने की कोशिश का कड़ा विरोध करने की अपील की तथा सभी राजनीतिक दलों एवं किसान संगठनों को साथ लेकर एक संयुक्त कार्य योजना बनाने की मांग की। उन्होंने दावा किया कि पिछले दो दिनों में कर्नाटक से अनियमित मात्रा में पानी छोड़ा जा रहा है।

खबर संक्षेप

राष्ट्रपति 3 से 5 अगस्त तक ओडिशा के दौरे पर

नई दिल्ली। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 3 से 5 अगस्त तक ओडिशा के दौरे पर रहेंगी। राष्ट्रपति के दौरे के दौरान कटक, खुर्दा और गंजाम जिलों में सुरक्षा और लॉजिस्टिक इंतजामों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। राष्ट्रपति 3 अगस्त को कटक स्थित जगदगुरु कृपालु विवि का उद्घाटन करेंगी। इसके बाद 4 अगस्त को वह रेल मार्ग से भुवनेश्वर से बरहमपुर पहुंचेंगी।



प्रधानमंत्री, शाह और योगी को धमकी, मामला दर्ज

रांची। झारखंड पुलिस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को 'जान से मारने की धमकी' देने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। रांची जिले के नगरी पुलिस थाने में शनिवार को भाजपा के नगरी मंडल अध्यक्ष रितेश राज महतो की शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई।



हार्दिक पंड्या ने तिरुपति बालाजी में कराया मुंडन

तिरुपति। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने रविवार को तिरुमाला स्थित वेंकटेश्वर स्वामी (तिरुपति बालाजी) मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस दौरान हार्दिक सिर मुंडवाए। उनके साथ उनकी गर्लफ्रेंड माहिका शर्मा भी मौजूद थीं। यहां आस्था और मनोकामना पूर्ति के लिए मुंडन करने की विशेष परंपरा है।



मायावती ने सिद्धार्थ को पार्टी से किया बाहर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव के कुछ महीने पहले पूर्व सीएम मायावती ने बहुजन समाज पार्टी के संगठन में एक बार फिर बड़ा बदलाव किया है। मायावती ने भतीजे आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ को सभी जिम्मेदारियों से मुक्त करते हुए पार्टी से निकाल दिया है। ऐसा ही एक्शन मायावती ने रणधीर सिंह बेनीवाल के साथ भी किया।



दो पक्षों में फायरिंग दो की मौत, 3 घायल

मुरैना। जिले के सुमावली थाना अंतर्गत हटूपुरा घुरैया बसई गांव में पारिवारिक विवाद में खूनी संघर्ष हो गया। एक ही परिवार के दो पक्षों के बीच दिनदहाड़े हुई ताबड़तोड़ फायरिंग में दो सगे भाइयों राजवीर गुर्जर और अजब सिंह गुर्जर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हो गए। गोलीबारी की इस घटना से गांव में दहशत और तनाव का माहौल है।



खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के स्वात जिले में शांति मार्च के दौरान हुए विस्फोट

पाकिस्तान में फिदायीन हमला, रैली में धमाका, 5 सुरक्षाकर्मियों समेत 14 की मौत

12 लोग गंभीर रूप से हुए घायल



एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में रविवार को एक बड़ा हादसा हुआ। स्वात जिले के काबल टाउन में शांति मार्च के दौरान जोरदार धमाका हुआ। इस भीषण विस्फोट में 5 पुलिसकर्मियों और 9 नागरिकों समेत 14 की जान चली गई, जबकि 12 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक यह धमाका आत्मघाती हमला लग रहा है, हालांकि इस बारे में अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। धमाके की खबर मिलते ही जिला प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंच गए। रेस्क्यू टीमों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और घायलों को नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया। पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे इलाके को घेर लिया है ताकि जांच की जा सके और स्थिति को काबू में रखा जा सके। स्थानीय लोग पहले से ही सुरक्षा के मुद्दे को लेकर चिंतित थे और यह हमला उनकी चिंता को और बढ़ा देगा। प्रशासन ने इलाके में सुरक्षा और कड़ी करने के आदेश दिए हैं।

मुख्य निशाना पाकिस्तानी पुलिस बल ही था

क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी मलकंद ने बताया कि पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा स्थित स्वात में काबल पुलिस स्टेशन के पास अमन पासून शांति रैली के दौरान एक संदिग्ध आत्मघाती धमाका हुआ है। धमाके में मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है। शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक, इस हमले का मुख्य निशाना पाकिस्तानी पुलिसबल ही था और घटना के बाद से सुरक्षाबलों ने इलाके को घेरकर जांच शुरू कर दी है।

जिरगा आदिवासी परिषद का था शांति मार्च

दरअसल, यह मार्च स्वात अमन जिरगा नाम की स्थानीय आदिवासी परिषद ने आयोजित की थी। पिछले कुछ महीनों में इस इलाके में सुरक्षा हालात काफी बिगड़े हैं, जिसे देखते हुए लोगों ने शांति की मांग को लेकर यह मार्च निकाला था। मार्च में शामिल लोग हाथों में तख्तियां लेकर नारे लगा रहे थे और इलाके में अमन बहाल करने की अपील कर रहे थे। इसी दौरान अचानक जोरदार धमाका हुआ, जिससे पूरे इलाके में अफरातफरी मच गई।

किसी संगठन ने नहीं ली जिम्मेदारी

स्वात पुलिस ने बताया कि मरने वालों और घायलों की संख्या बढ़ भी सकती है, क्योंकि कई घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। फिलहाल इस हमले के पीछे किसका हाथ है, इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई है और न ही किसी संगठन ने इसकी जिम्मेदारी ली है लेकिन जिस तरह से शांति मार्च को निशाना बनाया गया, उससे इलाके में डर और तनाव का माहौल है।

इससे पहले ड्रोन से घात लगाकर किया हमला

इससे पहले बुधवार देर रात यहां के हांगू जिल के खजीना बंदा चौकी पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया, जिसमें एक पुलिस अधिकारी सहित 10 पुलिसकर्मियों की जान चली गई जबकि 28 घायल हैं। पुलिस चौकी पर प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान ने हमला किया था। प्रारंभिक जांच के मुताबिक, आतंकियों ने ड्रोन से घात लगाकर हमला किया था। इसके जवाब में पुलिस ने भी गोलियां चलाई जिसमें 15 हमलावर भी मारे गए हैं।

पाक में बढ़े टीटीपी के हमले

बता दें कि पिछले कुछ सालों से खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में टीटीपी के हमले बढ़ गए हैं, जिसका आरोप पाकिस्तान पड़ोसी देशों पर लगाता है। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में इससे पहले भी कई बड़े हमले हो चुके हैं हमले का आरोप भी टीटीपी पर लगा था।

राहुल का डीएमके को संदेश

परिसीमन बिल का समर्थन जनता के साथ धोखा होगा

सरकार तमिलनाडु की राजनीतिक ताकत छीनने का प्रयास कर रही



एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सभी विपक्षी दलों से संसद में परिसीमन बिल का विरोध करने का आह्वान किया है। राहुल ने कहा कि इस बिल का विरोध हर तमिल और राष्ट्रीय पार्टी को करना चाहिए। अगर कोई इस बिल का समर्थन करता है, तो वह तमिलनाडु की जनता के साथ धोखा करेगा। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि केंद्र सरकार परिसीमन बिल पास करके तमिलनाडु की राजनीतिक ताकत छीनने का प्रयास कर रही है। लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दावा किया कि केंद्र सरकार दक्षिण के राज्यों से उनकी राजनीतिक ताकत छीनना चाहती है। उन्होंने कहा, ₹यह तमिल लोगों की राजनीतिक ताकत छीनने की एक साजिश है। इसलिए हर एक तमिल पार्टी और राष्ट्रीय पार्टी को संसद में इस परिसीमन विधेयक को नाकाम करने के लिए काम करना चाहिए।

बिल का समर्थन करने वाला जनता को देगा धोखा: राहुल

राहुल ने जोर देकर कहा कि इस बिल का समर्थन करने वाला 21वीं सदी का एट्टप्पन होगा। उन्होने कहा कि जो कोई भी इस बिल का समर्थन करता है, वह तमिलनाडु और राज्य के भविष्य के साथ विश्वासघात करता है। कोई भी राजनीतिक दल या व्यक्ति जो परिसीमन विधेयक को पारित कराने में भाजपा के प्रयास का समर्थन कर रहा है। वह तमिलनाडु के के साथ धोखा कर रहा है। इतिहास उन्हें 21वीं सदी के एट्टप्पन के रूप में याद रखेगा। तमिलनाडु की इतिहास में एट्टप्पन नाम धोखे का पर्यायवाची है। यह 18वीं सदी के उस तमिल शासक से प्रेरित है, जिसने स्वतंत्रता सेनानी वीरपांडिया कट्टाबोम्मन को पकड़वाने में अहम भूमिका निभाई थी।



डीएमके के रुख में आया बदलाव

डीएमके शुरुआत से ही इस बिल का विरोध करती रही है। विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस द्वारा दिए गए धोखे के बाद उसके रुख में बदलाव देखने को मिल सकता है।अब यह बात सामने आई थी कि डीएमके इस बिल पर केंद्र सरकार को समर्थन देने के बारे में सोच रही है। अगर केंद्र सरकार केवल जनगणना के आधार पर परिसीमन लाने का फैसला करती है, तो इससे तमिलनाडु की नुकसान होगा। इस पर वह समर्थन नहीं करेंगे। लेकिन अगर सभी राज्यों को समान सीटें बढ़ाई जाती हैं और पार्टी के मुद्दों को ध्यान में रखा जाता है। तो पार्टी इस बारे में आगे बात कर सकती है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला

एसआईटी चंपत, मिश्रा समेत 200 लोगों से करेगी पूछताछ

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) की कार्रवाई अब और तेज हो गई है। जांच एजेंसी श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय, पूर्व ट्रस्टी अनिल मिश्रा और गोपाल राव से एक बार फिर पूछताछ करने की तैयारी में है। जांच के दौरान दस्तावेज और शुरुआती बयानों में सामने आए विरोधाभास के बाद यह कदम उठाया जा रहा है।



एजेंसी ने इस मामले में सिर्फ 8 मुख्य आरोपियों पर ही अपना शिकंजा नहीं कसा है, बल्कि 200 से भी ज्यादा लोगों को नोटिस जारी किए हैं। इन सभी संदिग्धों और गवाहों को समन भेजकर एजेंसी के सामने पेश होने के निर्देश दिए गए हैं। मिश्रा ने निगरानी में चूक की बात स्वीकारते हुए पूरी जिम्मेदारी टिन्नू यादव पर डाली थी, वहीं चंपत राय ने बैंक के साथ हुए समझौतों सुरक्षा व्यवस्था और गिनती की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए थे।

पंजाब कांग्रेस की बैठक में फिर हंगामा

चन्नी लाओ, पंजाब बचाओ के लगे नारे, गुटबाजी सामने आई

एजेंसी ▶▶ बरनाला

पंजाब कांग्रेस में जारी अंतर्कलह थमने का नाम नहीं ले रही है। रविवार को एक बार फिर से कांग्रेस नेताओं में गुटबाजी देखने को मिली। पूर्व मुख्यमंत्री और मौजूदा सांसद चरणजीत सिंह चन्नी के समर्थकों ने बरनाला में कांग्रेस की बैठक के दौरान उस वक्त हंगामा शुरू कर दिया जब अमरिंदर सिंह राजा बोल रहे थे और पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल भी बैठक में मौजूद थे। इस दौरान चन्नी समर्थकों ने नारे लगाए- चन्नी लाओ, पंजाब बचाओ। यह लगातार दूसरा दिन था जब पार्टी की सभा में इस तरह की नारेबाजी देखी गई।



बघेल और अमरिंदरपार्टी संगठन को मजबूत करने के जनसंपर्क अभियान के तहत पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से मिलने के लिए रविवार को बरनाला में थे। इनकीउपस्थिति में यह नारेबाजी की गई। बैठक में चन्नी नहीं थे। हालांकि, चन्नी समर्थक बड़ी संख्या में मौजूद थे।

रूस- उक्रेन युद्ध फिलहाल नहीं रुक रहा

रूस ने कई इलाकों में हमले तेज किए

दोनों के बीच लड़ाई में अब कालासागर बना प्रमुख केंद्र

एजेंसी ▶▶ कीव

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में अब ब्लैक सी (काला सागर) के बंदरगाह रणनीतिक लड़ाई का प्रमुख केंद्र बन गए हैं। रूस ने ओडेसा सहित यूक्रेन के प्रमुख तटीय इलाकों में मिसाइल और ड्रोन हमले तेज कर दिए हैं। इस सैन्य कार्रवाई का मुख्य मकसद यूक्रेन की आर्थिक रीढ़ और अंतरराष्ट्रीय सप्लाई लाइन को पूरी तरह तोड़ना है। यूक्रेन के कुल निर्यात में कृषि उत्पादों की हिस्सेदारी लगभग 60 प्रतिशत है। ब्लैक सी पोर्ट्स के जरिए ही मिस्र, इंडोनेशिया और यूरोपीय संघ जैसे देशों को गेहूं, मक्का और सूरजमुखी तेल का बड़ा हिस्सा भेजा जाता है। हमलों के बढ़ते खतरे और महंगे बीमा शुल्क के कारण करीब 90 फीसदी शिपिंग ऑपरेटरों ने इन पोर्ट्स से अपनी आवाजाही घटा दी है। यूक्रेन के सामने पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम की सीमित संख्या के कारण इन बंदरगाहों को बचाना एक बड़ी चुनौती बना हुआ है।



आरटीआई एक्टिविस्ट का दीपके पर बड़ा हमला

सूरत के तिवारी ने 3 अलग-अलग सरकारी एजेंसियों से शिकायत की

पिता की 60 हजार तनख्वाह बेटे की पढ़ाई यूएस में हो रही

एजेंसी ▶▶ सूरत/नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके एक बार फिर विवादों में हैं। इस बार गुजरात के सूरत के आरटीआई कार्यकर्ता अमित तिवारी ने उनके परिवार की संपत्ति, पार्टी की फंडिंग और राजनीतिक गतिविधियों को लेकर 3 अलग-अलग सरकारी एजेंसियों से शिकायत की है। तिवारी ने महाराष्ट्र सरकार, चुनाव आयोग और केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड को पत्र भेजकर मामले की जांच कराने की मांग की है। तिवारी का कहना है कि दीपके के पिता भगवानराव दीपके महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम में जूनियर इंजीनियर थे। उनका दावा है कि इस पद पर 60 से 65 हजार मासिक वेतन मिलता है। ऐसे में सवाल उठता है कि इतनी आय में परिवार ने अपने बच्चों को अमेरिका जैसे महंगे देश में पढ़ाई के लिए कैसे भेजा? उनके परिवार की आय और संपत्ति की निष्पक्ष जांच कराई जाए।



4 बड़ी बातें

- *अभिजीत दीपके के पिता की आय और संपत्ति की जांच की मांग।*
- *सीजेपी पर बिना पंजीकरण राजनीतिक गतिविधियां चलाने और चंदा जुटाने का आरोप।*
- *कपिल सिब्बल के घोषित 1 करोड़ के फंड की जांच और कर संबंधी पहलुओं की पड़ताल हो*
- *महाराष्ट्र सरकार, चुनाव आयोग और सीबीआईसी को अलग-अलग शिकायतें भेजी गईं।*

आरएसएस के लिमये ने कहा

सीजेपी का प्रोटेस्ट देश विरोधी और संविधान के खिलाफ था

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह अतुल लिमये ने महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में एवीवीपी के कार्यक्रम में छात्रों को संबोधित करते हुए अतुल लिमये ने जंतर-मंतर पर हुए सीजेपी के प्रोटेस्ट को 'एंटी-नेशनल' बताया। लिमये ने कहा कि आंदोलन को अहम केस स्टडी के रूप में देख सकते हैं। उन्होंने इसे 'संविधान के खिलाफ बताया। लिमये ने कहा कि पेपर लीक को लेकर छात्रों की शुरुआती नाराजगी स्वाभाविक थी, लेकिन आंदोलन ने एक अलग ही राजनीतिक दिशा ले ली। इस विरोध के जरिए वामपंथी संगठनों की अल्टरनेटिव पॉलिटिक्स की रणनीति को परखा गया है

5 अगस्त को सीजेपी की अहम बैठक, रणनीति बनेगी

नीट पेपर लीक मामले को लेकर देशभर में आंदोलन चलाने वाली सीजेपी की कोर कमेटी की अहम बैठक 5 अगस्त को महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में होगी। बैठक में संगठन की आगे की रणनीति और भविष्य के कार्यक्रमों पर चर्चा की जाएगी। इसमें आंदोलन से जुड़े प्रमुख सदस्य हिस्सा लेंगे।

केंद्रीय मंत्री गोयल ने किया दावा

प्रधानमंत्री मोदी की बढ़ रही लोकप्रियता से राहुल परेशान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता पीयूष गोयल ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की युवाओं के बीच बढ़ती लोकप्रियता से परेशान हैं। राहुल खुद को पहले 'युवा नेता' मानते थे, लेकिन अब युवाओं के बीच उनकी वैसी लोकप्रियता नहीं रही है।गोयल ने दावा किया कि भाजपा को युवा मतदाताओं का समर्थन लगातार मिल रहा है। गोयल ने कहा कि युवा भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री के विजन का लगातार समर्थन करते रहेंगे। उन्होंने प्रधानमंत्रीको दुनिया का 'सबसे लोकप्रिय नेता' भी बताया। गोयल ने कहा कि युवाओं के साथ उनका जुड़ाव और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनकी मौजूदगी देश के विकास को और तेज करने में मदद करेगी। गोयल ने पत्रकारों से कहा, विपक्ष के नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री मोदी की बढ़ती लोकप्रियता और युवाओं के साथ उनके जुड़ाव से परेशान हैं।



चिंतन

नशामुक्त युवा विकसित भारत की मजबूत नींव



राष्ट्रमंडल खेल
महेन्द्र तिवारी

नशा किसी एक व्यक्ति की जिंदगी बर्बाद करने वाला अभिशाप भर नहीं है, यह समाज और राष्ट्र की ताकत को भीतर से कमजोर करने वाला गंभीर खतरा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' की शुरुआत करते हुए ड्रग्स की सप्लाई को दुश्मन देशों की आतंकी साजिश का हिस्सा बताया है। उनका यह बयान नशे की समस्या को केवल स्वास्थ्य या कानून-व्यवस्था के सवाल से आगे ले जाकर राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ता है। यदि किसी देश के युवाओं को सुनियोजित तरीके से नशे की गिरफ्त में धकेलने की कोशिश होती है तो उसका मुकाबला भी उतनी ही गंभीरता और रणनीति के साथ करना होगा। भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का सपना केवल आर्थिक विकास, आधुनिक तकनीक और मजबूत बुनियादी ढांचे से पूरा नहीं होगा। इसकी सबसे मजबूत नींव देश का स्वस्थ, शिक्षित, सक्षम और नशामुक्त युवा होगा। नशा युवाओं के सपनों पर सबसे पहले हमला करता है। जिस उम्र में युवा शिक्षा हासिल कर सकता है, हुनर विकसित कर सकता है, खेल में आगे बढ़ सकता है या अपना कारोबार शुरू कर सकता है, उसी उम्र में नशे की गिरफ्त उसका भविष्य रोक सकती है। नशा कुछ समय के लिए मानसिक उत्तेजना या राहत का भ्रम दे सकता है, लेकिन इसकी कीमत स्वास्थ्य, पैसा, रिश्तों और करियर से चुकानी पड़ती है। प्रधानमंत्री ने ड्रग्स की सप्लाई को दुश्मन देशों की आतंकी साजिश से जोड़ते हुए जिस खतरे की ओर संकेत किया है, उसे गंभीरता से लेने की जरूरत है। यदि नशीले पदार्थों की तस्करी के पीछे संगठित अपराध और देशविरोधी नेटवर्क सक्रिय हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई केवल कानून-व्यवस्था का अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की लड़ाई भी है। ड्रग्स के उत्पादन, तस्करी और वितरण से जुड़े पूरे नेटवर्क को तोड़ना होगा। सीमाओं से लेकर शहरों और गांवों तक पहुंच चुकी सप्लाई चेन पर लगातार और प्रभावी निगरानी जरूरी है। हालांकि केवल तस्करों पर कार्रवाई से नशे की समस्या खत्म नहीं होगी। जितनी जरूरी सप्लाई रोकना है, उतना ही जरूरी नशे की मांग को कम करना भी है। इसके लिए परिवारों, स्कूलों, कॉलेजों और सामाजिक संगठनों को आगे आना होगा। युवाओं को नशे के नुकसान के बारे में केवल भाषण देने से बात नहीं बनेगी। उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के ठोस अवसर देने होंगे। खेल के मैदान, कौशल विकास, रोजगार, स्टार्टअप, कला, संगीत और रचनात्मक गतिविधियां युवाओं की ऊर्जा को सही दिशा दे सकती हैं। इसी दृष्टि से अगले 100 सप्ताह तक हर रविवार नशामुक्ति से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करने की पहल को जनभागीदारी से जोड़ना जरूरी है। किसी अभियान की सफलता केवल शपथ लेने या कार्यक्रम आयोजित करने से नहीं मापी जा सकती। असली सफलता तब होगी, जब नशे की उपलब्धता घटे, युवाओं में जागरूकता बढ़े और नशे की गिरफ्त में आ चुके लोगों को समय पर उपचार और पुनर्वास मिले। नशामुक्त भारत का सपना तभी साकार होगा, जब सरकार की सख्ती और समाज की संवेदनशीलता साथ चलें। तस्करों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो, लेकिन युवाओं के लिए बेहतर शिक्षा, खेल, रोजगार और स्वस्थ मनोरंजन के रास्ते भी खुलें। परिवार बच्चों से संवाद बढ़ाएं और शिक्षण संस्थान केवल परीक्षा परिणाम नहीं, विद्यार्थियों के मानसिक और सामाजिक विकास पर भी ध्यान दें। नशामुक्त युवा ही स्वस्थ समाज की ताकत और विकसित भारत की सबसे मजबूत नींव हैं।

भारतीय बॉक्सिंग में सुनहरा अध्याय

> राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय मुक्केबाजों ने ठीक ऐसा ही एक स्वर्णिम अध्याय लिखा है। जब रिंग में भारत के मुक्केबाज उतर रहे थे तो उनके चेहरों पर एक अलग ही आत्मविश्वास और आंखों में जीत की अचूक चमक थी। यह चमक केवल एक दिन की मेहनत का परिणाम नहीं थी, बल्कि इसके पीछे सालों का पसीना, अनगिनत संघर्ष और वैश्विक पटल पर खुद को साबित करने की अदम्य इच्छाशक्ति छिपी थी। भारतीय दल ने इस बार बॉक्सिंग इवेंट के दस फाइनल मुकाबलों में हिस्सा लिया और सभी दस में पदक जीतकर यह साबित कर दिया कि भारतीय मुक्केबाजी अब एक नए मुकाम पर पहुंच चुकी है। सात स्वर्ण और तीन रजत पदक जीतना कोई सामान्य बात नहीं है।

खेलों की दुनिया में कुछ क्षण ऐसे होते हैं जो इतिहास के पन्नों पर हमेशा के लिए स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो जाते हैं। ग्लासगो में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय मुक्केबाजों ने ठीक ऐसा ही एक स्वर्णिम अध्याय लिखा है। जब रिंग में भारत के मुक्केबाज उतर रहे थे तो उनके चेहरों पर एक अलग ही आत्मविश्वास और आंखों में जीत की अचूक चमक थी। यह चमक केवल एक दिन की मेहनत का परिणाम नहीं थी, बल्कि इसके पीछे सालों का पसीना, अनगिनत संघर्ष और वैश्विक पटल पर खुद को साबित करने की अदम्य इच्छाशक्ति छिपी थी।

भारतीय दल ने इस बार बॉक्सिंग इवेंट के दस फाइनल मुकाबलों में हिस्सा लिया और सभी दस में पदक जीतकर यह साबित कर दिया कि भारतीय मुक्केबाजी अब एक नए मुकाम पर पहुंच चुकी है। सात स्वर्ण और तीन रजत पदक जीतना कोई सामान्य बात नहीं है। यह राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में भारत का अब तक का सबसे बेहतरीन मुक्केबाजी प्रदर्शन है जिसने देश का सिर फक्र से ऊंचा कर दिया है। इस ऐतिहासिक सफलता को केवल पदकों की संख्या से नहीं आंका जा सकता है। इसके पीछे भारत के छोटे शहरों, गांवों और कस्बों से निकलकर आई उन प्रतिभाओं की कहानी है जिन्होंने तमाम अभावों के बावजूद अपने सपनों को मरने नहीं दिया। जब हम मुक्केबाजी की बात करते हैं तो हरियाणा के भिवानी और रोहतक जैसे शहरों का जिक्र आना स्वाभाविक है, लेकिन इस बार पदक विजेताओं की सूची इस बात की गवाही देती है कि अब खेल का यह जुनून पूरे देश में फैल चुका है। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ की दूरदर्शी नीतियां, सरकार का निरंतर समर्थन और प्रशिक्षकों की दिन-रात की मेहनत ने मिलकर एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार किया है जहां अब केवल हिस्सा लेने के लिए नहीं, बल्कि जीतने के लिए खिलाड़ी रिंग में उतरते हैं। इस बार का प्रदर्शन इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि भारतीय मुक्केबाज अब तकनीकी और शारीरिक दोनों ही मोर्चों पर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को धूल चटाने का माद्दा रखते हैं। इस अभूतपूर्व सफलता में सबसे ज्यादा ध्यान खींचने वाली बात भारतीय महिला मुक्केबाजों का दबदबा रहा है।

महिला वर्ग में भारत ने पांच अलग-अलग भार वर्गों में सीधे स्वर्ण पदक अपने नाम किए जो महिला सशक्तिकरण की एक जीती जागती मिसाल है। 51 किलोग्राम भार वर्ग में साक्षी चौधरी, 54 किलोग्राम में प्रीति पवार, 57 किलोग्राम में जैस्मिन लंबोरिया, 60 किलोग्राम में प्रिया घणघस और 70 किलोग्राम भार वर्ग में अरुंधति चौधरी ने जिस आक्रामकता और तकनीकी कौशल का प्रदर्शन किया उसने पूरी दुनिया के खेल पंडितों को चकित कर दिया। इन महिला खिलाड़ियों ने साबित कर दिया कि भारतीय बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। उनके घूंसे केवल विरोधी खिलाड़ियों पर ही नहीं पड़े, बल्कि समाज की उस रूढ़िवादी सोच पर भी पड़े हैं जो लड़कियों को चारदीवारी में सीमित रखना चाहती है। रिंग के अंदर उनकी फुर्ती, सटीक फुटवर्क और सही समय पर पंच मारने की कला ने उन्हें अजेय बना दिया। यह जीत भारत की हर उस युवा लड़की के लिए एक प्रेरणा है, जो अपने लिए एक बड़ा सपना देखने की हिम्मत जुटा रही है। पुरुष वर्ग में भी भारतीय



मुक्केबाजों ने अपने शानदार प्रदर्शन से पदकों की झड़ी लगा दी। साठ किलोग्राम भार वर्ग में सचिन सिवाच और अस्सी किलोग्राम भार वर्ग में अंकुश पंघाल ने स्वर्ण पदक जीतकर यह संदेश दिया कि भारतीय पुरुष मुक्केबाजी का भविष्य अत्यंत सुरक्षित और उज्ज्वल है। इन दोनों युवा खिलाड़ियों ने रिंग में जिस संयम और आक्रामकता का संतुलन दिखाया, वह देखने लायक था। उन्होंने अपने विरोधियों को कोई मौका नहीं दिया और अपनी अचूक रणनीतियों से मुकाबलों को एकतरफा बना दिया। इसके अलावा, 55 किलोग्राम में जदुमणि सिंह और नब्बे प्लस किलोग्राम भार वर्ग में नरेंद्र बेरवाल ने भी रजत पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया। यह रजत पदक भी सोने से कम नहीं हैं क्योंकि उन्होंने फाइनल तक के सफर में दुनिया के कई दिग्गज मुक्केबाजों को मात दी थी। उनका यह प्रदर्शन आने वाले विश्व कप और ओलंपिक जैसे बड़े आयोजनों के लिए एक मजबूत नींव का काम करेगा। अनुभवी खिलाड़ियों का प्रदर्शन भी इस दल की एक बड़ी ताकत रहा। ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन ने 75 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीतकर अपनी निरंतरता साबित की। खेल में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं और कई बार फाइनल मुकाबले बहुत ही करीबी अंतर से छूट जाते हैं, लेकिन लवलीना का पोडियम तक पहुंचना यह बताता है कि उनके अंदर अभी भी खेल के प्रति वही पुरानी आग बाकी है। उनकी उपस्थिति मात्र से ही युवा खिलाड़ियों को बहुत कुछ सीखने को मिला होगा। एक वरिष्ठ खिलाड़ी के रूप में उन्होंने पूरे दल का मार्गदर्शन किया और उनका यह अनुभव भविष्य की प्रतियोगिताओं में भारत के लिए बहुत उपयोगी साबित होने वाला है। इस जीत के पीछे के विज्ञान और तकनीकी पहलुओं को समझना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

आज के दौर में मुक्केबाजी केवल ताकत का खेल नहीं रह गया है। यह दिमाग, तकनीक, स्पोर्ट्स साइंस और वीडियो एनालिटिक्स का एक जटिल मिश्रण बन चुका है। भारतीय मुक्केबाजों की इस सफलता के पीछे उनके कोच और सपोर्ट स्टाफ का एक बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने हर विरोधी खिलाड़ी की कमजोरियों का बारीकी से अध्ययन किया और उसी के अनुसार रणनीतियां बनाईं। खिलाड़ियों की डाइट से लेकर उनकी मानसिक सेहत तक हर छोटी-छोटी बात का ख्याल रखा गया। हाल ही में खेलों को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा जो भारी भरकम बजट आवंटित किया गया है, उसका असर अब जमीन पर दिखने लगा है। जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को तराशने की जो मुहिम शुरू की गई थी, वह अब वटवृक्ष का रूप ले रही है। जब किसी एथलीट को विश्व स्तरीय सुविधाएं मिलती हैं तो उसका आत्मविश्वास अपने आप बढ़ जाता है और यही आत्मविश्वास हमें ग्लासगो के बॉक्सिंग अरीना में देखने को मिला। राष्ट्रमंडल खेलों में मुक्केबाजी के इस स्वर्णिम प्रदर्शन ने भारत की समग्र पदक तालिका में भी एक बड़ा उछाल ला दिया है।

इसके कारण भारत अंक तालिका में शीर्ष देशों की कतार में मजबूती से खड़ा हो गया है। एक समय था जब भारत केवल शूटिंग या कुश्ती जैसे कुछ गिने-चुने खेलों पर ही पदकों के लिए निर्भर रहता था, लेकिन अब मुक्केबाजी ने भी खुद को एक प्रमुख खेल के रूप में स्थापित कर लिया है। यह बदलाव रातोंरात नहीं आया है। वर्ष दो हजार अठारह के गोल्ड कोस्ट राष्ट्रमंडल खेलों में भारत ने तीन स्वर्ण सहित कुल सात पदक जीते थे, जो उस समय तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। लेकिन अब उस रिकॉर्ड को तोड़ते हुए दस पदक और उनमें भी सात स्वर्ण जीतना एक बहुत बड़ी छलांग है। भारतीय मुक्केबाजी का यह स्वर्णिम युग अभी बस शुरू ही हुआ है और आने वाले समय में यह खेल दुनिया भर में भारत का नाम और भी रोशन करेगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

विचार
पंकज झा



गांधीवादियों द्वारा गांधी का अवमूल्यन

नीट पेपर लीक से संबंधित विवाद और कथित जेनजी के आंदोलन को अनेक अलग-अलग एंगल से देखा जा सकता है। बौद्धिक वर्ग अन्य तमाम आंदोलनों की तरह ही इसे भी अपनी-अपनी समझ अनुसार व्याख्यायित करने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि तमाम व्याख्याओं में तथ्यों का सम्यक विश्लेषण कम, अपने-अपने पक्ष का पोषण अधिक दिखता है। यहां तक भी ठीक कहा जा सकता है क्योंकि नीर-क्षीर मूल्यांकन का युग अब बीत चुका। तटस्थता अब पूरी तरह से समय का अपराध जैसा हो गया है। निष्पक्षता का अब कोई पक्ष शेष शेष नहीं। अब तो बस आप इधर हैं या उधर। आप पक्ष में होते हैं या विरुद्ध। युग के इस चलन को अब 'न्यू नार्मल' माना जा रहा है। यह भी शायद ठीक हो, किंतु गलत यह हुआ है कि 'गांधीवाद' को भी अब इसका अपवाद नहीं रहने दिया गया। जिस तरह वर्तमान जंतर-मंतर प्रकरण में गंदी-गंदी गालियों का उपयोग सार्वजनिक रूप से किया गया, वैसी सभी गालियों को जिस तरह ऐसे-ऐसे लोगों ने भी एंडोर्स किया, जिन्होंने स्वयं को गांधीवादी के रूप में स्थापित किया हुआ है, वह सबसे अधिक क्षोभ पैदा करने वाला है। ऐसे तत्वों ने गांधी विचार को इतना अधिक कमजोर कर दिया है, जिसकी भरपाई निकट भविष्य में मुश्किल है। कुमार प्रशांत ने कथित जेनजी को संबोधित एक पत्रनुमा लेख में लिखा - 'धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा एक आदमी का इस्तीफा नहीं है, सत्ता के अहंकार को टूटने की गूंज है। वह टूटा यह अच्छा हुआ। लेकिन तुम याद रखना कि चोट खाया सांप ज्यादा खतरनाक होता है। राष्ट्र जब भीड़ में बदल दिया जाता है, तब वह हत्यारा हो उठता है, जिसे राष्ट्रवाद का नाम दिया जाता है।' क्या किसी कथित गांधीवादी से इस तरह की भाषा की अपेक्षा की जा सकती है? सीधे तौर पर उस सरकार या प्रधानमंत्री के लिए 'सांप' जैसे शब्द का उपयोग किया जा रहा है, जिन्होंने अधिकतम संयम का परिचय देते हुए न केवल पूरी शिक्षा प्रक्रिया में आवश्यक सुधार किए, आवश्यक नहीं होते भी अपने मंत्री का इस्तीफा लिया बल्कि स्वयं को और अपनी दिवंगत माता को मिल रही भद्दी-भद्दी गालियों को भी क्षमा कर दिया।

सवाल यहां केवल कुमार प्रशांत का ही नहीं है। तमाम ऐसे लोग जो स्वयंभू गांधीवादी कहे जाते हैं, उन्होंने इस दौरान गांधीवाद की ऐसी-ऐसी व्याख्या कर दी, कि आज अगर गांधी होते तो शर्म से डूब जाते। सवाल यहां एक पेपर लीक का था, जिसे रद्द कर नया परीक्षा भी हो गया, परिणाम भी आ गया, छात्रों ने प्रवेश भी ले लिए, किंतु इस बहाने जिस तरह बड़े कहे जाने वाले लोगों ने अपनी कुंठा का प्रदर्शन किया है, वह तकलीफदेह है। नीट पेपर लीक की खबर आयी। सरकार ने उसका संज्ञान लिया। परीक्षाएं रद्द हुईं। अपराधियों पर कारवाई हुई। उससे पहले सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के टिप्पणी से उत्पन्न बवाल से पैदा हुए एक मजाकिया पेज वायरल कर दिया गया। मीडिया की पढ़ाई करने अमेरिका जा कर वहीं नौकरी तलाश रहे एक बेरोजगार युवक ने इसे एक मौके के रूप में देखा, उसे एक मुद्दे के तलाश थी, जो नीट पर जा कर पूरी हुई। सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल, उपद्रवियों के भीड़ का संसद तक जाने की कोशिश। उपद्रवियों को रोका जाना। वांगचुक के भूख हड़ताल की समाप्ति। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा। शिक्षा सुधार पर नए कानून को संसद की स्वीकृति। इस तमाम घटनाक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने ऐसा क्या कर दिया जिसके लिए उन्हें इस तरह लांछित किया जाय? फेस रिकग्निशन समेत तमाम तरह के उपकरण इस बात की गवाही देते हैं कि भद्दी-भद्दी गालियां देने वाले न तो छात्र थे और न ही कथित जेनजी।

छात्रों के जीवन को कभी आंकड़ों से नहीं तौला जाना चाहिए। किंतु सामाजिक अध्ययन आप बिना आंकड़े के कर भी नही सकते। अभी बार-बार नीट लीक के कारण कुछ छात्रों द्वारा आत्महत्या की बात को विषय बनाया जा रहा है। निस्संदेह दुखद है किसी एक भी छात्र-छात्रा का इस तरह जाना, लेकिन क्या यह संभव है कि नीट की परीक्षा दुबारा आयोजित होने के कारण कोई छात्र जान दे दे? जिस परीक्षा में लगभग 95प्रतिशत छात्र को विफल ही होना हो, वे डॉक्टर नहीं बन सकते, जहां इस मंशा से ही छात्र आते हों कि उन्हें अनेक अटेम्प्ट देने होंगे, वे माह भर बाद दुबारा होने वाले परीक्षा से पहले आत्महत्या कर लेंगे? ऐसी आत्महत्याओं के अलग समाजशात्रीय कारण होते हैं, विशेषकर अभिभावकों की अपेक्षा पर खरा नहीं उतर पाने की चिंता इसका सबसे बड़ा कारण होता है। ऐसी दुखद घटनाओं को समाजशास्त्रीय-मणिवैज्ञानिक नजरिये से देखने, इसका अध्ययन किए जाने के आवश्यकता है। किंतु आज इस पेपर लीक को ऐसा आक्रोश का कारण बना देना और इस बहाने समाज में हर तरह का विभेद पैदा करना, गांधीवाद के नाम पर हिंसक आचरण और भाषा का समर्थन करना अजीब है। जहां इस प्रकरण में अप्रत्याशित रूप से शासन ने मूल गांधीवाद को अपने आचरण में जीया है, बार-बार पूर्ण बहुमत से चुना जाना, अधिकांश राज्यों में पूर्ण बहुमत की सरकारें समेत तमाम प्रकार की शक्तियां होने, फिर भी लगातार संदिग्ध तत्वों द्वारा उकसाए जाने के बावजूद जैसे संयम, अहिंसा, शालीनता और बड़े हृदय का परिचयसरकार ने दिया है, निःसंदेह आज गांधी होते तो इस पर प्रसन्न होते। इसके उलट पेशेवर गांधीवादियों ने जितना निराश किया है, जिस तरह से उन्होंने अपने शब्दों और कृत्यों से हिंसा को बढ़ावा देने में कोई कसर नहीं छोड़ा है, वह शर्मनाक है। सवाल केवल किसी एक कुमार प्रशांत का नहीं है। ऐसे तमाम लोग जिनका दाना-पानी आज भी 'गांधी' हैं, उन सबने अपने कृत्यों से गांधी को कलंकित किया है। आज गांधी होते तो यही प्रार्थना करते ईश्वर से कि उन्हें ऐसे कथित गांधीवादियों से मुक्ति दे दें। शायद वे इनके विरुद्ध अनशन पर ही बैठ जाते। जंतर-मंतर के हालिया प्रकरण के अनेक निहितार्थ होंगे, किंतु गांधीवाद का इस तरह अवमूल्यन अन्य सभी परिणामों से अधिक भयंकर है। भारत अपने इस पहचान को इस ताड़ खो कर तो सचमुच विपन्न हो जाएगा। गांधीवादियों ने समाज को वास्तव में बेतरह निराश किया है। इनको सन्मति दे भगवान।

आध्यात्मिक चेतना आखिर क्या है?

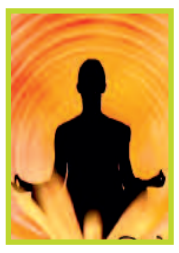

संकलित
दर्शन

आज मनुष्य अत्यधिक भौतिकवादी तथा लालची हो गया है। बलिदान, त्याग, संतोष, प्रज्ञा, चिंतन-मनन, मुक्ति और मोक्ष जैसे शब्द हमारे शब्दकोश से धीरे-धीरे लुप्त होते जा रहे हैं, जो कि आध्यात्मिक मूल्यों के द्योतक रहे हैं। व्यापक उपभोगवादी संस्कृति तथा भोग-विलास से पोषित भौतिकवाद की नई उभरी संस्कृति ने आध्यात्मिक चेतना पर पर्दा डाल दिया है। धन-अर्जन, सत्ता तथा प्रसिद्धि की लालसा और सुखवादी जीवन-प्रणाली आज जीवन का परम लक्ष्य है। सभी धर्मों ने लालच को महापाप कहा है, परंतु आज लालच ही मुख्य प्रेरणा-द्वार है। ऋषि-मुनि आध्यात्मिक मूल्यों को सर्वोच्च महत्व देते हैं। हिंदू धर्म के आध्यात्मिक मूल्यों का अनुक्रम है-धर्म, अर्थ, काम तथा मोक्ष। अर्थ तथा काम संसारिक मूल्य हैं, जबकि धर्म तथा मोक्ष आध्यात्मिक मूल्य हैं, परंतु धर्म का स्थान सर्वदा प्रथम है। यह अर्थ तथा काम दोनों का प्रेरक तथा नियंत्रक है। जीवन के हिंदू दृष्टिकोण के अनुसार, सात्विक सर्वाधिक ऊंचा आदर्श है। इसके बाद राजसी का स्थान है, जो एक आदर्श नहीं, परंतु सामाजिक आवश्यकता है। तामसिक सबसे अधिक अपमानजनक वृत्ति है, जिससे सभी बुद्धिमान दूर रहते हैं। मनु की पद्धति में सतत्व को न्याय की संज्ञा दी गई है, राजस को आकांक्षा की तथा तमस को इच्छाओं की। महापुरुषों ने चिंतन-मनन को मनुष्य के परम आनंद के रूप में देखा। आंतरिक शांति तथा आध्यात्मिक ज्ञान के लिए समर्पित जीवन ही मानव गतिविधियों का सवरेत्तम रूप है।

कोयल- अपनी वाणी को मधुर बना लेना



संकलित
प्रेरणा

एक बार वसंत ऋतु में एक कोयल वृक्ष पर बैठी कूक रही थी। आते-जाते लोग उसकी कूक को सुनते और उसकी सुरीली आवाज का आनंद लेते हुए उसकी तारीफ के पुल बांधते। कुछ देर बाद कोयल के सामने एक कौआ तेज गति से आया। कोयल ने उससे पूछाः इतनी तेज गति से कहां जा रहे हो? कुछ देर बैठो, बातें करते हैं। कौए ने उत्तर दियाः कि वह जरा जल्दी में है और देश को छोड़कर परदेस जा रहा है। कोयल ने इसका कारण पूछा तो कौआ बोलाः यहां के लोग बहुत खराब हैं। सब तुम्हें ही चाहते हैं। सभी लोग सिर्फ तुम्हारा आदर करते हैं। वह यही चाहते हैं कि तुम हमेशा की तरह इसी प्रकार से उनके क्षेत्र में गाती रहो। वहीं जहां तक मेरी बात है तो मुझे कोई देखना तक नहीं चाहता। यहां तक कि मैं किसी की मुंडेर पर बैठता हूं तो मुझे कंकड़ मारकर वहां से भगा दिया जाता है। मेरी आवाज भी कोई नहीं सुनना चाहता। जहां मेरा अपमान हो, मैं ऐसे स्थान पर एक क्षण भी नहीं रहना चाहता। ज्ञानियों ने भी हमें यही शिक्षा दी है कि अपमान की जगह पर नहीं रहना चाहिए। यह सुनकर कोयल बोली, परदेस जाना चाहते हो तो बड़े शौक से जाओ। यह पूरी तरह से तुम्हारी इच्छा पर निर्भर है। लेकिन एक बात का सदैव ध्यान रखना कि वहां जाने से पहले अपनी आवाज को बदल लेना। अपनी वाणी को मधुर बना लेना। यदि तुम्हारी वाणी ठीक वैसी ही कठोर रही, जैसी यहां पर है तो परदेस में भी लोग तुम्हारे साथ वही व्यवहार करेंगे जो अभी हो रहा है। संसार जो है, जैसा भी है, उसे बदला नहीं जा सकता।

अंतर्मन

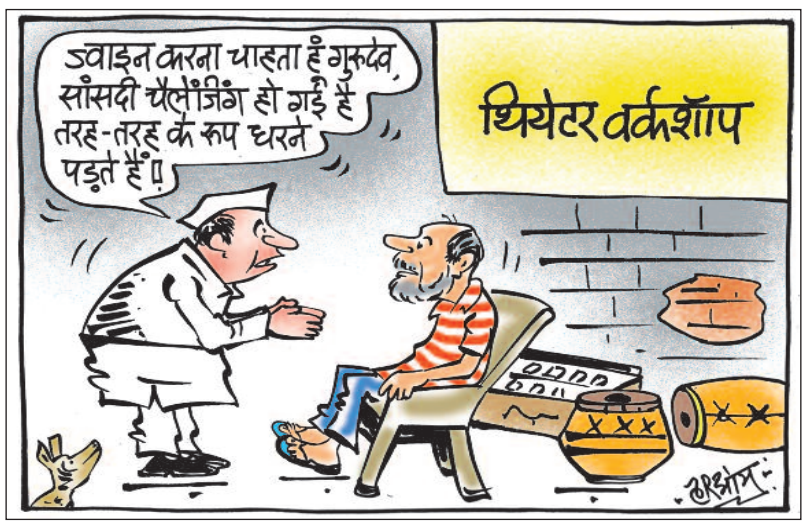

आज की पाती

डिजिटल तकनीक का करें सही उपयोग

आज बच्चों के सामने सबसे बड़ा खतरा केवल इंटरनेट का बढ़ता उपयोग नहीं, बल्कि उसका अनियंत्रित और असुरक्षित उपयोग है। डिजिटल तकनीक ने शिक्षा, ज्ञान और संवाद के नए द्वार खोले हैं, लेकिन इसके साथ ही बच्चों का बचपन साइबर खतरों की गिरफ्त में आता जा रहा है। मोबाइल स्क्रीन पर बीतने वाला बढ़ता समय उनके शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास पर गंभीर प्रभाव डाल रहा है। डिजिटल युग से बच्चों को दूर रखना समाधान नहीं है, बल्कि उन्हें सुरक्षित और जिम्मेदार बनाना सबसे बड़ी आवश्यकता है। सरकार, तकनीकी कंपनियां, विद्यालय, अभिभावक और समाज यदि मिलकर प्रयास करें, तो ऐसी व्यवस्था बनाई जा सकती है जहां बच्चे इंटरनेट के उपभोक्ता नहीं, बल्कि सुरक्षित, जागरूक, सम्मानित और सशक्त नागरिक बनकर देश के भविष्य को नई दिशा दें। – *संतोष उपाध्याय, दुर्ग*

ट्रेंड

जयंती पर श्रद्धांजलि



पिंगली वेंकय्या को उनकी 150वीं जयंती पर श्रद्धांजलि। उन्हें हमारे देश को तिरंगा देने में उनकी अमूल्य भूमिका के लिए याद किया जाता है। उनकी कोशिशें लोगों को देशसेवा करने के लिए प्रेरित करती रहें।
-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

कॉमनवेल्थ गेम्स



कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर, गुलवीर सिंह 5000 मीटर और 10000 मीटर दोनों इवेंट्स में कॉमनवेल्थ पोडियम पर जगह बनाने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए हैं। उम्मीद है कि आगे भी आप कई यादगार जीत हासिल करेंगे।
- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

जर्सी का रंग



भारतीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग बदलने का फैसला सिर्फ खेल से जुड़ा मामला नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की भावनाओं और हमारी खेल परंपराओं से गहराई से जुड़ा हुआ है। आज इस ऐतिहासिक पहचान को बदलने की ज़रूरत क्यों महसूस की गई।
- मल्लिकार्जुन खड़गे, अध्यक्ष, कांग्रेस

इथेनॉल का आयात



सिर्फ ट्रंप को खुश करने के लिए मोदी जी हमारे देश पर ज़बरदस्ती इथेनॉल थोप रहे हैं। अमेरिका दुनिया में इथेनॉल का सबसे बड़ा उत्पादक है। ई 20 लागू होने के बाद, भारत पिछले साल के मुकाबले अमेरिका से 5 गुना ज्यादा इथेनॉल आयात करेगा।
-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

करंट अफेयर

एम्स्टर्डम में आयोजित प्राइस बोट परेड में पीएम हुए शामिल



नीदरलैंड की राजधानी एम्स्टर्डम में शनिवार को 'प्राइड बोट परेड' आयोजित किया गया जिसे देखने के लिए शहर की मुख्य नहर के किनारे हजारों लोग जमा हुए। यह आयोजन ऐसे समय हुआ, जब ठीक एक सप्ताह पहले जर्मनी के बर्लिन में प्राइड कार्यक्रम पर जानलेवा हमला हुआ था। सफेद शर्ट, काले लाइफ जैकेट और सुनहरे आभूषण पहने नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रॉब जेटन रंग-बिरंगी 80 नौकाओं की परेड में एक छोटी नाव पर सवार हुए थे और लोगों का अभिवादन किया। जेटन ने सार्वजनिक रूप से स्वयं के समलैंगिक होने की घोषणा की है। यह कार्यक्रम बर्लिन में हुए हमले के महज एक सप्ताह बाद आयोजित किया गया। उस हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और 29 अन्य घायल हुए थे। अधिकारियों के अनुसार, बर्लिन में संदिग्ध अब्दुल बल्लौत ने 'एलजीबीटीक्यू+' समुदाय के प्राइड महोत्सव के दौरान भीड़ को वैन से रौंद दिया था और बाद में कथित तौर पर दाव से कई लोगों पर हमला किया था। अधिकारियों का मानना है कि यह इस्लामी चरमपंथ से प्रेरित हमला था। रविवार को शहर के बाहरी इलाके में पुलिस के साथ मुठभेड़ में बल्लौत मारा गया। बर्लिन हमले के मद्देनजर एम्स्टर्डम में प्राइड बोड परेड के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गए थे।

ऑफ बीट

प्रकृति के बीच बिताए कुछ पल मानसिक स्वास्थ्य रहेगा बेहतर

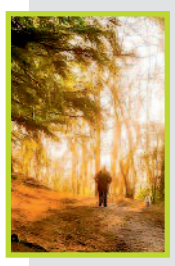

आज की कामकाजी जिंदगी का अधिकांश हिस्सा चारदीवारी के भीतर गुजरता है। घंटों का सफर, लगातार बैठकें और कंप्यूटर स्क्रीन के सामने बीतता दिन- इन सबके बीच प्रकृति के लिए समय निकालना किसी विलासिता जैसा लगने लगता है। कई लोगों को लगता है कि प्रकृति का आनंद तभी मिलता है, जब लंबी छुट्टी लेकर पहाड़ों पर 'ट्रैकिंग' की जाए या जंगलों में 'कैंप' लगाया जाए। लेकिन अब शोध कुछ और ही कहानी कहते हैं। वे बताते हैं कि प्रकृति का लाभ उठाने के लिए किसी रोमांचक यात्रा पर जाना जरूरी नहीं है। घर या दफ्तर के आसपास मौजूद किसी पार्क या हरियाली के बीच रोज कुछ मिनट बिताना भी तनाव कम करने, मन को शांत रखने और मानसिक स्वास्थ्य बेहतर बनाने के लिए काफी हो सकता है। साल 2026 की वसंत ऋतु में मुझे डेनमार्क में शहरी परिदृश्य के बारे में पढ़ाने और उनका अध्ययन करने का अवसर मिला। दुनिया के सबसे खुशहाल देशों में गिने जाने वाले डेनमार्क से मुझे पहले से ही सुंदर पार्क, खुले आंगनों और साइकिल चलाने के लिए बने रास्तों की उम्मीद थी। वहां यह सब तो मिला ही, लेकिन जिसने सबसे ज्यादा प्रभावित किया, वह यह था कि लोग इन हरित स्थानों का इस्तेमाल अपनी रोजमर्रा की जिंदगी का स्वाभाविक हिस्सा मानते हैं।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।



पुरानी दोस्ती की यादें ताजा करता अपारशक्ति का नया गाना 'कहां'

मुंबई। अपारशक्ति खुराना, अभिषेक बनर्जी और वरुण शर्मा नया गाना 'कहां' रिलीज हो चुका है। तीन दोस्तों के बचपन की खूबसूरत यादों की कहानी दिखाई गई है। इस म्यूजिक वीडियो के कुछ हिस्से खुराना के खुद के स्कूल में शूट किए गए हैं। अपारशक्ति, अभिषेक और वरुण दोस्ती को समर्पित गाने 'कहां'में नजर आ रहे हैं। गाने में तीनों दोस्तों की जिंदगी में इस खास रिश्ते की अहमियत को दिखाया गया है। 'कहां'बचपन की दोस्ती की पुरानी यादों को ताजा करता है। गाने में तीन दोस्तों की दोस्ती दिखाई गई है। इसमें वह बचपन में साथ स्कूल में पढ़ते हैं। जहां वह बहुत सारी यादें बनाते हैं। मगर स्कूल के बाद वह सब अपने भविष्य के निर्माण में व्यस्त हो जाते हैं।

लाइफ Style

नौहीद

जानवरों की भलाई के लिए करती हैं काम

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अभिनेत्री नौहीद साइरूसी ने हाल ही में अपनी जिंदगी के बुरे दौर के बारे में बात की है। उन्हें दो बार मिसकैरेज हुआ। इस दुखद अनुभव के बाद उन्होंने अपने जीवन के मकसद पर दोबारा सोचने के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि इस मुश्किल सफर के बाद, कपल ने खुद को जानवरों की भलाई के काम में लगाने का फैसला किया।

नौहीद ने हाल ही में अपना एक वीडियो शेयर किया और अपने सफर के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा, 'हमारी शादी 2017 में हुई थी और 2018 में मैं पहली बार प्रेग्नेंट हुई। दुर्भाग्य से, तीसरे महीने में मिसकैरेज हो गया। डॉक्टर ने मुझे परिवार को बताने के लिए कहा। हम आखिरी चेकअप के लिए गए और दुर्भाग्य से बच्चे में कोई धड़कन नहीं थी।' उन्होंने आगे कहा, 'कोविड के दौरान, मैं दूसरी बार प्रेग्नेंट हुई। तब भी मिसकैरेज हो गया। तब तक, हमने जीवन में अपने मकसद के बारे में सोचना शुरू कर दिया था। मैंने यह महसूस किया कि हमारा मकसद सिर्फ बच्चों को इस दुनिया में लाने से कहीं ज्यादा होना चाहिए।' उन्होंने आगे कहा 'शायद हमारा मकसद उन जानवरों की देखभाल करना है, जिन्हें हमारी जरूरत है। इसलिए हम बिना किसी को बताए जानवरों के लिए बहुत कुछ कर रहे हैं। एक जरूरी बात जो मैं बताना भूल गई थी, वह यह है कि मैं किसी भी तरह का आईवीएफ नहीं करवाना चाहती थी। क्योंकि, मुझे लगता था कि अगर कोई बच्चा हमारा होना है, तो वह हमारा ही होगा, और मैं उस रास्ते पर नहीं जाना चाहती थी।' नौहीद साइरूसी ने 2003 में फिल्म सुपारी से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा।



हॉलीवुड मसाला



हिट फिल्मों का तोड़ा रिकॉर्ड...

नई दिल्ली। हॉलीवुड फिल्म 'स्पाइडर मैन ब्रांड न्यू डे' भारतीय दर्शकों को काफी लुभा रही है। अपनी रिलीज से महज तीन दिनों में ही फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर तगड़ी कमाई कर ली है। इस हॉलीवुड फिल्म की तीन दिनों की कमाई कई बॉलीवुड की सफल फिल्मों की तीन दिनों की कमाई से ज्यादा दर्ज हुई है। टॉम हॉलैंड की 'स्पाइडर मैनः ब्रांड न्यू डे' ने तीन दिनों में भारत में फिल्म ने 215.48 करोड़ रुपए की कमाई की है। क्रिस्टोफर नोलान की 'द ओडिसी' से मिल रही टक्कर के बाद भी इसका प्रदर्शन शानदार रहा है।



विसेंट ने सोप्रनोस में किया था गैंगस्टर का रोल...

लॉस एंजिल्स। चर्चित सीरीज सोप्रनोस में अभिनेता विसेंट पास्टोर ने एक गैंगस्टर का रोल किया था, इस किरदार को निभाकर वह हॉलीवुड दर्शकों के बीच काफी मशहूर हुए। अब यह अभिनेता हमारे बीच नहीं है। 80 साल की उम्र में विसेंट पास्टोर ने दुनिया को अलविदा कह दिया। वह साल 1980 से फिल्मों में सक्रिय था। 90 के दशक में आकर उन्हें हॉलीवुड में अलग पहचान मिली, उनके अभिनय को सराहा गया। इसमें सबसे बड़ा हाथ सीरीज 'सोप्रनोस'का रहा। इसमें निभाया गैंगस्टर का किरदार उनकी पहचान बन गया। इसमें पहले वह गैंगस्टर होते हैं और बाद में एफबीआई के मुखबिर बन जाते हैं। एक्टर बनने से पहले वह अमेरिकन नेवी में भी थे, उन्होंने वियतनाम युद्ध में भी भाग लिया था।

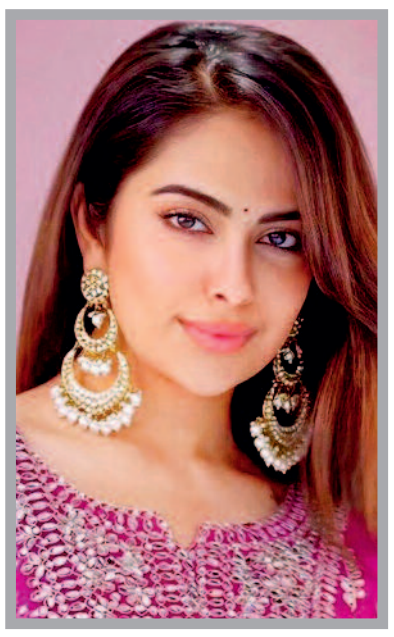

किरदारों को चुनने में रहूंगी सतर्क...

मुंबई। चर्चित टीवी शो 'बालिका वधू' में आनंदी के तौर पर लोगों का दिल जीतने से लेकर मुश्किल रियलिटी शो और फिल्मों में काम करने तक, अदाकारा अविका गोर ने दर्शकों का खूब दिल जीता। उनका कहना है कि अब वे अपनी दमदार परफॉर्मेंस के जरिए पहचान पाना चाहती हैं। वे चाहती हैं कि उन्हें शानदार भूमिकाओं के लिए दर्शक याद रखें। यही वजह है कि वे किरदारों का चयन भी काफी सोच-समझकर कर रही हैं। एक बातचीत में अविका ने कहा कि वे सिर्फ ऐसे रोल नहीं करना चाहतीं, जिनमें किसी ऑब्जेक्ट की तरह दिखें। अविका स्टंट-बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' में नजर आ रही हैं, जो आज 01 अगस्त से शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि वे ऐसी स्क्रिप्ट चुनने को लेकर ज्यादा जागरूक और सतर्क हो गई हैं, जिनमें दमदार परफॉर्मेंस का मौका मिले।



बेगुनाही साबित करने के लिए किया संघर्ष

मुंबई। सूरज पंचोली ने सोशल मीडिया पर जिया खान सुसाइड मामले से जुड़ा हुआ एक भावुक नोट साझा किया है। इसमें उन्होंने जिया के दर्द और ट्रायल के दौरान अपने संघर्ष के बारे में बात की। अपनी पोस्ट में सूरज ने लिखा, 'जब यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी, तब मेरी उम्र मात्र 20 वर्ष थी। मैं उसे केवल चार महीने से जानता था, और मुझे इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि वह अंदर ही अंदर किस पीड़ा से गुजर रही होगी। उस उम्र में, मैं इतना छोटी था कि यह समझ नहीं पाता था कि कोई व्यक्ति इतना बोझ अपने अंदर कैसे दबा सकता है। अपने बुरे वक्त को याद करने हुए आगे सूरज ने अपनी पोस्ट में बताया, 'मैंने अगले 14 साल अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए संघर्ष किया। ये वो साल थे जब मुझे अपना जीवन संवारना चाहिए था।

टीवी मसाला

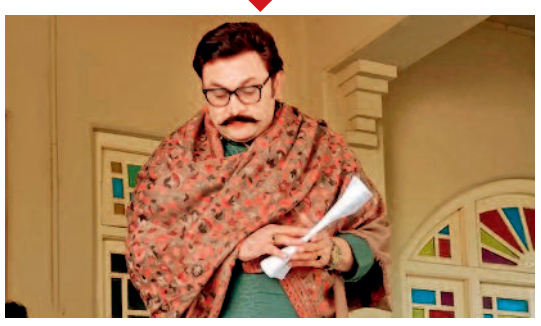

क्रेडिट कार्ड एजेंट गालियां देता था, राजेश ने याद किया संघर्ष

नई दिल्ली। अभिनेता राजेश कुमार अपनी अपकमिंग फिल्म 'ओह माय डॉग' को लेकर इस वक्त चर्चा में हैं। अपने प्रोफेशनल कमबैक के साथ-साथ, कुमार ने अक्सर अपनी जिंदगी के उस मुश्किल दौर के बारे में खुलकर बात की है, जब उन्होंने अपने कॅरियर के पीक पर एक्टिंग से दूरी बना ली थी। एक बातचीत में राजेश ने बताया कि जब वे 42 साल के थे, तब उन्होंने एक्टिंग से ब्रेक लेने का फैसला किया। कई लोगों का मानना है कि वह उस वक्त अपने करियर के पीक पर थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने खेती करने का फैसला किया, लेकिन इस फैसले की उन्हें भारी आर्थिक कीमत चुकानी पड़ी। यह काम सफल नहीं हुआ। 2022 में एक्टिंग में वापसी करने से पहले उन्होंने अपना सब कुछ खो दिया। पीछे मुड़कर देखने पर, राजेश ने उन पांच वर्षों को जिंदगी बदलने वाला बताया। उन्होंने बताया, 'मैंने ऐसे पल भी देखे हैं जब क्रेडिट कार्ड रिकवरी एजेंट नीचे फोन करके मुझे गालियां देते थे, क्योंकि मेरे पास पैसे नहीं थे। मैंने अपनी कार बेच दी। मेरे पास जो आखिरी गाड़ी थी वह एक इको कार थी, आखिरकार मुझे उसे नासिक में अपने किसानों को देना पड़ा क्योंकि मैं उन्हें पैसे नहीं दे पा रहा था।' इतनी मुश्किलों से गुजरने के बावजूद, राजेश ने कहा कि उन्होंने कभी भी खुद को डिप्रेशन का शिकार नहीं होने दिया। इसके बजाय, उन्होंने उस अनुभव से सीखने पर ध्यान दिया। राजेश का मानना है कि जिन चुनौतियों का उन्होंने सामना किया, उनसे वे एक बेहतर परफॉर्मर बने हैं। उनका मानना है कि एक इंसान के तौर पर वे जितना बेहतर बने हैं, उनका काम भी उतना ही बेहतर हुआ है।

राम कपूर ने लॉकअप 2 में खोला 'मौत' का राज



नई दिल्ली। लॉकअप 2 रियलिटी शो में राम कपूर ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। अभिनेता ने बताया कि डॉक्टर्स ने बताया कि वह बहुत अस्वस्थ हैं और छह महीने में उनकी मौत भी हो सकती है। इस बात को राम कपूर ने अपनी पत्नी गौतमी को भी नहीं बताया था।'लॉकअप 2' में राम कपूर ने कहा, 'मैंने दुनिया से एक राज छिपाकर रखा था। यहां तक कि मेरी पत्नी को भी इसके बारे में नहीं पता था। एक टीवी शो के दौरान मैं अपनी जिंदगी के सबसे बुरे डिप्रेशन से गुजर रहा था। लेकिन मेरे वजन की वजह से ही मुझे छोटे पर्दे पर बहुत प्यार मिला, मेरी इतनी चर्चा हुई कि कुछ समय के लिए मैं सबसे ज्यादा रेटिंग वाला टीवी स्टार बन गया था।'राम कपूर ने आगे कहा, 'लेकिन मेरे डॉक्टरों ने मुझसे कहा कि मैं अस्वस्थ हो गया हूं। छह महीने में मेरी मौत हो सकती है। मुझे डायबिटिक स्ट्रोक हो सकता था क्योंकि मैं दिन में तीन बार इंसुलिन ले रहा था।

सलमान ने दोस्ती के लिए एसवीसी 63 की सैलरी से कट किए 50 करोड़ रुपए

मुंबई। सलमान खान इंडस्ट्री के सबसे महंगे एक्टर्स में शुमार हैं। बीते कुछ साल से वह अमूमन एक फिल्म के लिए कथित तौर पर 120 करोड़ की फीस वसूलते हैं। इसके अलावा फिल्म से होने वाले मुनाफा में हिस्सा अलग। यह वाजिब भी है, क्योंकि 2010 में 'दबंग' से लेकर पिछली रिलीज 'सिकंदर' तक, उनकी लगातार 18 फिल्में 100 करोड़, 200 करोड़ और 300 करोड़ क्लब में हैं। लेकिन, अब खबर है कि भाईजान ने नयनतारा के साथ अपनी अगली एक्शन फिल्म 'एसवीसी 63' के लिए फीस में भारी कटौती कर दी है। बताया जा रहा है कि एक करीबी दोस्त के कारण उन्होंने फिल्म के लिए अपनी फीस 50 करोड़ कम कर दी है। सलमान खान इन दिनों दिल राजू के प्रोडक्शन में बन रही डायरेक्टर वामशी पैदिपल्ली की फिल्म एसवीसी 63 की शूटिंग में बिजी हैं। यह फिल्म अगले साल ईद 2027 के मौके पर रिलीज होगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सलमान खान इस फिल्म लिए सिर्फ 70 करोड़ फीस ले रहे हैं। एक रिपोर्ट में इस बाबत दावा किया गया है। इसमें कहा गया है कि यह फैसला सलमान की रफी काजी के साथ दोस्ती की वजह से लिया गया है। रफी ने ही इस प्रोजेक्ट में काम करने के लिए सलमान खान को मनाया था। वह दिल राजू के साथ इस फिल्म के को-प्रोड्यूसर भी हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, 'सलमान, जिनकी मार्केट वैल्यू पिछले लगभग 20 साल से हर फिल्म के लिए 120 करोड़ रुपए से ज्यादा रही है, उन्होंने 'एसवीसी 63' के मेकर्स को यह डिस्काउंट इसलिए दिया है, क्योंकि उनके पुराने दोस्त रफी काजी इस प्रोजेक्ट में मध्यस्थ हैं। फिल्म के प्रोड्यूसर्स में रफी का नाम भी शामिल होगा। इसी दोस्ती की वजह से सलमान खान अपनी फीस में बड़ी कटौती करने को तैयार हुए हैं।'



'हर दौर एक जैसा नहीं होता, कुछ इंतजार करने के लिए कहते हैं, कुछ हमसे लड़ने को'

नई दिल्ली। सामंथा रुथ प्रभु जल्द ही मां बनने वाली हैं। एक्ट्रेस अपना प्रेग्नेंसी फेज एन्जॉय कर रही हैं। अब उन्होंने बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए लेटेस्ट फोटोशूट की झलकियां दिखाई हैं। सामंथा रुथ प्रभु ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपना लेटेस्ट पोस्ट शेयर करके फैंस को सरप्राइज दे दिया। उनकी तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल हो रही हैं और फैंस उनके बेबी बंप को देख कमेंट कर रहे हैं। दरअसल, हाल ही में सामंथा ने प्रेग्नेंसी में अपना फोटोशूट कराया जिसकी झलकियां उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। तस्वीरों में एक्ट्रेस येलो कलर की बॉडीकॉन ड्रेस में अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने अपने लुक को इयररिंग्स से कंप्लीट किया और उनके चेहरे पर प्रेग्नेंसी ग्लो चार-चांद लगा रहा था। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए सामंथा रुथ प्रभु ने गहरी बात की।



उन्होंने लिखा, 'हर दौर एक जैसा नहीं होता। कुछ दौर हमसे इंतजार करने को कहते हैं। कुछ हमसे लड़ने को कहते हैं। कुछ हमसे सब छोड़ देने को कहते हैं। हम दौर चुन नहीं सकते। बस यह चुन सकते हैं कि हम उसे कैसे जीते हैं।' सामंथा रुथ प्रभु की तस्वीरें सामने आते ही फैंस उन पर प्यार लुटाने लगे। लोग उनके बेबी बंप और उनके प्रेग्नेंसी ग्लो की तारीफ कर रहे हैं। 2021 में नागा चैतन्य से अलग होने के बाद सामंथा रुथ प्रभु को फिल्ममेकर राज निदिमोरु में दूसरा प्यार मिला। दोनों ने पिछले साल 1 दिसंबर को ही गुपचुप तरीके से शादी की थी। अब शादी के बाद कपल पहली बार माता-पिता बनने जा रहा है। फिलहाल, एक्ट्रेस अपनी प्रेग्नेंसी से जुड़े पोस्ट शेयर कर रही हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में सामंथा 'मां इंति बंगारम' में नजर आई थीं।

लता भी थीं कल्ट गाने देने वाली सिंगर की फैन

25 हजार गानों को दी आवाज, चप्पल उतारकर करती हैं रिकॉर्डिंग

नई दिल्ली। भारत की स्वर सामाज्ञी लता मंगेशकर की आवाज के तो करोड़ों लोग दीवाने हैं, उनके दुनिया छोड़ जाने के बावजूद वे अपनी आवाज के जरिए फैंस के दिलों में अमर हैं। लेकिन, ये जानना भी काफी दिलचस्प है कि आखिर लता दीदी को किन सिंगर्स की आवाज पसंद थी। लता मंगेशकर ने कई बार अपने कंटेपरेरी सिंगर्स की तारीफ की है इन्हीं में से एक सिंगर हैं – के. एस. चित्रा, जिनका पूरा नाम है कृष्णन नायर शान्तिकुमारी चित्रा। उन्हे केरल की बुबुल या छोटा बुलबुल भी कहा जाता है। उन्होंने अपने कॅरियर में लगभग 25000 गानों को आवाज दी और 6 नेशनल फिल्म अवॉर्ड अपने नाम किए।



भारतीय संस्कृति के प्रति आस्था और श्रद्धा

के. एस. चित्रा की एक खास बात ये है कि वे अपने प्रोफेशन को काफी आस्था और श्रद्धा के साथ फॉलो करती हैं और इसीलिए जब वे किसी मंच पर परफॉर्म करती हैं या स्टूडियो में रिकॉर्ड करती हैं अपनी चप्पल बेहद सम्मान के साथ बाहर उतारकर गाती हैं। भारतीय संस्कृति में संगीत की कला को सरस्वती की देन माना जाता है और इसीलिए कई वरिष्ठ गायक चप्पल उतारकर इसकी साधना करते हैं और इन्हीं सिंगर में से एक हैं- के. एस. चित्रा।

लता ने की थी चित्रा की तारीफ

दिग्गज गायिका लता मंगेशकर ने के. एस. चित्रा की तारीफ की थी, सिंगर ने खुद एक इंटरव्यू में बताया था कि लता दीदी से उनकी पहली मुलाकात चेन्नई में हुई थी। उस मुलाकात के दौरान लता मंगेशकर ने सिंगर से कहा था, 'मैंने तुम्हें गाते हुए सुना है'। चित्रा जी के लिए ये एक बात उनकी जिंदगी का एक यादगार किस्सा बन गई। इतना ही नहीं, चित्रा के स्पेशल म्यूजिक पर भी लता मंगेशकर ने उन्हें फोन कर बधाई दी थी और उनके सिंगिंग टैलेंट की तारीफ की थी।

कई भाषाओं में दी है सुरीली आवाज

के. एस. चित्रा ने साउथ इंडियन भाषाओं मलयालम, तेलुगु, कन्नड़, हिंदी और बंगाली समेत कई भाषाओं में अपनी सुरीली आवाज दी है। उन्हें भारत सरकार द्वारा पद्म श्री और पद्म भूषण अवॉर्ड्स से सम्मानित किया जा चुका है।

के. एस. चित्रा के पॉपुलर हिंदी सॉन्ग्स

- कहना ही क्या
- रूप सुहाना लगता है
- ये हसीं वादियां
- पिया बसंती
- रात का नशा
- तुम बिन



खबर संक्षेप

चाय ठेले से 1.50 किलो गांजा जब्त आरोपी तस्कर न्यायिक अभिरक्षा में



भानुप्रतापपुर। दिनभर भजिया, समोसा और चाय बेचकर ग्राहकों की भीड़ जुटाने वाला एक ठेला संचालक इन सबके साथ कथित तौर पर नशे का सौदागर का भी काम करता था। ठेले की आड़ में युवाओं को गांजे की पुड़िया बेचने की सूचना लंबे समय से भानुप्रतापपुर पुलिस के पास थी। कई दिनों तक निगरानी रखने के बावजूद आरोपी हर बार पुलिस की पकड़ से बच निकलता था, लेकिन रविवार को 1.575 किलोग्राम गांजा के साथ रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से गांजा और बिक्री की नगद रकम सहित 81 हजार 600 की सामग्री जब्त की गई है। जानकारी के अनुसार 35 वर्षीय किशोर जैन पिता स्व. सुंदरलाल जैन संबलपुर बाजार में वर्षों से भजिया, समोसा और चाय का ठेला लगाता है। आरोप है कि इसी ठेले की आड़ में वह गांजे की छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर विशेष रूप से युवाओं को बेचता था। पुलिस को उसकी गतिविधियों की जानकारी थी और उस पर लगातार नजर रखी जा रही थी। हालांकि वह हर बार सबूतों के अभाव में बच निकलता था।

आनलाइन सट्टा, 46 हजार की संपत्ति जब्त, एक गिरफ्तार

कांकेर। थाना सिटी कोतवाली कांकेर और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने व्हाट्सएप के माध्यम से वर्ली मटका का ऑनलाइन सट्टा संचालित करने वाले एक आरोपी को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से दो मोबाइल फोन, एक मोटरसाइकिल और नगद राशि सहित कुल 46 हजार की संपत्ति जब्त की है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी के विरुद्ध वर्ष 2013 में गैर इरादतन हत्या का एक मामला भी दर्ज है।

गुफाएं व राफ्टिंग बंद होने से निराश होकर वापस लौट रहे पर्यटक

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर के कांगेरघाटी राष्ट्रीय उद्यान में मानसून के दौरान सुरक्षा कारणों से गुफाएं और राफ्टिंग बंद हैं। लगातार बारिश, पानी भरने और तेज बहाव के खतरे के चलते कुटमसर गुफा और बैंबू राफ्टिंग बंद कर दी गई हैं, जिससे कई पर्यटक निराश लौट रहे हैं। जानकारी के अनुसार कुटमसर गुफा के अंदर बरसात में पानी भर जाता है और ऑक्सीजन स्तर कम हो जाता है।

कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के अंदरूनी रास्तों पर फिसलन और भूस्खलन का डर रहता है। बारिश के दौरान किसी बड़े हादसे से बचने के लिए गुफा बंद कर दी गई है, यह गुफा एक चूना पत्थर की गुफा है, जो स्टैलेक्टाइट और स्टैलेग्माइट संरचनाओं के लिए प्रसिद्ध है।

बस्तर आने वाले सैलानियों की पहली पसंद कोटमसर गुफा बनी है, इस वर्ष अब तक अधिक सैलानी कोटमसर गुफा घूमने आए है, इनमें विदेशी सैलानी भी शामिल थे। साथ ही बस्तर में पर्यटन को बढ़ावा देने उद्यान तीरथगढ़, धुड़मारास, मांझीपाल आदि क्षेत्र में बैबू राफ्टिंग, कायकिंग सहित पर्यटकों के लिये ट्रैकिंग सहित कई एडवेंचर कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं, जो वर्तमान मानसून के चलते बंद किया गया है। इसके चलते पहुंचने वाले पर्यटक निराश होकर वापस जा रहे हैं।

मौसम सामान्य होने से शुरू होगी

कांगेरघाटी राष्ट्रीय उद्यान के निदेशक नवीन कुमार ने बताया कि मानसून के चलते गुफाएं एवं जलक्रीड़ा बंद की गई है। बंद की गई गुफाएं और जलक्रीड़ा गतिविधियां आमतौर पर मौसम सामान्य होने के बाद शुरू होगी।



रोजी रोटी के लिए खेतों में कर रहे मजदूरी

मांझीपाल स्थित बैबू राफ्टिंग, कायकिंग के ईको समिति के बालसिंह सहित अन्य युवकों ने बताया कि वर्तमान में बैबू राफ्टिंग, कायकिंग बंद होने से पहुंचने वाले पर्यटक वापस लौट रहे हैं। साथ ही ईको समिति के युवकों को रोजी रोटी के लिए खेती में मजदूरी कर रहे हैं। इसके चलते परिवार को पोषण करने में परेशानी हो रही है।

मालवाहक पर सवारी ढोना और अनियंत्रित गति लोगों की जान से खिलवाड़

मालवाहक पर 19 सवारियां-बेकाबू रफ्तार किया चालान, पंजीयन रद्द करने की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

सड़क सुरक्षा के तमाम नियमों और प्रशासनिक सख्ती के दावों के बावजूद मालवाहक वाहनों में लोगों को भरकर ढोने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। शहर में एक मालवाहक पिकअप वाहन में 19 लोगों को बैठाकर लापरवाहीपूर्वक दौड़ाया गया, जिससे राहगीरों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ गई। यह न केवल मोटरयान अधिनियम का उल्लंघन है, बल्कि यात्रियों की जान को भी जोखिम में डालने वाला गंभीर अपराध है। ऐसे मामलों में केवल चालान नहीं, बल्कि कठोर कानूनी कार्रवाई की जरूरत है।

शहर की सड़कों पर उस समय लोगों की नजरें ठहर गईं, जब एक मालवाहक पिकअप वाहन में क्षमता से कहीं अधिक लोगों को बैठाकर ले जाया जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वाहन में करीब 19 लोग सवार थे। कुछ लोग वाहन के पीछे खड़े थे तो कुछ अंदर बैठे दिखाई दिए। यह दृश्य किसी संभावित हादसे की चेतावनी जैसा था, लेकिन वाहन चालक बेखौफ होकर लापरवाही पूर्वक वाहन को चलाते हुए नजर आया। मोटरयान अधिनियम के तहत मालवाहक वाहन का उपयोग केवल सामान ढुलाई के लिए किया जाता है। ऐसे वाहनों में यात्रियों को बैठाकर ले जाना कानून का उल्लंघन माना जाता है।

एक हादसा छीन सकता था 19 परिवारों की खुशियां

अलग खबर

सड़क सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि मालवाहक पिकअप वाहन यात्रियों के परिवहन के लिए डिजाइन नहीं किए जाते। इनमें सीट बेल्ट, सुरक्षित बैठने की व्यवस्था या आपातकालीन सुरक्षा उपकरण नहीं होते। यदि अचानक ब्रेक लग जाए, वाहन पलट जाए या किसी अन्य वाहन से टक्कर हो जाए, तो बड़ी जनहानि की आशंका रहती है। पूर्व में कांकेर जिले में ऐसे ही मालवाहक वाहनों के पलटने से दर्जनों लोगों की मौत हो चुकी है, लेकिन इसके बावजूद नियमों की अनदेखी जारी है।

मोटरयान अधिनियम का उल्लंघन

ऐसी लापरवाही पर जुर्माने के साथ लाइसेंस परमिट और वाहन जब्ती जैसी कार्रवाई जरूरी



वाहन चालक-मालिक दोनों जिम्मेदार

कानूनी जानकारों के अनुसार यदि कोई वाहन चालक मालवाहक वाहन में यात्रियों को बैठाकर परिवहन करता है तो इसकी जिम्मेदारी केवल चालक की नहीं, बल्कि वाहन मालिक की भी होती है। वाहन मालिक द्वारा ऐसे उपयोग की अनुमति देना भी नियमों का उल्लंघन है। यदि वाहन में क्षमता से अधिक लोग बैठे हों और चालक लापरवाही से वाहन चला रहा हो, तो उसके खिलाफ मोटरयान अधिनियम की विभिन्न धाराओं के साथ-साथ परिस्थितियों के अनुसार भारतीय न्याय संहिता की लापरवाही से मानव जीवन को खतरे में डालने संबंधी धाराओं के तहत भी कार्रवाई की जा सकती है।

नियमों का पालन करवाने की जरूरत

सड़क पर दौड़ता यह पिकअप वाहन केवल 19 लोगों को नहीं, बल्कि 19 परिवारों की उम्मीदों को लेकर चल रहा था। यदि थोड़ी सी भी चूक हो जाती तो यह लापरवाही एक बड़ी त्रासदी में बदल सकती थी। ऐसे में प्रशासन, परिवहन विभाग और पुलिस की जिम्मेदारी है कि वे नियमों का सख्ती से पालन कराएं और सड़क सुरक्षा को केवल अभियान नहीं, बल्कि प्राथमिकता बनाएं।

कार्रवाई की गई

यातायात प्रभारी दीपक साव ने बताया कि मामला संज्ञान में आते ही पिकअप वाहन क्रमांक सीजी 05 एजे 311 का वाहन चाले अगेश्वर साहू ही वाहन मालिक है। उसने बताया कि पुरूर से कांकेर के श्रीरामनगर में ठेकेदार के पास मजदूरों को छोड़ने आया था। वाहन मालिक एवं चालक के खिलाफ चालानी कार्रवाई करते हुए धमतरी के आरटीओ को पंजीयन रद्दद करने के लिए आज सोमवार को पत्र लिखा जाएगा।

फर्नीचर घोटाला: एसीबी ने ओड़गी के दस प्रधानपाठकों को किया तलब

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

सरगुजा में हुए फर्निचर घोटाले की जांच तेज हो गई है। राजीव गांधी शिक्षा मिशन कार्यालय में दबिश देने के बाद अब एंटी करप्शन ब्यूरो ने ओडगी विकासखंड शिक्षा अधिकारी को पत्र जारी किया है। इस दौरान उन्होंने जिले के दस माध्यमिक शाला के प्रधान पाठकों को उस समय फर्नीचर प्राप्ति के दस्तावेजों के साथ कार्यालय में उपस्थित होने को कहा है। एसीबी की टीम सप्लायर के दावों की जांच करेगी जिसमें सप्लायर ने स्कूलों में डेस्क बेंच पहुंचाने का दावा किया गया है। इस पत्र के बाद एक बार फिर से हड़कंप मच गया है।

बता दें कि राजीव गांधी शिक्षा मिशन सर्व शिक्षा अभियान में वर्ष 2010-11 में माध्यमिक शालाओं में फर्नीचर खरीदी के लिए 2 करोड़ 70 लाख रूपए का आवंटन हुआ था। इस दौरान लगभग 10-11 फर्म ने स्कूलों में फर्नीचर की सप्लाई की लेकिन बड़ी बात यह थी कि इनमें से दो फर्म ने तो फर्नीचर की सप्लाई ही नहीं की और पूरा बिल भुगतान हो गया। इसके साथ ही शेष फर्मों ने भी आधे अधूरे सप्लाई किए। इस पूरे मामलें में बिना सप्लाई के ही मिली भगत कर कागजों में फर्नीचर की सप्लाई की गई और राशि का आहरण कर लिया गया। इस घोटाले के बाहर आने पर स्थानीय स्तर पर थाना में शिकायत की गई थी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद इस घोटाले को लेकर ईओडब्ल्यू में 2011-12 में धारा 13 (1) डी, 13 (2) पीसीएक्ट 1988 एवं भादवि की धारा-420, 120 (बी) के तहत एसपी पाण्डेय के खिलाफ अपराध दर्ज किया था।



यहां हुए थे जारी

एसीबी द्वारा बीईओ ओड़गी को जारी पत्र के अनुसार जिला कार्यालय राजीव गांधी शिक्षा मिशन सरगुजा द्वारा (सीएसआईडीसी) दरों पर फर्नीचर खरीदी हेतु प्रस्ताव बनाकर कलेक्टर एवं जिला संचालक, राजीव गांधी शिक्षा मिशन के आदेशानुसार विकासखण्ड ओड़गी अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों में फर्नीचर आपूर्ति हेतु फर्म श्री श्याम इंडस्ट्री सुरजपुर को आदेशित किया गया था। विवेचना के दौरान पता चला है कि कई फर्मों के द्वारा फर्नीचर की सप्लाई स्कूलों में नहीं की गई है। जो संबंधित फर्म के द्वारा निम्नलिखित स्कूलों में अलग-अलग मात्राओं में फर्नीचर करने का दावा किया गया है उसमें ओड़गी ब्लॉक के माध्यमिक शाला बेगारीडांड, पठारीटोला, सहपा, कुबेरपुर, पश्चिमपारा, नवाटोला, धरसेडी, टोमो, दवनसरा, बिहारपुर शामिल है। इन सभी स्कूलों में अप्रैल 2011 में फर्नीचर सप्लाई करने का दावा किया गया है।

चल रही है जांच

प्रकरण की जांच अभी चल रही है। फर्म कहते है कि उन्होंने फर्नीचर की सप्लाई की। यही जानने के लिए प्रधान पाठकों को बुलाया गया है। जांच के बाद जानकारी प्रदान की जाएगी।

-प्रमोद कुमार खेस
डीएसपी, एसीबी

अंडा नहीं मिला तो युवक चढ़ गया टावर पर, मचा हड़कंप

लखनपुर। ग्राम जमगला में उस से हड़कंप मच गया जब एक युवक एयरटेल टावर पर चढ़ गया। बताया जा रहा है कि युवक को अंडा नहीं मिला जिससे क्षुब्ध होकर टावर पर चढ़ गया था। हालांकि पुलिस के समझाइश के बाद युवक सुरक्षित नीचे उतार किया। लखनपुर थाना अंतर्गत ग्राम जमगला निवासी शिव शंकर जो रोज अंडा खाता है। आज सुबह अंडा नहीं मिलने पर घर से बाहर निकल गया और गांव स्थित एयरटेल मोबाइल टॉवर पर चढ़ गया और अंडा उपलब्ध कराने की जिद करने लगा। इधर युवक के टावर पर चढ़ जाने से गांव में हड़कंप मच गया। युवक के टॉवर से गिर जाने की आशंका पर ग्रामीणों ने तत्काल घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंचे और युवक को काफी समझाइश दी जिसके बाद युवक सुरक्षित टॉवर से नीचे उतर गया। युवक के नीचे उतर जाने पर परिजन सहित गांव के लोगों ने राहत की सांस ली। बताया जा रहा है कि युवक की मानसिक हालत ठीक नहीं है और वह हर रोज अंडा खाता है।



चरित्र संदेह पर पति ने हंसिये से वार करके की पत्नी की हत्या

भिलाई। रविवार को चरित्र पर संदेह को लेकर पति ने अपनी ही पत्नी को हंसिया से ताबड़तोड़ वार कर मौत के घाट उतारने का मामले सामने आया है। घटना कुम्हारी थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने बताया कि वार्ड-4 स्थित महामायापारा कुम्हारी निवासी दुर्गा यादव 22 वर्ष और घनश्याम यादव 25 वर्ष का विवाह चार साल पहले ही हुई थी। दोनों का एक 6 माह का बच्चा भी है। पति घनश्याम यादव नशे का आदी है। हमेशा नशे की हालत में अपनी पत्नी के चरित्र को लेकर संदेह करता था। इसी बात को लेकर दोनों के मध्य जमकर विवाद हुआ। रविवार की सुबह फिर दोनों के मध्य इसी बात को लेकर विवाद हो गया। पति घनश्याम विवाद बढ़ने पर आक्रोशित होकर सब्जी काटने वाले हंसिया से पत्नी दुर्गा पर ताबड़तोड़ वार कर गंभीर रुप से घायल कर दिया। घटना में दुर्गा के माथे, गले, पीठ पर गंभीर चोट आई। उसे गंभीरहालत में उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। जहां उपचार के दौरान दुर्गा की मौत हो गई। एएसपी ग्रामीण मणिशंकर चंद्रा ने बताया कि शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी अपनी पत्नी के चरित्र को लेकर संदेह करता था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ करता था। रविवार की सुबह भी ऐसी बात हुई और पति ने पत्नी पर हमला कर मौत के घाट उतार दिया।



epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Email : response.haribhoomi@gmail.com
CLASSIFIED
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

टीचर

आवश्यकता है- Teacher की आवश्यकता है। अंग्रेजी माध्यम (बी.एड) को प्राथमिकता वेतन 4000 से 6000 तक (English, Maths, Social Science) पता- लिटिल पॉवर इंग्लिश मीडियम स्कूल बोरियाखुर्द रायपुर (छ. ग.) संपर्क करें- समय 9:00 से 2:30 तक मो. नं. 9039640860, 9755848827. (आरो-812)

आवश्यकता है- अध्यापन कार्य हेतु कक्षा पहली से दसवीं तक हिंदी माध्यम में सभी विषयों हेतु शिक्षिकाओं की आवश्यकता है। पता- देव्यानी पब्लिक स्कूल, डूण्डा बाजार चौक, रायपुर मोबाइल- 9303013584. (आरो-809)

आवश्यकता है- अंग्रेजी माध्यम नर्सरी, प्राइमरी व मिडिल स्कूल के सभी विषयों हेतु शिक्षकों की आवश्यकता है। संपर्क: ओशो पब्लिक स्कूल गवर्नमेंट हस्पिटल के पास पाँच रास्ता, सुपेला, भि ला ई मो.9907758167.(आरो न.-321)

Requirement- Required TGT Maths for Agrasen Public High School Bhilai Qualification-B.ed, MSc (Maths)* Send Resume at aisbhilai@gmail.com*(आरो-322)

हरिभूमि क्लासीफाईड

सेल्समैन/ऑपरेटर

आवश्यकता है- थोक कपड़े की दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी सेल्समैन व हेल्पर तथा कम्प्युटर में बिल बनाने हेतु कम्प्युटर ऑपरेटर की आवश्यकता है। 10-15 लड़के चाहिए। मिलने का समयः दोपहर 3 से 6 बजे तक चुन्नीलाल केसरीमल बरलोटा शॉप नंबर डी 29- 30, प्रथम गेट टेक्सटाइल मार्केट पंडरी, रायपुर, संपर्क: 9425506658, 9424200658, 9977252503.(RO-7272)

चिकित्साकर्मी

आवश्यकता है- रिसर्च बेस आयुर्वेदिक दवाईयों के प्रमोशन हेतु छत्तीसगढ़ के सभी तहसील स्तर मे डाक्टर्स, नर्स, मेडिकल प्रोफेशनल की आवश्यकता है :- सेलरी + कमीशन २००००/- से- ५००००/- 91657-33916, 97135-17535. (आरो-418)

घरेलु नौकर

आवश्यकता है- रायपुर (सिविल लाइन्स) स्थित प्रतिष्ठित परिवार के लिए 12घंटे एवं 24घंटे कार्य हेतु अनुभवी, ईमानदार और जिम्मेदार घरेलू नौकर की आवश्यकता है। अनुभवः कम से कम 5वर्ष शिक्षा- न्यूनतम 10वीं पास वेतनः 20,000/- प्रतिमाह रहने की व्यवस्था सिविल लाइन्स, रायपुर संपर्क:- 9109972720, 9109125252 अनुभवी, भरोसेमंद, लंबे समय तक कार्य के इच्छुक उम्मीदवार मिले.(आरो-051)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सुपरवाइजर/असिस्टेंट

आवश्यकता है- आकांक्षा लायंस इंस्टीट्यूट हेतु योग्य अभ्यर्थियों की आवश्यकता है लेखा सहायक (पुरुष) –01 पद रिसेप्शनिस्ट (महिला) – 01 पद भवन रखर खाव सुपरवाइजर (पुरुष) –01 पद असिस्टेंट भवन रख रखाव सुपरवाइजर (पुरुष) –01 पद योग्यताः संबंधित कार्य का अनुभव रखने वाले अभ्यर्थियों को प्राथमिकता संपर्क करें:- न्यू कचना रोड, अवंति विहार, रायपुर 8319536251, 7838508429.(आरो-050)

मार्केटिंग

आवश्यकता है- रियल स्टेट हेतु मार्केटिंग कार्य के लिए लड़को(उम्र 18 से 35)की आवश्यकता वेतन योग्यतानुसार + कमीशन, पता - शंकरनगर, चौपाटी रायपुर (मिले - सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक) 9098334681. (आरो-209)

ड्राइवर/ बार्डन

आवश्यकता है- रायपुर जैन गर्ल्स हॉस्टल में नशा मुक्त ड्राइवर एवं लेडिस बार्डन, ज्वेलर्स शॉप के लिए सेल्स गर्ल की आवश्यकता है। संपर्क करें- 8959906595. (आरो-7355)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- गोल बाजार रायपुर शॉप के लिए लेडिज स्टॉफ हेल्पर (आकर्षक वेतन + ओवर टाइम) केवल मेंहनती परमानेंट काम के इच्छुक संपर्क करें - अक्षर प्रिंटर्स, अलका रेस्टोरेंट के बाजू गली में चिकनी मंदिर चौक गोल बाजार रायपुर (आरो-0152)

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- रायपुर स्थित प्रतिष्ठित कार्यालय एवं बंगलो के लिए 12 घंटे की ड्यूटी हेतु अनुभवी, अनुशासित एवं जिम्मेदार सिक्योरिटी गार्ड की आवश्यकता है। अनुभवः न्यूनतम 5वर्ष शैक्षणिक योग्यता- 10वीं /12वीं पास वेतन- योग्यता एवं अनुभवनुसार (आकर्षक वेतन) सिविल लाइन्स, रायपुर संपर्क:- 9109125252, 9109972720 केवल अनुभवी, ईमानदार एवं जिम्मेदार उम्मीदवार ही मिले।.(आरो-052)

सेल्समैन/ऑपरेटर

आवश्यकता है- विरदी साड़ी शोरूम हेतु पुरुष और महिला , सेल्समेन, कम्प्यूटर ऑपरेटर, सभी रायपुर निवासी अनिवार्य, अनुभवी को प्राथमिकता, पता:- विरदी साड़ी कंकालीपारा रोड , रायपुर संपर्क समय 10:30 से 9:00, 9425522577, 9425522576.(आरो-811)

चपरासी/ड्रायवर

शीघ्र आवश्यकता है- कार्यालय सहायक - डी सी ए/12वी गेट कीपर (गार्ड)- 02 पद ड्राइवर -2 पद चपरासी -2 पद इच्छुक संपर्क करें -उदय पब्लिक स्कूल, जामुल - भिलाई Resum send - 7470984997. (आरो - 4161)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

आवश्यकता

आवश्यकता है- डीजे साउंड सिस्टम चालाने के लिए अनुभवी/ बिना अनुभवी लड़को की आवश्यकता संपर्क: दीपक साउंड सर्विस फूलचौक, जोरापारा, कालीमाता मंदिर पास रायपुर 98271-14645, 91311-39179.(आरो-918)

ड्राइवर

आवश्यकता है- टैक्सी डिजायर चलाने के लिए ड्राइवर की आवश्यकता है जिसको टैक्सी चलाने का 3 वर्ष अनुभव हो वही संपर्क करें- अमलिडीह रायपुर 7470308181. (आरो-292)

अन्य

आवश्यकता है- जिलास्तरीय कंपनी भर्तीपद- फॉरेस्टगार्ड , क्लर्क, वनपाल, चपरासी , हेतु 10वी+12वी पास लड़के लड़कियां, उम्र (18 -42) सैलरी- 26500/- - 42500/- आवेदन हेतु - मार्कसीट, आधारकार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो , व्हाट्सएप / कॉल करे- 9005465772.(आरो-118)

Finance फायनेंस

फाइनेंस - राज्य ग्रामीण बैंकों द्वारा विभिन्न प्रकार के लोन उपलब्ध। बिजनेस, कृषि, होम एवं प्रॉपर्टी लोन। 1% वार्षिक ब्याज एवं 40% सब्सिडी के साथ प्राप्त करें। डाउन सिबिल स्कोर वालों के लिए भी सुविधा। संपर्क:- 7988465321, 7988465321. (आरो-049)

हरिभूमि

Property प्रापर्टी

प्लाट

बेचना है- 2 फ़्लैट बेचना है मधुरिशा हाइट फेस 3 प्रगति नगर रिसाली भिलाई में 3 बीएचके फ़्लैट बेचना है तुरंत रजिस्ट्री का प्रावधान है संपर्क करें 9893113113.(आरो-323)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वाद-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवे व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

Healthcare

गुप्त रोगी स्वयं मिले

शादी से घबराहट गुप्त रोग
- शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
- शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
- लिंग में ढ़ीलापन, छोटापन, पतलापन
- लिंग में टेढ़ापन
- वीर्य में शुक्राणु की कमी
- बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
- पेशाब में धातु जाना
- शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी

संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

जैकेट के शेष

25 फीट खुदाई के ....

से लेकर अब तक स्वयंभू शिवलिंग का दूसरा छोर नहीं मिला है। मंदिर स्थापना और शिवलिंग को लेकर जनश्रुति है कि क्षेत्र के पुराना गांव प्रमुख पटेल मालगुजार को खुदाई करते समय यह शिवलिंग मिला था। महाकाली एवं हनुमान मंदिर परिसर धर्म नगरी कौही समिति के अध्यक्ष योगेश्वर साहू, सचिव राजेश साहू, कोषाध्यक्ष हेमलाल साहू, उपाध्यक्ष सुनीता यदु, मुकेश साहू, नारायण साहू ने बताया कि खारून नदी के किनारे 11 एकड़ भू-भाग में फैले मुख्य मंदिर में विराजमान स्वयंभू शिवलिंग खुदाई करते हुए खंडित हो गया था। तब पुराने मलागुजार गांव प्रमुख पटेल को स्वप्न में महादेव से साक्षात्कार हुआ। स्वयंभू शिवलिंग के साथ मंदिर निर्माण का आदेश प्राप्त हुआ। जिसके बाद ग्राम प्रमुख पटेल पटेल ने जन सहयोग से मंदिर की निर्माण कराया।

श्रीराम ने की थी ....

उन्होंने यहां मौजूद शिवलिंग में पूजा-अर्चना की थी। इसलिए बस्तर के प्रसिद्ध शिवधाम में से एक रामपाल गांव को रामवनगमन पथ से भी जोड़ा गया है।

पुरातत्व के जानकार कहते हैं कि मंदिर के आसपास खुदाई के दौरान ग्रामीणों को जो ईंट मिली है, वह पांचवीं सदी की है। इसके अवशेष आज भी मंदिर में मौजूद हैं। मान्यता है कि शिवलिंग प्रभु श्रीराम द्वारा स्थापित की गई है। ग्रामीणों के अनुसार शिवलिंग के दर्शन हुए तब से यहां के ग्रामीणों से चंदा एकत्र कर शिवरात्रि के दौरान मेला का आयोजन कर बाबा लिंगेश्वर की पूजा अर्चना करते हैं

सावन में कांवड़ यात्रा व होंगे धार्मिक अनुष्ठान : रामपाल मंदिर के पुजारी कैलाश ठाकुर ने बताया कि पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी सावन माह में रामपाल मंदिर में कांवड़ यात्रा एवं विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाएगा।

श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना : इतिहास असिस्टेंट प्रोफेसर ओम प्रकाश सोनी ने बताया कि यह शिवलिंग नल काल का है तथा यहां स्थित शिवालय का निर्माण पांचवीं छठी शताब्दी में हुआ था। उस समय दंडकारण्य क्षेत्र शैव साधना का प्रमुख केंद्र माना जाता था। इसी कारण उस कालखंड में गांव-गांव में शिव मंदिरों का निर्माण हुआ। विशेष बात यह है कि पांचवीं छठी शताब्दी का यह प्राचीन शिवालय आज भी पूजित है और श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना हुआ है।

शिव के उपासक ....

मंदिर में खुदाई के दौरान शिवलिंग मिला था। इस शिवलिंग की गोलाई लगभग 3 से 4 फीट है और कुछ साल पहले की जांच में लगभग 30 फीट से अधिक गहराई पाई गई। ग्रामीण इस शिवलिंग को अटल शिवलिंग कहते हैं जो जमीन की नाभि से मिलता है।

रुद्र शिव की प्रतिमा....

दिलचस्प है कि इस प्रतिमा जैसी देश-दुनिया में कहीं नहीं मिली है। पुरातन ग्रंथों में भी इसका कोई उल्लेख नहीं मिलता। यह प्रतिमा 11 जनवरी 1988 को ताला गांव स्थित पांचवी, छठवीं शताब्दी के देवरानी-जेठानी मंदिर से मलबा सफाई के दौरान दुर्लभ प्रतिमा प्राप्त हुई। 9 फुट ऊंची, 5 टन वजनी इस प्रतिमा के अंगों में जीव-जंतुओं की आकृति ने पुरातत्वविदों को शोध के लिए आकृष्ट किया।

दरअसल, यह मूर्ति भगवान शिव का कोई सामान्य रूप नहीं है। यह एक 'जैव-वैविध्य' का चमत्कार है। गौर से देखने पर पता चलता है कि भगवान शिव का मुख एक नहीं, बल्कि कई जीवों से मिलकर बना है, शिव जी की जटाएं सांपों के कुंडल से बनी हैं तो इनके कानों में मयूर बैठे हुए हैं। इसके साथ ही भौहें और नाक को छिपकली या गिरगिट के आकार में तराशा गया है। कंधों पर मगरमच्छ के मुख बने हुए हैं तो भगवान का पेट एक विशाल कूर्म यानी कछुए के मुख जैसा दिखता है। इसके साथ ही हाथों की जगह हाथियों के सूंड और उंगलियों की जगह सांपों के फन हैं। पेट के नीचे जंघों पर महिला की मुखाकृति उसकी सामंजस्य गति को दर्शाता है। कमर के नीचे दाईं व बाईं तरफ कागराज और गरुड़ की आकृति बनाई गई है। यह भी गति का प्रतीक है। दोनों घुटनों पर बाघ व उंगलियों में सर्प का श्रृंगार किया गया है।

महागौरी के पूर्णांक अक्षर नौग्रह पर निर्माण : इस मूर्ति को विद्वान 'पशुपति' रूप का चरम मानते हैं। यह प्रतिमा यह संदेश देती है कि पूरी सृष्टि भगवान शिव में ही समाहित है। पुरातत्तविदों और इतिहासकारों की मानें तो महागौरी के पूर्णांक अक्षर नौग्रह पर आधारित इस मंदिर का निर्माण किया गया है। पांचवीं व छठवीं शताब्दी में मंदिर तंत्र-मंत्र साधकों का स्वर्ग रहा होगा। इस मंदिर के निर्माण के पीछे राजकीय श्रीवृद्धि का उद्देश्य भी साफतौर पर नजर आता है। इतिहासकारों का दावा है कि यह मंदिर तकरीबन साढ़े 1500 वर्ष पुरानी है। वास्तुकला का इससे बेजोड़ उदाहरण और कहीं देखने को नहीं मिलेगा।

1987 की खोदाई में मिली थी प्रतिमा : पुराविद राहुल सिंह बताते हैं कि पुरातत्व विभाग ने वर्ष 1984 में मनियारी नदी के किनारे ताला गांव में खोदाई प्रारंभ की थी जो तीन साल तक चली थी। वर्ष 1987 में रुद्र-शिव की विशाल प्रतिमा के साथ ही शिव गौरी व नौग्रह की प्रतिमाएं भी निकली। वर्ष 1992 तक यहां विभाग की देखरेख में खोदाई की गई है। वर्तमान में इसे पुरातत्व स्थल के रूप में पुरातत्व विभाग द्वारा विकसित किया जा रहा है। गौरतलब है कि पर्यटन केंद्र के रूप में इसकी पहचान बनी है। शिवरात्रि और अन्य विशेष अवसरों पर यहां पूजा अर्चना भी होती है। शिव की बारात निकाली जाती है। जिसमें आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में मौजूद रहते हैं। माघ पूर्णिमा पर यहां मेला लगता है तो भादो में शिव बारात निकलती है। ध्यान रहे कि शरभपुरीय शासकों के राजप्रसाद की दो रानियों देवरानी-जेठानी ने यह मंदिर पांचवीं-छठवीं शताब्दी में बनवाया। राज्य के संरक्षित 58 स्मारकों में यह मंदिर शामिल है।

14 साल में ....

शिवलिंग का आकार हर वर्ष धीरे-धीरे बढ़ रहा है। मंदिर समिति के अनुसार महाशिवरात्रि पर प्रतिवर्ष शिवलिंग की ऊंचाई और मोटाई का मापन किया जाता है तथा हर साल इसमें वृद्धि दर्ज की जाती है। सावन और महाशिवरात्रि पर यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु जलाभिषेक और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं।

भकुर्रा नाम के पीछे है अनोखी कहानी : भूतेश्वरनाथ महादेव समिति मरौदा के उपाध्यक्ष बाबूलाल चन्द्रवंशी (सिंधौला) एवं शंभूराम हल्वा (मरौदा) ने बताया कि लगभग 30 वर्ष पहले जहां आज भगवान भूतेश्वर महादेव विराजमान हैं, वह स्थान गौठान हुआ करता था। वहां केवल नंदी जी की प्रतिमा थी। उस समय वहां से गुजरने वाले लोगों को रहस्यमयी हुंकार जैसी आवाज सुनाई देती थी। उन्होंने बताया कि उस समय सिरकट्टी के महर्षि भुनेश्वरी शरण व्यास तथा परेवा गांव के संत पवन दीवान ने इस चट्टान को स्वयंभू शिवलिंग बताते हुए इसकी पहचान कराई। छत्तीसगढ़ी भाषा में हुंकारने की आवाज को 'भकुर्रा' कहा जाता है, इसलिए इसका नाम भकुर्रा महादेव पड़ा। इसके बाद ग्रामीणों ने यहां नियमित पूजा-अर्चना शुरू की। महर्षि भुनेश्वरी शरण व्यास ने यहां शिवरात्रि पर मानस यज्ञ की शुरुआत कराई, जिसके बाद यहां मेले की परंपरा भी प्रारंभ हुई।

5 फीट से 75 फीट तक पहुंचने का दावा : समिति के पदाधिकारियों के अनुसार, जब यहां पूजा शुरू हुई थी तब शिवलिंग की ऊंचाई लगभग 5 फीट थी। वर्तमान में इसकी ऊंचाई लगभग 75 फीट तथा चौड़ाई 200 फीट से अधिक बताई जाती है। वहीं पुराने अभिलेखों में 1952, 1978, 1987 और 1994 में भी अलग-अलग समय पर इसकी बढ़ती ऊंचाई का उल्लेख मिलता है।

17 गांवों की समिति संभाल रही है व्यवस्था : भूतेश्वर महादेव संचालन समिति से जुड़े मनोहर लाल देवांगन ने बताया कि 17 गांवों की समिति मिलकर मंदिर की व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सेवा और धार्मिक आयोजनों का संचालन करती है। सावन के पहले सोमवार और महाशिवरात्रि पर हजारों श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए विशेष व्यवस्थाएं की जाती हैं। मंदिर के पुजारी केशव सोम ने बताया कि सावन मास में छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों से भी कांवड़िए भूतेश्वरनाथ महादेव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं।

विश्व के सबसे ....

मानते हैं। सावन और महाशिवरात्रि के दौरान यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं और पूरा क्षेत्र 'हर-हर महादेव' के जयघोष से गूंज उठता है। प्राकृतिक सौंदर्य और आध्यात्मिक वातावरण इस स्थान को अन्य शिवधामों से अलग पहचान देते हैं। पहाड़ पर एक छोटा मंदिर है, लेकिन भक्त पहाड़ के नीचे भी पूजा अर्चना करते हैं। एक वर्ष पूर्व यहां भव्य शिवपुराण का आयोजन किया गया था, जिसमें पूरे संभाग के श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया था। इसके बाद से इसे अब शैव तीर्थ के रूप में पहचान मिल रही है।

कोतेबीरा मंदिर : कुनकुरी क्षेत्र का कोतेबीरा शिव मंदिर भी प्राचीन शैव परंपरा का महत्वपूर्ण केंद्र है। सावन के प्रत्येक सोमवार को यहां सुबह से देर शाम तक जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और भजन-कीर्तन का आयोजन होता है। महाशिवरात्रि पर यहां विशाल मेले का आयोजन होता है, जिसमें जशपुर के अलावा सरगुजा और झारखंड से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं।

अंचल की पहचान कैलाश गुफा : बगीचा विकासखंड स्थित कैलाश गुफा धार्मिक आस्था और प्राकृतिक धरोहर का अद्भुत संगम है। गुफा के भीतर भगवान शिव की पूजा होती है। यह स्थान संत गहरा गुरु की तपस्थली के रूप में भी प्रसिद्ध है। मान्यता है कि उन्होंने यहां वर्षों तक साधना की थी। इसी कारण सावन के प्रत्येक सोमवार को यहां विशेष पूजा होती है और बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। जशपुर नगर का प्राचीन शिव मंदिर भी वर्षों से श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। इसके अलावा चरईडांड और जिले के अन्य प्राचीन शिव मंदिरों में भी सावन सोमवार पर विशेष धार्मिक आयोजन होंगे। मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है और भक्तों की सुविधा के लिए स्थानीय स्तर पर व्यापक तैयारियां की गई हैं।

स्थानीय जानकारों के अनुसार जशपुर और सरगुजा का यह वनांचल प्राचीन काल से शैव संस्कृति का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। पहाड़, गुफाएं, जलस्रोत और घने जंगलों के बीच स्थापित शिवधाम आज भी उस समृद्ध धार्मिक परंपरा की जीवंत पहचान हैं। यही कारण है कि सावन के महीने में पूरा जशपुर अंचल शिवभक्ति में डूब जाता है और प्रदेश ही नहीं, पड़ोसी राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां भगवान भोलेनाथ के दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

देशभर से रायपुर ....

मिलने नहीं दिया जा रहा है। संस्था का कहना है कि छत्तीसगढ़ का जो एचआईवी नेटवर्क है, 2017 से एचआईवी पॉजिटिव बच्चों को आम लोगों की मदद से लगातार पोषक आहार प्रति माह दिया जा रहा है। लगातार प्रयास किया गया कि सरकार के द्वारा इन बच्चों को पोषक आहार दिया जाए, लेकिन इसमें भी सहायता नहीं की गई।

नाले की पुलिया ....

पर बिलासपुर कलेक्टर ने मौके का निरीक्षण कर पुलिया की मरम्मत करने का आदेश दिया है। मार्ग पर वाहनों की आवाजाही बंद होने से बिलासपुर पेंड्रा मार्ग बाधित हो गया है।

रतनपुर पुलिस के अनुसार, रविवार को पुष्पराज ट्रेवल्स की बस क्रमांक सीजी 10 जी, 1464 का ड्राइवर पेण्ड्रा से यात्री लेकर बिलासपुर जा रही थी। दोपहर 3 बजे यह बस बांसाझाल चपोरा आश्रम के पास नाले पर बनी पुलिया पार कर रही थी। अचानक बीच से पुलिया धंसकर नीचे चली गई और बस बीच में फंस गई।

पेज एक के शेष

सिर्फ रायपुर में बनाए...

(सरस्वती नगर निगम गर्ल्स), फूल चौक है। इसके अलावा दो अन्य केंद्र में उपस्थित अभ्यर्थियों की संख्या 100 तक भी नहीं पहुंच सकी। कम उपस्थिति के कारण केंद्र सूने-सूने रहे।

बारिश का असर...

1 लाख 96 हजार 777 थी, जो जुलाई में बढ़कर 2 लाख 56 हजार 471 हो गई। यह 30.34 प्रतिशत की वृद्धि है। वहीं 400 यूनिट से अधिक बिजली उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं की संख्या 1 लाख 20 हजार 615 से घटकर 60 हजार 921 रह गई, जो लगभग 50 प्रतिशत की कमी है। इससे यह संकेत मिलता है कि बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं ने अपनी बिजली खपत को 400 यूनिट के भीतर रखने का प्रयास किया, जिससे उन्हें शासन की राहतकारी योजना का लाभ मिल सके।

भारतमाला घोटाले में...

विशेष न्यायालय में चार्ज-शीट दाखिल की गई।

अब तक 36 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति अटैच: केंद्रीय जांच एजेंसी ने 29 दिसंबर 2025 तथा 27 अप्रैल 2026 को छापे की कार्रवाई की थी। उस कार्रवाई में 49 लाख रुपए नकद (जिसका कोई हिसाब-किताब नहीं था) और लगभग 89.80 लाख रुपए कीमत की 37 किलो 133 ग्राम चांदी जब्त की थी। साथ ही जमीन दलालों के सिंडिकेट की लगभग 23.35 करोड़ रुपए की संपत्ति को अस्थायी रूप से अटैच किया। इस नई जब्ती के साथ इस मामले में कुल जब्त की गई संपत्ति का मूल्य 36.14 करोड़ रुपए हो गया है।

राशिफल

मेष आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवन साथी के स्वास्थ का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें।

वृष धैर्यशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव की सम्भावना बन रही है। परिश्रम अधिक रहेगा।

मिथुन मन प्रसन्न रहेगा। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

सिंह नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। लंबे समय से चली आ रही समस्याएं खत्म होंगी।

कन्या शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। शैक्षिक कार्यों के लिए भी विदेश जा सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग बन रहे हैं।

तुला जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। भागदौड़ भी अधिक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। परिवार का साथ मिलेगा, परन्तु पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। खर्च बढ़ेंगे।

धनु मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। कारोबार में उतार-चढ़ाव रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की चिंताओं पर नियंत्रण बनाकर रखें।

मकर शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आय में वृद्धि भी होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

कुंभ भागदौड़ अधिक रहेगी। परन्तु किसी मित्र के सहयोग से आय के साधन बन सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सफलता के भी योग हैं।

मीन मन में उतार-चढ़ाव हो सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। भाग-दौड़ भी अधिक रहेगी।

इस सप्ताह सरकार अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने का करेगी प्रयास

दो विधेयक पेश करने व एक विधेयक को पारित कराने की तैयारी में सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

केंद्र सरकार आज सोमवार से शुरू हो रहे मानसून सत्र के तीसरे सप्ताह में लोकसभा में दो विधेयक पेश करने और एक अन्य विधेयक को पारित कराने की तैयारी में है। इस दौरान सरकार अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने की तैयारी में है। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू हुआ था और यह 13 अगस्त तक चलेगा। लोकसभा में दो विधेयक पेश करने और एक अन्य विधेयक को पारित कराने के लिए सूचीबद्ध किया गया है।



ये दो विधेयक पेश करने हुए सूचीबद्ध

लोकसभा में भारतीय सांख्यिकी संस्थान विधेयक, 2026 और बैंककार बही साक्ष्य अधिनियम, 2026 को पेश करने के लिए सूचीबद्ध किया गया है। एजेंडे में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से वित्त वर्ष 2022-23 के लिए अतिरिक्त अनुदान मांगों को लेकर बयान देना भी शामिल है। सरकार जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026 और सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 को पारित कराने की भी कोशिश करेगी।

विपक्ष हिस्सा लेगा या हंगामा करेगा, फिलहाल संदेह

मानसून सत्र में नीट-यूजी पेपर लीक को लेकर जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन से जुड़ी विपक्ष की मांगों को लेकर लगातार हंगामा और सदन की कार्यवाही स्थगित होती रही है। देखना ये है कि आज सोमवार को विपक्ष हंगामा करता है या सुचारू रूप से सदन की कार्यवाही में हिस्सा लेता है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार आने वाले सप्ताह में लोकसभा में 'विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम संशोधन विधेयक' पेश कर सकती है। सरकार जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026 और सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 को पारित कराने की भी कोशिश करेगी।

स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने की तैयारियों की समीक्षा

30 अगस्त को नीट पीजी परीक्षा पूरी तरह पारदर्शी व सुरक्षित होगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट - पीजी) 2026 की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि परीक्षा का आयोजन पूरी तरह सुरक्षित, निष्पक्ष, पारदर्शी और अभ्यर्थी-अनुकूल तरीके से सुनिश्चित किया जाए। यह परीक्षा 30 अगस्त को आयोजित होगी। समीक्षा बैठक में मंत्री ने नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन्स इन मेडिकल साइंसेज (एनबीएमएस), तकनीकी साझेदारों और परीक्षा आयोजन से जुड़े अन्य हितधारकों की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्हें परीक्षा की व्यवस्थाओं, अभ्यर्थियों की सुविधा, सुरक्षा तंत्र तथा तकनीक आधारित नई व्यवस्थाओं की जानकारी दी गई।



अभ्यर्थी किसी भी अफवाहों पर ध्यान न दें

जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि परीक्षा की विश्वसनीयता और गोपनीयता बनाए रखने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएं। उन्होंने अभ्यर्थियों से भी अपील की कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल एनबीएमएस तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें।

व्यापक सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा की गई

मंत्री ने बताया कि अंतिम प्रश्नपत्र का चयन परीक्षा शुरू होने से ठीक पहले अत्यंत सुरक्षित, एनक्रिप्टेड और समयबद्ध प्रक्रिया के तहत किया जाता है। इसके लिए बहुस्तरीय तकनीकी और परिचालन सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है, जिससे परीक्षा प्रारंभ होने तक प्रश्नपत्र की गोपनीयता पूरी तरह सुरक्षित रहती है। बैठक में परीक्षा के लिए किए गए व्यापक सुरक्षा इंतजामों की भी समीक्षा की गई।

पिछले वर्ष की तुलना से 12.5 प्रश अधिक अभ्यर्थी

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार, नीट 2026 के लिए 2 लाख 73 हजार 183 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 12.5 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्शाता है। परीक्षा देशभर के लगभग 340 शहरों में स्थित 1,300 से अधिक परीक्षा केंद्रों पर एकल पाली (सिंगल शिफ्ट) में आयोजित की जाएगी।

यूपी में कांवड़ यात्रा के लिए 'मिशन सुरक्षा' शुरू: डीजीपी

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में 2 प्रवासी मजदूरों की हत्या के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने पूरे राज्य में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब कांवड़ यात्रा शुरू हो चुकी है और विधानसभा का मानसून सत्र भी करीब है। राज्य के पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को अत्यधिक सतर्क रहने का निर्देश दिया है। कांवड़ यात्रा मार्ग पर लाखों श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। ऐसे में उत्तर प्रदेश पुलिस किसी भी असामान्य गतिविधि पर बारीकी से नजर रखे हुए है। अधिकारियों को किसी भी गड़बड़ी पर तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं और बड़े अधिकारी खुद मौके पर जाकर जायजा ले रहे हैं कि व्यवस्थाएं ठीक चल रही हैं या नहीं। कश्मीर में हाल ही में हुए हमलों के बाद यह अतिरिक्त सावधानी बरती जा रही है।

■ डीजीपी ने दिए सख्त निर्देश

मोदी के अपमान पर इमाम की दो टूक, कहा- पद की गरिमा रखें युवा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मुख्य इमाम डॉ उमर अहमद इलियासी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अपील का समर्थन किया है। यह समर्थन नीट परीक्षा के पेपर लीक मामले पर जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शनों के बाद आया है। इन प्रदर्शनों के दौरान कुछ छात्रों ने प्रधानमंत्री और उनकी दिवंगत माता के बारे में अपमानजनक बातें कही थीं। इसके जवाब में प्रधानमंत्री ने एक वीडियो संदेश जारी किया। इस संदेश में उन्होंने प्रदर्शनकारियों को 'गुमराह युवा' बताया और उन्हें माफ करने की बात कही।

डॉ इलियासी ने इस बात पर जोर दिया कि लोकतंत्र में अपनी राय रखने का अधिकार सबको है, लेकिन यह अधिकार प्रधानमंत्री का अनादर करने तक नहीं जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का पद पूरे देश का प्रतिनिधित्व करता है।

न्यायालय तहसीलदार, गंडई
जिला - खैरागढ़ - छुईखदान - गंडई (छ.ग.)
क्र. 1988/पर्य./भूमि/2026, दि. 31.07.2026

उद्घोषणा

सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक कार्यालय प्रबंधन संचालय छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड रायपुर के पत्र कमांक/5855/भू/छ.ग.टू.बो/2026 रायपुर दिनांक 22.01.2026 अनुसार छुईखदान से साल्हेवारा मार्ग कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान न.प्र. जाने मुख्य मार्ग पर स्थित भूमि ग्राम लमरा प.ह.नं. 01 तहसील गंडई जिला खैरागढ़-छुईखदान - गंडई स्थिति शासकीय भूमि ख. नं. 148 रकबा 1.0560 हे. भूमि पर्यटन सुविधा के विकास के लिए उपयुक्त होने से उक्त भूमि पर्यटन विभाग छ.ग. शासन के नाम पर आबंटित किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। जो राजस्व पुस्तक परिपत्र में दिये गये प्रावधान अनुरूप जांच कर प्रतिवेदन पेश करने हेतु इस कार्यालय को प्राप्त हुआ है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति या विशेष को किसी प्रकार की कोई दावा/आपत्ति हो तो न्यायालय में नियत पेशी दिनांक 10.08.2026 को उपस्थित होकर अपनी दावा/आपत्ति पेश कर सकते है । समय पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

तहसीलदार
गंडई, जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई

कम मतदान, क्या होगा परिणाम, सबकी नजर बांकीपुर पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

बिहार की बांकीपुर, मध्य प्रदेश की दतिया और गुजरात की मंजलपुर विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में अपेक्षा से काफी कम मतदान ने राजनीतिक दलों, खासकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की चिंता बढ़ा दी है। इन तीनों सीटों में दो भाजपा के कब्जे वाली थीं, जबकि दतिया सीट कांग्रेस के पास थी। अब आज सोमवार को होने वाली मतगणना ही बताएगी कि कम मतदान सत्ता पक्ष के लिए चेतावनी है या विपक्ष की उम्मीदों का आधार।

जनसुराज पार्टी के कारण मुकाबला रोचक : इस बार मुकाबला इसलिए भी राष्ट्रीय चर्चा का विषय बना क्योंकि जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने यहीं से अपना चुनावी पदार्पण किया। उन्होंने पूरे चुनाव प्रचार के दौरान इसे भाजपा सरकार के प्रदर्शन की परीक्षा बताया, जबकि मतदान के दिन पुलिस पर मतदाताओं और कार्यकर्ताओं को प्रभावित करने के आरोप भी लगाए।

दतिया: नरोत्तम मिश्रा की प्रतिष्ठा दांव पर : मध्य प्रदेश की दतिया सीट पर 71.44 प्रतिशत मतदान हुआ। प्रतिशत के लिहाज से यह संख्या अधिक दिखाई देती है, लेकिन यह पिछले लगभग 23 वर्षों का सबसे कम मतदान माना जा रहा है। दतिया का चुनाव भाजपा के वरिष्ठ नेता नरोत्तम मिश्रा के राजनीतिक भविष्य से भी जुड़ा माना जा रहा है। 2023 के विधानसभा चुनाव में मिश्रा को अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा था। इस बार भाजपा ने उनका टिकट काटकर आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया।

मप्र की दतिया और गुजरात की मंजलपुर सीटों के परिणाम भी आज

बांकीपुर भाजपा के लिए बनी प्रतिष्ठा की सीट

सबसे अधिक चर्चा बिहार की बांकीपुर सीट की है, जहां केवल 34.30 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ। भाजपा के लिए यह सीट सिर्फ एक विधानसभा क्षेत्र नहीं, बल्कि प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गई है, क्योंकि यह लंबे समय से पार्टी और नितिन नवीन के परिवार का गढ़ रही है। पिछली विधानसभा चुनाव में भी यहां मतदान 40.97 प्रतिशत ही रहा था, लेकिन इस बार मतदान और नीचे चला गया। यह सीट भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी। वर्ष 2025 के विधानसभा चुनाव में नितिन नवीन ने 51,936 मतों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की थी।

नितिन नबीन व प्रशांत किशोर की साख दांव पर

बांकीपुर का फैसला भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और प्रशांत किशोर दोनों की राजनीतिक साख पर असर डालेगा, जबकि दतिया का परिणाम नरोत्तम मिश्रा की भाजपा में आगे की भूमिका को प्रभावित कर सकता है। ऐसे में तीन सीटों के ये उपचुनाव संख्या में छोटे जरूर हैं, लेकिन इनके राजनीतिक संदेश राष्ट्रीय स्तर पर दूरगामी हो सकते हैं।

कम मतदान क्या संदेश देता है? : तीनों राज्यों में मतदान का अपेक्षा से कम रहना कई सवाल खड़े कर रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इसके पीछे शहरी मतदाताओं की उदासीनता, उपचुनावों के प्रति कम उत्साह, स्थानीय मुद्दे और उम्मीदवारों को लेकर असंतोष जैसे कई कारण हो सकते हैं।

शब्द पहेली - 6306



बाएँ से दाए
1. पावर हाऊस -5
4. दिमागी, कल्पित-4
7. हृदय-2
8. खोदना-3
9. प्रचार वाक्य, स्लोगन-2
10. नुकीला-4
11. कलिका-2
13. प्यारा, लाडला-3
14. विशिष्ट, विशेष-2
15. खर्च, उपभोग-3
17. नौका-2
19. नाम करण-2,3
22. चमकीला-5
25. महोदय (अंग्रेजी-2)
26. रनिवास, जनवासा-3
28. संध्या, सांझ-2
29. दलना, महीन करना-3
30. जस, सम्मान -2
32. कारागृह-4
34. आलाप, लय, सुर-2
36. पागल स्त्री-3
37. इंकार, मना-2
38. सराबोर, सना हुआ -4
39. वेश्या, तवायफ-5

ऊपर से नीचे
1. चूहे का घर-2
2. नेता-3
3. सार-संभार-2,3
4. आदर्श, कसौटी-3
5. छाती-2
6. अचरज भरा कार्य-4
7. हृदय को ठेस लगना-5
10. अनवरत वर्षा-4
12. जूं का अंडा-2
16. ओट, घूंघट-3
17. मां के पिता-2
18. दुख, कष्ट-2
20. राष्ट्रीय पक्षी-3
21. पत्र, लैटर-2
22. गुप्तचर, दूत-2
23. कपड़ों के टुकड़े (अंग्रेजी-4)
24. रवानगी, प्रस्थान करना-3,2
25. समयुगीन, समवर्ती-5
26. बंद, स्ट्राइक-4
27. सुरा, शराब-2
31. वचन, प्रतिज्ञा-3
33. बंदर-3
35. नथनी, नथिया-2
37. शहद-2

शब्द पहेली- 6305 का हल

ग	र	म	म	सा	ला	■	क	दा	चा	र
ती	खा	■	हा	■	चा	क	र	■	र	वा
थि	■	अ	ज	ग	र	■	म	ल	■	य
धी	मा	प	न	■	■	म	■	की	म	त
ही	■	ल	■	श	ता	न	न	■	जा	■
न	म	क	दा	नी	■	मा	न	सि	क	ता
■	क	■	म	च	ल	ना	■	या	■	र
अ	र	ज	■	र	■	■	ऐ	श	व	त
ह	■	स	द	■	न	रो	त	म	■	म्य
म	न	■	ख्र	स	म	■	था	■	टा	पू
क	र	त	ल	■	श	य	र	त	पू	र्ण

सूडोकु नवताल- 6316

मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9

खबर संक्षेप

इंडियन ऑयल का घाटा बढ़कर 2,661 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) को चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में एकल आधार पर 2,661.37 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ है। कंपनी ने कहा कि लागत बढ़ने के बावजूद ईंधन की कीमतें स्थिर रखने से यह घाटा हुआ है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 5,688.60 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था जबकि जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में उसे 11,377.51 करोड़ रुपये की कमाई हुई थी।

त्योहारी मांग में सुधार से तेल के भाव मजबूत

नई दिल्ली। आगामी त्योहारों के लिए बाजार में मांग बढ़ने के साथ किसानों की ओर से तिलहनों की आवक घटने के कारण बीते सप्ताह



देश के तेल-तिलहन बाजारों में सभी तेल-तिलहनों के दाम मजबूत रहे। बाजार सूत्रों ने कहा कि मौजूदा समय में देश में आयातित खाद्य तेलों के मुकाबले बिनौला, सरसों और मूंगफली तेल के दाम ऊंचे हैं। अधिक ऊंचे दाम का लाभ ले चुके किसान अब नीचे दाम (जो न्यूनतम समर्थन मूल्य सा एमएसपी से अधिक ही है) पर अपनी उपज बाजार में बेचने से कतरा रहे हैं।

पूंजीकरण में बजाज फाइनेंस को सबसे अधिक फायदा

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 2,51,228.75 करोड़ की बढ़ोतरी



हुई। शेयर बाजार में तेजी के बीच बजाज फाइनेंस लिमिटेड को सबसे ज्यादा लाभ हुआ। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 2,034.87 अंक यानी 2.67 प्रतिशत चढ़ा, जबकि एनएसई निफ्टी 616.15 अंक यानी 2.59 प्रतिशत की बढ़त में रहा।

रेनो इंडिया की घरेलू बाजार में बिक्री 27.9 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। रेनो इंडिया की बिक्री जुलाई, 2026 में घरेलू बाजार में 3,293 वाहन रही है। यह पिछले साल के इसी माह के 2,575 इकाई



के आंकड़े से 27.9 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के अनुसार, रेनो इंडिया ने लगातार 11वें महीने सालाना आधार पर दोहरे अंक में वृद्धि दर्ज की है। कंपनी ने बताया कि यह प्रदर्शन उसके पूरे उत्पाद पोर्टफोलियो में बनी मांग और हालिया उत्पाद पहल के कारण संभव हुआ है। रेनो इंडिया ने कहा कि वह भारतीय यात्री वाहन बाजार के प्रमुख क्षेत्रों में अपनी मौजूदगी मजबूत करने और बिक्री की इस रफ्तार को बनाए रखने पर लगातार ध्यान केंद्रित कर रही है।

एस्टेट का आईपीओ के लिए सेबी के पास दस्तावेज जमा

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी एसेट्ज लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के

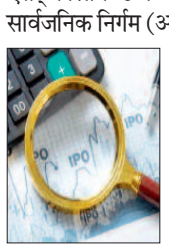

जरिये लगभग 1,200 करोड़ रुपये जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के पास शुरुआती दस्तावेज दाखिल किए हैं। सिंगापुर स्थित निवेश कोष एजीपी पार्टनर्स कंपनी में एक प्रमुख शेयरधारक है। कंपनी ने बयान में कहा कि उसने निर्गम के लिए गोपनीय मार्ग से भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) और शेयर बाजारों के पास दस्तावेजों का मसौदा (डीआरएचपी) जमा किया है।

एआई से नौकरियों को लेकर अनिश्चितता, अधिक संवाद की जरूरत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने कहा है कि कृत्रिम मेधा (एआई) के तेजी से बढ़ते प्रभाव के कारण देश के युवाओं में रोजगार और अपने भविष्य को लेकर अनिश्चितता बढ़ रही है। उनका कहना है कि युवाओं की चिंताओं को समझने और दूर करने के लिए सरकार और नीति-निर्माताओं को उनके साथ लगातार संवाद बनाए रखना चाहिए। कुमार ने कहा कि देश का युवा एआई की वजह से अपने भविष्य को लेकर काफी असमंजस में है। नीट पेपर लीक मामले को लेकर युवाओं के विरोध-प्रदर्शन संबंधी सवाल पर उन्होंने यह बात कही। उन्होंने कहा कि इसके चलते रोजगार की क्षमता और नौकरियों के सृजन दोनों को लेकर आशंका पैदा हो रही है।

नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने कहा

15 से 29 आयु वर्ग में बेरोजगारी दर अधिक

कुमार ने कहा कि हाल के आवधिक श्रमबल सर्वे (पीएलएफएस) के अनुसार, 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग में बेरोजगारी की स्थिति चिंता का विषय है। इस आयु वर्ग में युवाओं की बेरोजगारी दर 20 प्रतिशत है। उन्होंने कहा, ''यदि आप उनकी स्थिति में होते, तो आप भी काफी परेशान होते। इसीलिए मैं चाहता हूं कि युवाओं के साथ बातचीत चलती रहे।''



युवाओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्या समझे

जून, 2026 के आंकड़ों के मुताबिक इस आयु वर्ग में महिलाओं की बेरोजगारी दर 20.7 प्रतिशत और पुरुषों की 14.6 प्रतिशत रही। उन्होंने सुझाव दिया कि परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिए गठित कार्य बल के प्रमुख इन्फोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि को भी युवाओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को समझना चाहिए और उन्हें भविष्य को लेकर भरोसा दिलाना चाहिए।

मध्यम आया वाला देश बनने 10 फीसदी वृद्धि दर जरूरी

पिछले महीने कॉफ्रोच जनता पार्टी की अगुवाई में युवाओं के धरने-प्रदर्शन के बाद शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा था। एक अन्य सवाल पर कुमार ने कहा कि भारत को 2047 तक उच्च-मध्यम आय वाला देश बनने के लिए आठ प्रतिशत से अधिक, बल्कि दोहरे अंक यानी 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर हासिल करने का लक्ष्य रखना चाहिए।

सरकार के सिगरेट पर भारी कर बढ़ोतरी का असर दिखने लगा

कर बढ़ोतरी से सिगरेट कंपनियों पर दबाव शुद्ध राजस्व व मुनाफे में भारी गिरावट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सरकार द्वारा सिगरेट और तंबाकू उत्पादों पर करों में की गई भारी बढ़ोतरी का असर अब देश की प्रमुख सिगरेट कंपनियों के प्रदर्शन पर साफ दिखाई देने लगा है। नई कर व्यवस्था लागू होने के बाद चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में आईटीसी लि., गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया और वीएसटी इंडस्ट्रीज के शुद्ध राजस्व, बिक्री मात्रा और मुनाफे में गिरावट दर्ज की गई है।

- आईटीसी, गॉडफ्रे फिलिप्स और वीएसटी कंपनियों पर दिखा

इन तीनों कंपनियों की देश के सिगरेट बाजार में 90 प्रतिशत से अधिक की हिस्सेदारी है। बाजार के विभिन्न अनुमानों के अनुसार, भारत में सिगरेट की वार्षिक खपत करीब 100-120 अरब स्टिक के आसपास है। सरकार ने इस साल फरवरी में सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पादों पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) को बढ़ाकर 40 प्रतिशत कर दिया था।

खास बातें

- तीनों कंपनियों की देश की सिगरेट बाजार में 90 फीसदी हिस्सेदारी
- भारत में सिगरेट का वार्षिक उत्पादन 120 अरब स्टिक के आसपास



सिगरेट की लंबाई के आधार पर उत्पाद शुल्क व्यवस्था लागू

इसके साथ ही पुराने मुआवजा उपकर की जगह लंबाई के आधार पर नई अतिरिक्त उत्पाद शुल्क व्यवस्था लागू की गई, जो प्रति 1,000 सिगरेट पर 2,100 रुपये से 8,500 रुपये तक है। हालांकि, कर बढ़ोतरी के बाद कंपनियों की बिक्री से प्राप्त कुल आय में वृद्धि दिखाई दी, लेकिन वास्तविक या शुद्ध राजस्व पर इसका नकारात्मक असर पड़ा।

कंपनियों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा

कंपनियों को बढ़े हुए कर का बोझ कीमतों में समायोजित करने, बिक्री मात्रा बनाए रखने और उत्पाद पोर्टफोलियो में बदलाव करने जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। देश की अग्रणी सिगरेट कंपनी आईटीसी ने जून तिमाही में अपने सिगरेट कारोबार से परिचालन राजस्व में 73.71 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। यह बढ़कर 16,596.67 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 9,553.86 करोड़ रुपये था।

हितधारकों के हितों का ध्यान रखा गया

कंपनी ने बताया कि यह वृद्धि करों में अभूतपूर्व बढ़ोतरी के बीच चरणबद्ध मूल्य निर्धारण रणनीति के कारण हुई। हालांकि, उत्पादों की बिक्री से मिलने वाला वास्तविक राजस्व 31.45 प्रतिशत घटकर 3,769.11 करोड़ रुपये रह गया। पिछले साल इसी तिमाही में यह 5,498.93 करोड़ रुपये था। आईटीसी ने कहा कि उसकी सिगरेट इकाई ने सभी हितधारकों के हितों को ध्यान में रखते हुए रणनीतिक और संतुलित कदम उठाए हैं।

आईटीसी का शुद्ध लाभ 44 प्रतिशत घटा

आईटीसी के प्रमुख ब्रांड में इंडिया किंग्स, इंसिग्निया, क्लासिक, गोल्ड फ्लेक, विल्स नेवी कट, कैप्सटन और प्लेयर्स शामिल हैं। इस दौरान गॉडफ्रे फिलिप्स एकीकृत शुद्ध लाभ 44.3 प्रतिशत घटकर 198.39 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी का परिचालन राजस्व करीब दोगुना होकर 3,819.56 करोड़ रुपये रहा, लेकिन इसमें 2,614 करोड़ रुपये का उत्पाद शुल्क शामिल था।

गॉडफ्रे फिलिप्स का राजस्व 18.8 फीसदी घटा

उत्पाद शुल्क को हटाने के बाद गॉडफ्रे फिलिप्स का शुद्ध राजस्व 18.8 प्रतिशत घटकर 1,206 करोड़ रुपये रह गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 1,486 करोड़ रुपये था। कंपनी कैवेंडर्स, फोर स्क्वायर, रेड एंड व्हाइट, स्टेलर, नॉर्थ पोल और टिपर जैसे ब्रांड के अलावा फिलिप मॉरिस के स्वामित्व वाले मार्लबोरो ब्रांड की भी बिक्री करती है।

भारत में 60 समुद्री कुओं की होगी खुदाई

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली



भारत बजटीय सहायता के जरिये जोखिम भरे अपतटीय तेल और गैस खोज का वित्तपोषण करने वाले दुनिया के पहले बड़े कार्यक्रमों में से एक की शुरुआत करने जा रहा है।

- प्रत्येक के लिए 650 करोड़ रुपए देगी सरकार

सरकार का यह कदम देश के विशाल अप्रयुक्त गहरे जल भंडारों के माध्यम से आयातित कच्चे तेल और गैस पर बढ़ती निर्भरता को कम करने की एक कोशिश है।

अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पिछले सप्ताह 84,084 करोड़ रुपये की 'समुद्र मंथन राष्ट्रीय अपतटीय अन्वेषण योजना' को मंजूरी दी। इसके तहत सरकार गहरे समुद्र और अत्यधिक गहरे जल में अन्वेषण कुएं की खुदाई की आधी लागत या 650 करोड़ रुपये (जो भी कम हो) का प्रत्यक्ष रूप से वित्तपोषण करेगी। एक अधिकारी ने कहा, ''शायद यह पहली बार है जब दुनिया की कोई सरकार बजट से जोखिम अन्वेषण का वित्तपोषण कर रही है।'' उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षों में कुल मिलाकर 60 गहरे जल और अत्यधिक गहरे जल वाले अन्वेषण कुओं का वित्तपोषण बजट से किया जाएगा। अन्वेषण कुओं की खुदाई की लागत का एक हिस्सा वहन करने के अलावा, सरकार साझा बुनियादी ढांचे का भी आंशिक वित्तपोषण करेगी। इससे कई परिचालकों को साझा परिसंपत्तियों का उपयोग करके हाइड्रोकार्बन खोज का व्यावसायिक उपयोग करने की अनुमति मिलेगी।

अपस्ट्रीम क्षेत्र के पास सीमित अनुभव

इक्रा लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रशांत वशिष्ठ ने कहा कि यह योजना गहरे जल/अत्यधिक गहरे जल वाले कुओं की ड्रिलिंग के लिए सहायता प्रदान करती है, जहां घरेलू अपस्ट्रीम क्षेत्र के पास सीमित अनुभव और इसका दोहन अत्यधिक पूंजी-गहन और जोखिम भरा बना हुआ है। योजना का 84,084 करोड़ रुपये का परिव्यय अन्वेषण श्रृंखला के सबसे जोखिम भरे हिस्से पर केंद्रित है।

मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो दर को स्थिर रखने की संभावना

एजेंसी ▶▶| मुंबई



मुद्रास्फीति के बढ़ते जोखिमों और एफसीएनआर (बी) जमा योजना पर रुख को लेकर प्रतीक्षा के बीच भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अपनी अगस्त की मौद्रिक नीति समीक्षा में प्रमुख नीतिगत दर रेपो को यथावत रख सकता है। देश के 10 अर्थशास्त्रियों और ट्रेजरी प्रमुखों के एक सर्वेक्षण से यह बात सामने आई है।

- आक्रामक रुख बनाए रखने की उम्मीद : अर्थशास्त्री

ज्यादातर उत्तरदाताओं का अनुमान है कि केंद्रीय बैंक भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और असमान मानसून से मुद्रास्फीति के बढ़ते जोखिमों के बीच आक्रामक रुख अपनाते हुए अपनी नीतिगत स्थिति को 'तटस्थ' बनाए रखेगा। अर्थशास्त्रियों ने कहा कि केंद्रीय बैंक ''देखो और प्रतीक्षा करो'' की मुद्रा में रहेगा क्योंकि वह महंगाई के उभरते परिदृश्य का आकलन कर रहा है। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा, ''फिलहाल, मुद्रास्फीति नरम बनी हुई है और ऐसे में यथास्थिति ही सबसे अच्छा नीतिगत विकल्प है।'' जन स्मॉल फाइनेंस बैंक के ट्रेजरी प्रमुख गोपाल त्रिपाठी ने कहा कि केंद्रीय बैंक मानसून की स्थिति और एफसीएनआर (बी) योजना की सफलता का इंतजार करेगा। नीतिगत दरों पर फैसला करने के लिए मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) तीन अगस्त से पांच अगस्त के बीच बैठक करेगी। केंद्रीय बैंक ने वृद्धि दर को बढ़ावा देने के लिए पिछले साल से रेपो दर में 1.25 प्रतिशत की कटौती की है। अगस्त में ठहराव की उम्मीदों के बावजूद, अधिकांश उत्तरदाता वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान नीतिगत दर के ऊपर जाने की संभावना देखते हैं।

मुद्रास्फीति का दबाव आपूर्ति प्रेरित

यदि मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ता है, तो अधिकांश प्रतिभागी चालू वित्त वर्ष के दौरान कम से कम दो बार दर वृद्धि की उम्मीद करते हैं। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की अर्थशास्त्री गौरा सेनगुप्ता ने कहा कि मुद्रास्फीति का दबाव काफी हद तक आपूर्ति-प्रेरित है और इसके लिए तत्काल मौद्रिक नीति प्रतिक्रिया की आवश्यकता नहीं हो सकती है।

आईटी उद्योग में नई नौकरियां नहीं हो रहीं पैदा : श्रीधर वेम्बू

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली



जोहो के संस्थापक एवं मुख्य वैज्ञानिक श्रीधर वेम्बू ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) उद्योग में कंपनियों का बड़ा हिस्सा अब कृत्रिम मेधा (एआई) और डाटा सेंटर की बढ़ती लागत पर खर्च हो रहा है, जिससे नयी नौकरियां कम पैदा हो रही हैं। वेम्बू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि जोहो समेत आईटी उद्योग क्षेत्र ने बड़े पैमाने पर छंटनी से तो बचाव किया है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में नयी नौकरियों के अवसर भी नहीं दिए हैं। उन्होंने कहा, जो पैसा पहले नए कर्मचारियों पर खर्च होता था, वह अब एआई और डाटा सेंटर की लागत में जा रहा है, खासकर सर्वर और मेमोरी की कीमतों में तेज बढ़ोतरी के कारण यह सब हो रहा है।

- एआई व डाटा सेंटर पर खर्च बढ़ा

बड़ी कंपनियों का रुख एआई की ओर

वेम्बू ने कहा कि हालांकि, कंपनी इन खर्चों का प्रबंधन करने की कोशिश कर रही है, लेकिन कई बातें उनके नियंत्रण से बाहर हैं। उन्होंने यह भी बताया कि बड़ी कंपनियां अपने आईटी बजट का रुख एआई की ओर कर रही हैं। हालांकि, उन्होंने इस बात पर अनिश्चितता जताई कि एआई कंपनियां भारी पूंजीगत खर्च (कैपेक्स) के बावजूद अपेक्षित मुनाफा कमा पाएंगी या नहीं।

इंडिगो की 20वीं वर्षगांठ पर 'लंबी उड़ान' की तैयारी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंडिगो एयरलाइन अपने परिचालन के 20 वर्ष पूरे होने पर अब एक 'लंबी दूरी की उड़ान' शुरू करने की तैयारी कर रही है और बड़े पैमाने पर अंतरराष्ट्रीय विस्तार की योजना बना रही है। इसके तहत एयरलाइन दुनिया भर में बसे प्रवासी भारतीयों को उनके देश से जोड़ने, खाड़ी देशों के केंद्र से होकर जाने वाले अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात को वापस अपनी उड़ानों में लाने और भविष्य में भारत के रास्ते विदेशों के बीच यात्रियों को ले जाने का लक्ष्य रखेगी। घरेलू बाजार में 66 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी रखने वाली देश की यह प्रमुख एयरलाइन कंपनी जल्द ही एयरबस ए321 एक्सएलआर विमान अपने बेड़े में शामिल करने जा रही है और 2028 से ए350 बड़े आकार के विमानों की आपूर्ति शुरू होने की उम्मीद है।

- अंतरराष्ट्रीय विस्तार पर कर रही है काम



इंडिगो के प्रबंध निदेशक राहुल भाटिया ने कहा कि व्यापक घरेलू नेटवर्क के दम पर कंपनी अब 'लंबी दूरी की उड़ानों' की दिशा में बड़ा कदम उठाने को तैयार है और ए321 एक्सएलआर तथा बाद में ए350 विमानों के जरिये अधिक अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों को जोड़ा जाएगा। हालांकि, भाटिया ने कहा कि चार अगस्त को कंपनी की 20वीं वर्षगांठ है, लेकिन अब भी इंडिगो को वैश्विक एयरलाइन कहना जल्दबाजी होगी। प्रबंध निदेशक के साथ ही कंपनी के सह-संस्थापक भाटिया ने कहा, /"क्या हम वहां पहुंचना चाहते हैं? हां, हमारी आकांक्षा है, लेकिन कंपनी का मूल अब भी घरेलू नेटवर्क ही है। बड़े विमानों के साथ कुछ प्रयोग हो रहे हैं, लेकिन हमें वैश्विक कहना अभी कल्पना को बढ़ाना होगा।

खाड़ी देशों की एयरलाइंस के कब्जे में भारत का बड़ा हिस्सा

भाटिया ने कहा कि लंबी दूरी की रणनीति का मुख्य केंद्र भारतीय यात्रियों और वैश्विक भारतीय प्रवासी समुदाय को सेवा देना होगा। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में खाड़ी देशों की एयरलाइन ने अपने केंद्र के जरिये भारत से जाने वाले अंतरराष्ट्रीय यातायात का बड़ा हिस्सा अपने कब्जे में ले लिया, जिससे आर्थिक मूल्य विदेश चला गया।

बीओएम ने आवास ऋण पर ब्याज दर घटाई

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) ने ग्राहकों को राहत देते हुए आवास ऋण पर ब्याज दर में कटौती की है। बैंक ने एक पेशकश के तहत आवास ऋण पर ब्याज दर को मौजूदा के 7.1 प्रतिशत से घटाकर सात प्रतिशत कर दिया है। यह सुविधा सीमित अवधि के लिए शुरू की गई विशेष पेशकश 'मानसून धमाका' के तहत दी



जा रही है। बैंक की ओर से जारी बयान के अनुसार, इस योजना के अंतर्गत आवास ऋण पर सात प्रतिशत से शुरू होने वाली ब्याज दर के साथ-साथ प्रसंस्करण शुल्क और दस्तावेजीकरण शुल्क भी नहीं लिया जाएगा। बैंक ने कहा कि कम ब्याज दर और शुल्क में छूट की इस विशेष पेशकश का उद्देश्य ग्राहकों को बेहतर वित्तीय सुविधा उपलब्ध कराना है।

रेडिसन की भारत में विस्तार के लिए छोटे शहरों पर नजर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

रैडिसन होटल ग्रुप ने भारत को अपने वैश्विक विस्तार का प्रमुख केंद्र बताते हुए वर्ष 2030 तक देश में 500 होटल के परिचालन के लक्ष्य पर कायम रहने की बात कही है।

- वर्ष 2030 तक 500 होटल के लक्ष्य पर कायम

कंपनी का मानना है कि उभरते शहरी केंद्रों और क्षेत्रीय नगरों, धार्मिक पर्यटन स्थलों तथा होटल में बदलाव (मौजूदा होटल को रैडिसन ब्रांड से जोड़ने) के माध्यम से उसका विस्तार और तेज होगा। रैडिसन होटल ग्रुप के दक्षिण एशिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य परिचालन अधिकारी निखिल शर्मा ने कहा कि भारत अब केवल एक महत्वपूर्ण बाजार नहीं, बल्कि कंपनी की वैश्विक विकास रणनीति का प्रमुख आधार बन चुका है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 की पहली छमाही में कंपनी ने 18 नए होटल के लिए हस्ताक्षर किए हैं और चार नए होटल शुरू किए। इसके साथ ही कंपनी की विकास के तहत परियोजनाओं की संख्या बढ़कर 98 हो गई है, जबकि इसके 86 शहरों में 142 होटल परिचालन में हैं। शर्मा के अनुसार, अगले दो साल में कंपनी तीन प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगी। इनमें विकासाधीन होटल को तेजी से परिचालन में लाना, दूसरी, तीसरी और चौथी श्रेणी के शहरों में अपनी मौजूदगी मजबूत करना तथा व्यापारिक, अवकाश और धार्मिक पर्यटन स्थलों में संतुलित विस्तार शामिल है।

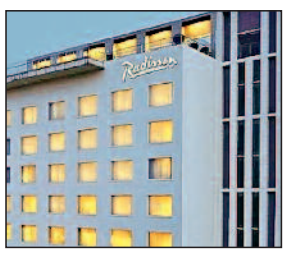

विस्तार महानगरों तक सीमित नहीं

शर्मा ने कहा कि कंपनी अब केवल दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे पारंपरिक महानगरों तक सीमित नहीं है। रैडिसन अब राजकोट और जमशेदपुर जैसे औद्योगिक एवं व्यावसायिक केंद्रों, सिलीगुड़ी जैसे प्रवेश द्वार शहरों, कसौली और गोपालपुर जैसे पर्यटन स्थलों तथा नाथद्वारा और प्रयागराज जैसे धार्मिक केंद्रों में भी अपनी उपस्थिति बढ़ा रही है।

जुलाई में कंपनी ने 2,48,845 वाहनों का किया उत्पादन

मारुति का जुलाई में रिकॉर्ड वाहन उत्पादन दर्ज

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी वाहन विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने जुलाई में अपना रिकॉर्ड मासिक उत्पादन दर्ज किया है। जुलाई में कंपनी ने 2,48,845 वाहनों का उत्पादन किया, जो पिछले साल के इसी महीने के आंकड़े 1,87,073 इकाई के मुकाबले 33 प्रतिशत अधिक है।

- पिछले साल के इसी महीने से 33 प्रतिशत अधिक निर्माण

कंपनी का इससे पहले का सर्वश्रेष्ठ मासिक उत्पादन रिकॉर्ड मार्च, 2026 में बना था, जब उसने 2,31,933 वाहनों का विनिर्माण किया था। मारुति सुजुकी के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने बताया कि रिकॉर्ड उत्पादन के बावजूद डीलर नेटवर्क में वाहन का स्टॉक सामान्य स्तर से काफी कम है। जुलाई में कंपनी की खुदरा बिक्री 1.78 लाख इकाई रही।



कंपनी ने 1,96,203 यात्री वाहन बेचे

इस दौरान कंपनी ने 1,96,203 यात्री वाहन बेचे, जो जुलाई, 2025 के 1,37,776 वाहन की तुलना में 43 प्रतिशत अधिक है। हल्के वाणिज्यिक वाहनों को शामिल करने पर कुल घरेलू बिक्री 2,00,123 इकाई के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। उत्पादन के मामले में कंपनी ने जुलाई में ऑल्टो और एस-प्रेसो की 13,964 इकाइयों का विनिर्माण किया, जबकि पिछले साल इसी महीने यह आंकड़ा 11,484 इकाई था।

डीलर नेटवर्क में मौजूदा स्टॉक 16 दिन का

बनर्जी ने कहा कि डीलर नेटवर्क में मौजूदा स्टॉक करीब 16 दिन का है, जबकि उद्योग का औसत लगभग 30 दिन का रहता है। कंपनी के पास करीब 1.6 लाख वाहनों की बुकिंग लंबित है। कंपनी ने जुलाई में घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की अब तक की सबसे अधिक थोक बिक्री दर्ज की।

बलेनो, सेलेरियो और स्विफ्ट का उत्पादन बढ़ा

वहीं, बलेनो, सेलेरियो और स्विफ्ट जैसे कॉम्पैक्ट मॉडल का उत्पादन बढ़कर 1,13,067 इकाई हो गया, जो पिछले वर्ष के समान महीने के आंकड़े 87,950 इकाई से 29 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के लोकप्रिय यूटिलिटी वाहन ब्रेजा, अर्टिगा और फ्रॉन्क्स का उत्पादन भी तेजी से बढ़ा। जुलाई में इन मॉडल की 1,02,787 इकाइयों का उत्पादन हुआ, जबकि पिछले साल जुलाई में यह आंकड़ा 70,241 इकाई था।

वाणिज्यिक वाहन सुपर कैरी का उत्पादन बढ़ा

इसमें 46 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसके अलावा ईको वैन का उत्पादन 14,627 इकाई रहा, जो पिछले साल के 13,610 इकाई से सात प्रतिशत अधिक है। वहीं, हल्के वाणिज्यिक वाहन सुपर कैरी का उत्पादन बढ़कर 4,400 इकाई हो गया, जो पिछले साल समान महीने में 3,788 इकाई था।

महज 36 मिनट में फाइनल फतह, सबसे कम उम्र की चैंपियन बनीं तन्वी

एजेंसी ▶▶| ताइपे सिटी

युवा भारतीय सनसनी तन्वी शर्मा ने रविवार को ताइपे ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल फाइनल में वियतनाम की छठी वरीय थुई लिन्ह एनगुएन को सीधे गेम में हराकर अपना पहला बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीता। पिछले साल अमेरिकी ओपन सुपर 300 में उप विजेता रही पंजाब की 17 साल की तन्वी ने फाइनल में एनगुएन को 36 मिनट में 21-16, 21-16 से हराया। 17 वर्ष और 222 दिन की उम्र में ताइपे ओपन के इतिहास की सबसे कम उम्र की चैंपियन बनी तन्वी ने इस मामले में ताइवान की महान खिलाड़ी ताई जू यिंग का रिकॉर्ड तोड़ा।

प्रभावी ड्रॉप शॉट से एनगुएन को लगातार छकाया

तन्वी ने अमेरिकी ओपन में फाइनल में अपने सफर के दौरान भी एनगुएन को हराया था। इस भारतीय खिलाड़ी ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। उन्होंने अपने प्रभावी ड्रॉप शॉट से एनगुएन को लगातार छकाते हुए 4-1 की बढ़त बना ली। ड्रॉप शॉट और क्रॉस कोर्ट स्मैश का बेहतरीन मिश्रण करते हुए भारतीय खिलाड़ी ने बढ़त को 10-2 तक पहुंचा दिया। वियतनाम की खिलाड़ी तन्वी के खेल को पढ़ने और शटल की दिशा का सही आकलन करने में संघर्ष करती नजर आई।



ताइपे ओपनः 17 साल और 222 दिन की तन्वी ने फाइनल में एनगुएन को हराया

ताइवान की खिलाड़ी जू यिंग का तोड़ा रिकॉर्ड

मेरा लक्ष्य सिर्फ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन : तन्वी

तन्वी ने कहा कि यह खिताब जीतकर मैं बेहद खुश हूं। उन्होंने कहा, 'मुझे इस टूर्नामेंट का खिताब जीतने की उम्मीद नहीं थी। मेरा लक्ष्य सिर्फ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना था। मैंने एक बार में एक मैच पर ध्यान दिया और पूरे टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया।' पीवी सिंधू के पूर्व मेंटर (मार्गदर्शक) पार्क ताए संग से कोचिंग लेने वाली तन्वी 2008 में साइना नेहवाल के बाद ताइपे ओपन का महिला एकल खिताब जीतने वाली पहली भारतीय हैं। पूरे टूर्नामेंट में केवल एक गेम गंवाने वाली तन्वी ने कहा, 'मैं काफी नर्वस थी लेकिन मैंने यही सोचा कि मुझे अपना शत प्रतिशत देना है और अपने स्वाभाविक खेल पर भरोसा रखना है।' उन्होंने कहा, 'लगातार पांच मैच खेलना मेरे लिए भी आसान नहीं था। लेकिन मुझे पूरे टूर्नामेंट में निरंतरता बनाए रखनी थी। अब मुझे सुपर 500 और सुपर 750 स्तर के टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए और अधिक मेहनत करनी होगी। मैं लगातार कड़ी मेहनत करती रहूंगी।'

सबसे कम उम्र की फाइनलिस्ट बनीं तन्वी

जीत के बाद भावुक क्षण में तन्वी ने अपना स्वर्ण पदक उतारकर कोच पार्क के गले में पहनाया। तन्वी 17 साल और 222 दिन की उम्र में टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे कम उम्र की फाइनलिस्ट भी बनीं। उन्होंने कोरिया के महान युगल खिलाड़ी ली योंग डे को पीछे छोड़ दिया, जो 2006 में पुरुष युगल फाइनल में पहुंचने पर 17 साल और 287 दिन के थे।

एक सत्र में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय

पूर्व विश्व जूनियर नंबर एक तन्वी विश्व जूनियर चैंपियनशिप के एक ही सत्र में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय हैं। उन्होंने लड़कियों के एकल वर्ग में रजत पदक के अलावा मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। वह उस भारतीय टीम की भी सदस्य थीं, जिसने एशियाई टीम चैंपियनशिप में देश के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता था। तन्वी 16 साल की उम्र में 2025 अमेरिकी ओपन में अपने पहले सुपर 300 फाइनल में पहुंचीं। वह इस साल ताइपे ओपन में खिताबी मुकाबले में भी पहुंची और ओडिशा मास्टर्स सुपर 100 तथा गुवाहाटी मास्टर्स सुपर 100 में भी उप विजेता रहीं और दुनिया की शीर्ष 35 खिलाड़ियों में शामिल हो गईं।

खबर संक्षेप

दलीप ट्रॉफीः तिलक वर्मा को साउथ जोन की कमान

नई दिल्ली। दलीप ट्रॉफी 2026-27 के लिए साउथ जोन टीम की घोषणा हो गई है। तिलक वर्मा को



15 सदस्यों वाली टीम का कप्तान बनाया गया। आंध्र के बैटर रिकी भुई उप-कप्तान होंगे। टीम में करुण नायर भी शामिल हैं,जो पिछले साल एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के दौरान भारत के लिए खेले थे। यह जोनल टूर्नामेंट 23 अगस्त से शुरू होगा, लेकिन साउथ जोन पिछले एडिशन में फाइनल में पहुंचने की वजह से 30 अगस्त को सेमीफाइनल में सीधे खेलेगा।

7 अगस्त से भारत और मलेशिया में हॉकी सीरीज

बेंगलुरु। भारत 7 से 13 अगस्त तक नेताजी सुभाष दक्षिणी केंद्र में मलेशिया की अंडर-21 पुरुष टीम की 8 मैच की श्रृंखला के लिए मेजबानी करेगा। इस श्रृंखला में मलेशिया की अंडर-21 टीम भारतीय जूनियर पुरुष टीम के खिलाफ 5 और साइ टीम के खिलाफ 3 मैच खेलेगी। यह श्रृंखला आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए दोनों टीम की तैयारी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस श्रृंखला का उद्देश्य दोनों टीमों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धी परिस्थितियों में खेलने का अवसर उपलब्ध कराना और द्विपक्षीय खेल संबंधों को मजबूत करना है। भारतीय जूनियर टीम मलेशिया से 7, 8, 10, 12 और 13 अगस्त को भिड़ेगी।

राष्ट्रमंडल खेलों का समापन, चौथे स्थान पर रहा भारत, आस्ट्रेलिया फिर अव्वल

शानदार प्रदर्शन : भारत ने जीते 39 मेडल याद रहेगा बॉक्सरों का ऐतिहासिक प्रदर्शन



एजेंसी ▶▶| ग्लास्गो

राष्ट्रमंडल खेलों में ऐसे कई खेल नहीं थे, जिनमें भारत सबसे प्रबल दावेदार था लेकिन इसके बावजूद भारतीय दल ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 से शानदार प्रदर्शन के साथ विदा ली और 39 पदकों के साथ चौथे स्थान पर रहे।

भारत ने 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य पदक जीते। आस्ट्रेलिया 70 स्वर्ण समेत 171 पदक जीतकर शीर्ष रहा जबकि इंग्लैंड ने 110 और कनाडा ने 62 पदक जीते। मेजबान स्कॉटलैंड 39 पदक जीतकर पांचवें स्थान पर रहा।

भारतीय खिलाड़ियों ने मनवाया अपना लोहा

निशानेबाजी, बैडमिंटन, कुश्ती, हॉकी और टेबल टेनिस जैसे खेल नहीं होने से भारत के पदकों की संख्या कम हुई है लेकिन बाकी खेलों में भी भारतीय खिलाड़ियों ने अपना लोहा मनवाया। कुछ घटनाओं ने निराश भी किया जैसे खेलों से पहले ही जूडो खिलाड़ी तूलिका मान डोपिंग रोधी नियमों के तहत ठिकाने का पता बनाने में तीन बार नाकाम रहने के कारण अस्थायी तौर पर निलंबित हो गई और खेलों में हिस्सा नहीं ले पाई। **ग्लास्गो से विदा लेने के बाद अब नजरें अहमदाबाद पर होंगी, जहां 2030 में खेल होने हैं।**

11 दिन चला टूर्नामेंट

भारतीय खिलाड़ियों ने 11 दिन तक चले खेलों में मुक्केबाजी, एथलेटिक्स , जूडो, पैरा खेलों और भारोत्तोलन में बेहतरीन प्रदर्शन करके साबित कर दिया कि भारत राष्ट्रमंडल खेल महाशक्तियों में से एक है। मुक्केबाजों ने सात स्वर्ण और तीन रजत समेत दस पदक जीते। जूडो खिलाड़ियों ने भी जबर्दस्त प्रदर्शन करके पदक जीते।

इन खेलों में मिले मेडल

एथलेटिक्स - 16 मेडल (3 गोल्ड, 7 सिल्वर, 6 ब्रॉन्ज)
बॉक्सिंग - 10 मेडल (7 गोल्ड, 3 सिल्वर)
वेटलिफ्टिंग - 8 मेडल (1 गोल्ड, 6 सिल्वर, 1 ब्रॉन्ज)
जूडो - 4 मेडल (2 गोल्ड, 1 सिल्वर, 1 ब्रॉन्ज)
पैरा पावरलिफ्टिंग - 1 मेडल (1 ब्रॉन्ज).

भारत के ऐतिहासिक क्षण

भारत के लिए सबसे पहला मेडल पैरा पावरलिफ्टिंग में झंडू कुमार ने जीता था, जिन्होंने ब्रॉन्ज पर निशाना साधा था। वहीं पहला गोल्ड मीराबाई चानू ने जीता, जिन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने की हैट्रिक भी लगाई है। अस्मिता डे भारत की ऐसी पहली जूडो एथलीट बनीं, जिन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीता, वहीं बॉक्सिंग में 22 साल के जादूमणि सिंह ने सिल्वर मेडल जीता, लेकिन उन्होंने दिखा दिया कि भारतीय बॉक्सिंग का भविष्य कहां जा रहा है।

एथलेटिक्स में सबसे ज्यादा मेडल

भारत ने एथलेटिक्स में सबसे ज्यादा 16 मेडल जीते, लेकिन सबसे ज्यादा गोल्ड बॉक्सिंग में आए। 1 अगस्त के दिन भारत के एथलीटों ने कुल 16 पदक जीतकर इतिहास ही रच दिया।

पदक तालिका

क्रम	देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल पदक
1	ऑस्ट्रेलिया	70	45	56	171
2	इंग्लैंड	29	45	36	110
3	कनाडा	19	20	23	62
4	भारत	13	17	09	39
5	स्कॉटलैंड	13	09	17	39
6	न्यूजीलैंड	10	14	12	36
7	नाइजीरिया	10	07	07	24
8	जमैका	10	04	05	19
9	वेल्स	09	10	12	31
10	मलेशिया	08	03	05	16

भारत 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य पदक से कुल 39 पदक जीतकर तालिका में चौथे स्थान पर ।

पदक विजेता

नंबर	पदक विजेता	इवेंट	खेल	मेडल
1	झंडू कुमार	हेवीवेट	पैरा पावरलिफ्टिंग	कांस्य
2	ऋषिकांत सिंह	60kg	वेटलिफ्टिंग	रजत
3	मीराबाई चानू	48kg	वेटलिफ्टिंग	स्वर्ण
4	मुथुपंडी राजा	65kg	वेटलिफ्टिंग	रजत
5	ज्ञानेश्वरी यादव	53kg	वेटलिफ्टिंग	रजत
6	बिंद्यारानी देवी	58kg	वेटलिफ्टिंग	कांस्य
7	शर्मिला धनकड़	शॉट पुट एफ57	पैरा एथलेटिक्स	स्वर्ण
8	सर्वेश कुशारे	हाईजंप	एथलेटिक्स	रजत
9	शिल्पा शायला	शॉटपुट एफ57	पैरा एथलेटिक्स	कांस्य
10	वल्लूरी अजय बाबू	79kg	वेटलिफ्टिंग	रजत
11	हरजिंदर कौर	69kg	वेटलिफ्टिंग	रजत
12	गुलवीर सिंह	10000मी	एथलेटिक्स	रजत
13	मुरली श्रीशंकर	लॉन्ग जंप	एथलेटिक्स	रजत
14	दिलीप गावित	100मी टी47	पैरा एथलेटिक्स	स्वर्ण
15	मोहम्मद बेसिल	100मी टी47	पैरा एथलेटिक्स	रजत
16	लवप्रीत सिंह	+110kg	वेटलिफ्टिंग	रजत
17	सीमा कालीरमना	डिस्कस थ्रो	एथलेटिक्स	कांस्य
18	अस्मिता डे	48kg	जूडो	स्वर्ण
19	हर्ष सिंह	60kg	जूडो	स्वर्ण
20	यामिनी मौर्या	57kg	जूडो	रजत
21	तेजस्विन शंकर	डेकाथलॉन	एथलेटिक्स	कांस्य
22	यशवीर सिंह	जेवलिन थ्रो	एथलेटिक्स	कांस्य
23	नीरज चोपड़ा	जेवलिन थ्रो	एथलेटिक्स	रजत
24	प्रीति पवार	54kg	बॉक्सिंग	स्वर्ण
25	प्रवरीन चित्रवेल	ट्रिपल जंप	एथलेटिक्स	रजत
26	सेल्वा प्रभु	ट्रिपल जंप	एथलेटिक्स	कांस्य
27	जैस्मिन लैम्बोरिया	57kg	बॉक्सिंग	स्वर्ण
28	जदुमणि सिंह	55kg	बॉक्सिंग	रजत
29	शुभम जुयाल	शॉटपुट एफ57	पैरा एथलेटिक्स	रजत
30	सोमन राणा	शॉटपुट एफ57	पैरा एथलेटिक्स	स्वर्ण
31	उन्नति शर्म	63kg	जूडो	कांस्य
32	साक्षी चौधरी	51kg	बॉक्सिंग	स्वर्ण
33	प्रिया घनघस	60kg	बॉक्सिंग	स्वर्ण
34	अरुंधति चौधरी	70kg	बॉक्सिंग	स्वर्ण
35	लवलीना बोरगोहेन	75kg	बॉक्सिंग	रजत
36	सचिन सिवाच	60kg	बॉक्सिंग	स्वर्ण
37	अंकुश पंघाल	80kg	बॉक्सिंग	स्वर्ण
38	नरेंद्र बेरवाल	90kg	बॉक्सिंग	रजत
39	गुलवीर सिंह	5000मी	एथलेटिक्स	कांस्य

श्रीलंका दौरा

भारत को झटका, बुमराह टेस्ट सीरीज से हुए बाहर



एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के शीर्ष तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह घुटने की चोट से पूरी तरह नहीं उबर पाने के कारण श्रीलंका के दो टेस्ट मैचों के दौरे से बाहर रह सकते हैं। बुमराह के घुटने में सूजन शुरुआत में जितनी सामान्य लग रही थी उससे अधिक गंभीर प्रतीत हो रही है। ऐसे में बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की खेल विज्ञान टीम इस अनुभवी तेज गेंदबाज को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की कड़ी चुनौती में जल्दबाजी में उतारने के पक्ष में नहीं है क्योंकि आगे का कार्यक्रम काफी व्यस्त है। श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला की शुरुआत 15 अगस्त से गॉल में होगी।

आकिब नबी और यश ठाकुर दावेदार

ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि चयनकर्ता बुमराह के स्थान पर जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी या विदर्भ के यश ठाकुर में से किसे मौका देते हैं। नीतीश कुमार रेड्डी (पैर की मांसपेशियों में खिंचाव), हर्षित राणा (पैर की मांसपेशियों में खिंचाव) और वाशिंगटन सुंदर (पैर की मांसपेशियों में खिंचाव) पहले ही चोटों से जूझ रहे हैं।

लॉर्ड्स वनडे में हुए थे चोटिल

इंग्लैंड के खिलाफ 32 वर्षीय बुमराह लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे एकदिवसीय मैच में चोटिल होने के बाद नहीं खेल पाए थे। वह हाल ही में बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहुंचे थे और उम्मीद थी कि दो सप्ताह बाद शुरू होने वाली श्रृंखला तक वह मैच के लिए फिट हो जाएंगे। हालांकि पता चला है कि बुमराह को अब भी कुछ परेशानी महसूस हो रही है। अगर वह 15 अगस्त या 23 अगस्त से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट से पहले फिट भी हो जाते हैं तो भी चिकित्सा टीम इस बात को लेकर आश्वस्त नहीं है कि धीमी पिचों पर गेंदबाजी के अधिक बोझ को देखते हुए टेस्ट क्रिकेट उनके लिए सही प्रारुप होगा।

15 चौके और 25 छक्के जड़कर अभिषेक ने ठोका दोहरा शतक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली



अभिषेक शर्मा ने एक लोकल डिस्ट्रिक्ट वनडे मुकाबले में अपनी तूफानी बल्लेबाजी से तहलका मचा दिया। अभिषेक ने अमृतसर मेंस सीनियर टीम की ओर से खेलते हुए तरन तारन मेंस सीनियर टीम के गेंदबाजों की जमकर धज्जियां उड़ाईं। वो इस मुकाबले में दोहरा शतक जड़ने में कामयाब रहे, जिसके चलते अमृतसर मेंस सीनियर टीम ने 50 ओवर में 500 रन का आंकड़ा भी पार कर लिया। अभिषेक ने इस मुकाबले में 91 गेंदों का सामना करते हुए 233 रनों की ऐतिहासिक और विस्फोटक पारी खेली। 250 से भी ज्यादा के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने अपनी इस पारी में 15 चौके और 25 तूफानी छक्के लगाए।

खराब फॉर्म के बाद जोरदार वापसी

हाल के समय में भारतीय टीम के लिए खेलते हुए अभिषेक शर्मा खराब फॉर्म से जूझ रहे थे। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट की पिछली सात पारियों में वह एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाए हैं। हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में उनका बल्ला पूरी तरह खामोश रहा था, जहां उन्होंने तीन पारियों में 1, 8 और 2 रन बनाए थे।

■ शानदार वापसी करते हुए स्कोर 8-8 से बराबर किया और फिर 10-9 की बढ़त हासिल कर ली

राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस : अंकुर और यशस्विनी ने जीता खिताब

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली



अंकुर भट्टाचार्जी ने रविवार को 22वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैंपियनशिप का पुरुष और यशस्विनी घोरपड़े ने महिला एकल खिताब अपने नाम किया। अंकुर ने जहां कड़े मुकाबले में जीत दर्ज की, वहीं यशस्विनी ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए खिताब पर कब्जा जमाया।

पुरुष एकल फाइनल में अंकुर ने रोमांचक मुकाबले में पायस जैन को 4-3 (11-8, 9-11, 7-11, 11-8, 4-11, 11-4, 11-9) से हराकर खिताब जीता। निर्णायक गेम में पायस ने 7-4 की बढ़त बनाकर जीत की ओर कदम बढ़ा दिए थे, लेकिन अंकुर ने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 8-8 से बराबर किया और फिर 10-9 की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद पायस का रिटर्न बाहर जाने से अंकुर ने निर्णायक गेम 11-9 से जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया। महिला एकल फाइनल में यशस्विनी ने एकतरफा अंदाज में श्रीजा अकुला को 4-1 (11-6, 11-1, 8-11, 11-7) से हराया। भारत ने इस चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए लगभग सभी स्वर्ण पदक अपने नाम किए। मेजबान टीम को एकमात्र निराशा पुरुष युगल वर्ग में मिली, जहां मलेशिया के शेन क्यू वोंग और जावेन चोंग की जोड़ी ने फाइनल में भारत के मानव ठक्कर और मनुष शाह को 11-9, 12-10, 11-7 से हराकर खिताब जीता।

15 खिलाड़ियों के अलावा 5 प्लेयर्स रिजर्व के तौर पर शामिल

एशिया कप के लिए टीम इंडिया का ऐलान, हरमनप्रीत को कमान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने आगामी महिला एशिया कप 2026 के लिए रविवार को 15 सदस्यीय भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट में भारतीय टीम की कमान एक बार फिर अनुभवी ऑलराउंडर हरमनप्रीत कौर के हाथों में सौंपी गई है।

हाल ही में संपन्न हुए आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहने के बाद हरमनप्रीत की कप्तानी पर सवाल खड़े हो रहे थे लेकिन सेलेक्टर्स ने हरमनप्रीत पर अपना भरोसा बरकरार रखा है। टीम की उपकप्तानी का जिम्मा बाएं हाथ की ओपनिंग बल्लेबाज स्मृति मंधाना संभालेंगी।

सितंबर में खेला जाएगा टूर्नामेंट

एशियन क्रिकेट काउंसिल की ओर से आयोजित होने वाला यह टूर्नामेंट अगस्त के अंत से सितंबर के मध्य तक टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा। बीसीसीआई के आधिकारिक बयान के अनुसार, टूर्नामेंट के विस्तृत कार्यक्रम और मुकाबलों की तिथियों की घोषणा जल्द ही एसीसी की ओर से जाएगी। इस बार प्रतियोगिता में कुल 8 टीमों के हिस्सा लेने की उम्मीद है, जिससे मुकाबला काफी रोमांचक होने की संभावना है।



7 बार जीती टीम इंडिया

भारतीय महिला टीम का एशिया कप में इतिहास बेहद शानदार रहा है और उसने अब तक रिकॉर्ड सात बार इस ट्रॉफी पर अपना कब्जा जमाया है। हालांकि, साल 2024 में खेले गए पिछले सीजन के फाइनल मुकाबले में भारत को श्रीलंका के हाथों एक उलटफेर का शिकार होना पड़ा था।

महिला टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शैफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, भारती फुलमाली, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, राधा यादव, प्रेमा रावत, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह, श्रीचरणी, नंदनी शर्मा।
रिजर्वः प्रतीका रावल, उमा छेत्री (विकेटकीपर), वैष्णवी शर्मा, सायाली सतघरे, मिन्नू मणि।



दुनिया में कई ऐसी घटनाएं होती हैं, जो पहली बार सुनने पर किसी फिल्म की कहानी जैसी लगती हैं। लेकिन, जब पता चलता है कि यह सब हकीकत है, तो हैरानी और भी बढ़ जाती है।

'सोलर किड्स': दिन में खेलते-कूदते, रात होते ही पड़ जाते हैं बेजान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दो भाइयों की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। इन्हें 'सोलर किड्स' के नाम से जाना जाता है। वजह है इनकी रहस्यमयी शारीरिक स्थिति। दिनभर ये दोनों बच्चे पूरी तरह नॉर्मल रहते हैं। दौड़ते हैं, खेलते हैं, बातें करते हैं और बाकी बच्चों की तरह अपनी दिनचर्या बिताते हैं। लेकिन, जैसे ही सूरज ढलता है, उनकी पूरी दुनिया बदल जाती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शाम होते ही दोनों भाइयों का शरीर अचानक काम करना लगभग बंद कर देता है।

इन बच्चों का रहस्य आज भी बना हुआ है पहेली

खाना खाना भी उनके लिए संभव नहीं

वे न तो अपने हाथ-पैर हिला पाते हैं, न बोल पाते हैं और न ही अपनी आंखें खोल या बंद कर पाते हैं। यहां तक कि खाना खाना भी उनके लिए संभव नहीं रह जाता। उनकी यह हालत वर्षों से डॉक्टरों और वैज्ञानिकों के लिए एक बड़ी पहेली बनी हुई है।



मेडिकल साइंस के लिए चुनौती जैसा

कुछ समय पहले पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में मेडिसिन के प्रोफेसर जावेद अकरम ने 'द एसोसिएटेड प्रेस' से बातचीत में कहा था कि यह मामला मेडिकल साइंस के लिए एक चुनौती जैसा है। उन्होंने बताया था कि डॉक्टरों की टीम ने दोनों भाइयों के कई मेडिकल टेस्ट किए ताकि यह समझा जा सके कि दिन में पूरी तरह एक्टिव रहने वाले ये बच्चे रात होते ही अपनी आंखें क्यों नहीं खोल पाते, क्यों बोल नहीं पाते और खाना खाने तक में असमर्थ हो जाते हैं। प्रोफेसर अकरम ने यह भी बताया था कि पाकिस्तान सरकार दोनों भाइयों का मुफ्त इलाज करवा रही है।

क्या है इसके पीछे का राज?

विशेषज्ञों का मानना है कि यह किसी दुर्लभ जेनेटिक न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर का असर हो सकता है। इस तरह की बीमारी शरीर के नर्वस सिस्टम को प्रभावित करती है, जो शरीर को एनर्जी देने और उसकी गतिविधियों को नियंत्रित करने का काम करता है। हालांकि, अब तक हुई जांचों के बावजूद डॉक्टर इस निष्कर्ष पर नहीं पहुंच पाए हैं कि आखिर सूरज ढलने के बाद ही इन दोनों बच्चों की हालत क्यों बिगड़ जाती है।

रोचक खबरें

सांपों को मारने के लिए 129 साल पहले छोड़ी गई थी लाफिंग कूकाबुरा बर्ड, बन गई भस्मासुर

मेलबर्न। लाफिंग कूकाबुरा ऑस्ट्रेलिया के सबसे पहचाने जाने वाले पक्षियों में से एक है, जो अपनी तेज इंसानों जैसी हंसी की आवाज और सांपों का शिकार करने के लिए मशहूर है।



दरअसल, वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया में इस पक्षी का होना एक सोचे-समझे प्रयोग का नतीजा है, जो 19वीं सदी के आखिर में किया गया। 1897 में कुछ समूहों ने पूर्वी ऑस्ट्रेलिया से लाए गए कूकाबुरा पक्षियों को सांपों को कंट्रोल करने के लिए छोड़ा था। कुछ सालों में ये पक्षी उन हिस्सों में पहुंच गए, जहां वे पहले नहीं पाए जाते थे। इसका पूरे इलाके पर असर हुआ और इनकी शिकारी प्रवृति की वजह से बहुत से स्थानीय पंछी और छोटे जानवर खत्म हो गए।

एक नई रिसर्च के मुताबिक, सुनियोजित तरीके से छोड़े जाने से पहले वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया में कूकाबुरा दो दफा- 1883 में अल्बानी में और जून 1896 में पर्थ और फ्रीमेंटल के बीच देखे गए थे। पहली बार आधिकारिक तौर पर इन्हें 1897 में लाया गया, जिसके बाद 1912 तक सैकड़ों पक्षियों को दक्षिणी हिस्से में अलग-अलग जगहों पर छोड़ा गया। इसका असर पूरे इलाके पर हुआ। इन पक्षियों को सांपों को कंट्रोल करने के लिए लाया गया, लेकिन ये स्थानीय प्रजातियों के शिकारी बन गए। यह नतीजा पक्षी की बायोलॉजी को देखते हुए कोई हैरानी की बात नहीं थी। कूकाबुरा कई तरह के जीवों का शिकार करने वाले शिकारी होते हैं। उनकी डाइट सांपों तक सीमित नहीं है। वे कीड़े, रेंगने वाले जीव, मेंढक और छोटे पक्षियों का शिकार कर सकते हैं। कंजर्वेशन साइंस वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया की रिसर्च के अनुसार, एक बार लाए जाने के बाद लाफिंग कूकाबुरा तेजी दक्षिण-पश्चिम के हिस्सों में फैले।

7 हजार डिग्री सेल्सियस आग में जन्मी अनोखी धातु, वैज्ञानिकों को तबाही का मिला नया सुराग

टोक्यो। 6 अगस्त 1945... इतिहास का वह काला दिन जब एक पल में जापान का हिरोशिमा राख का ढेर बन गया था। 70,000 से ज्यादा लोगों की सांसें छीनने वाले उस परमाणु धमाके का दर्द दुनिया आज तक भूली नहीं है। लेकिन, अब, लगभग 81 साल बाद, उसी तबाही की राख से एक ऐसा रहस्यमयी राज बाहर आया है जिसने पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों को चौंका दिया है। हिरोशिमा के समुद्र तट की रेत में छुपा एक ऐसा मटेरियल मिला है, जो सामान्य इंसानी दुनिया या किसी हाई-टेक लैब में बनना नामुमकिन है। हिरोशिमा बे की रेत का विश्लेषण करते समय रिसर्चर्स को बहुत ही सूक्ष्म कणों के अंदर एक नया और अनोखा मटेरियल मिला है। इस मटेरियल को हिरोशिमाइट्स नाम दिया गया है। अब लोगों के मन में यह सवाल आ रहा है कि यह मटेरियल आखिर आया कहां से? इसका जवाब वैज्ञानिकों के मुताबिक, परमाणु बम फटने के कुछ ही सेकंड के भीतर वहां का तापमान 7,000 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। इस भयंकर गर्मी में आसपास के भवन निर्माण मटीरियल, धातुएं, मिट्टी, कांच और पानी पल भर में भाप बनकर एक विशाल फायरबॉल यानी आग के गोला में बदल गए। और जब यह आग का गोला ठंडा हुआ, तो इससे कांच और धातुओं की बहुत छोटी-छोटी बूंदें बनीं जो पूरे इलाके में फैल गईं। रिसर्च में वैज्ञानिकों ने इन कणों के अंदर सिलिकॉन-रिच मल्टीकंपोनेंट अलॉय यानी एक खास तरह का मिश्रधातु पाया है। इस मटीरियल के एक छोटे से दाने में 63% लोहा, 15% क्रोमियम, 9% निकल और 7% सिलिकॉन मिला है। सामान्य परिस्थितियों में या किसी साधारण लैब में ऐसा अलॉय बनना नामुमकिन है। साइंस एडवांसेज में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, हिरोशिमा में बनी ये परिस्थितियां ठीक वैसी ही थीं, जैसी अंतरिक्ष में उल्कापिंडों के आपस में टकराने या ग्रहों के टकराव के दौरान पैदा होती हैं।



रहस्यमयी

जब दुनिया में फैली थी नाचने वाली महामारी !

कई-कई महीने लगातार नाचते रहे लोग, थक कर हो जाती थी मौत!

पेरिस। मानव इतिहास में कई अजीबोगरीब महामारियां आई हैं। कुछ ने लाखों लोगों को बीमार किया, कुछ ने मौत दी, लेकिन 1518 की 'डांसिंग प्लेग' शायद सबसे विचित्र और रहस्यमयी घटना है। जुलाई 1518 में फ्रांस के स्ट्रासबर्ग शहर में एक महिला अचानक सड़क पर नाचने लगी थी। वह कई दिनों तक बिना रुके नाचती रही। कुछ दिनों में सैकड़ों लोग उसके साथ जुड़ गए। बताया जाता है कि एक महिला के नाचने से शुरू हुआ ये सफर करीब चार सौ लोगों तक जा पहुंचा था। ये क्यों शुरू हुआ और इसकी वजह क्या थी, ये आज भी एक रहस्य है। सोशल मीडिया पर इस महामारी से जुड़ी कई कहानियां शेयर की गई है, जिसने इतने सालों बाद फिर से इसे वायरल कर दिया है।



कैसे शुरू हुई महामारी?

सबसे पहले फ्राउ ट्रॉफिया नाम की एक महिला बिना किसी संगीत के नाचने लगी थी। वह हफ्ते भर तक लगातार नाचती रही, फिर और लोग उसके साथ शामिल होते गए। एक महीने के अंदर करीब 400 से ज्यादा लोग अनियंत्रित रूप से नाच रहे थे। लोग थकान से चूर हो जाते, फिर भी रुक नहीं पाते थे। कई लोगों के पैरों में खून बहने लगा, कुछ के दिल का दौरा पड़ गया और वे मर गए। अनुमान है कि इस महामारी से सैकड़ों मौतें हुई थीं।

समाज और सरकार की प्रतिक्रिया

डॉक्टर्स ने इसे 'हॉट ब्लड' की बीमारी बताया था। वहीं, धर्मगुरुओं ने इसे शैतान का प्रभाव माना था। उन्होंने इसे श्राप का असर बता दिया था। शहर के अधिकारियों ने संगीतकारों को बुलाकर और ज्यादा नाचने के लिए प्रोत्साहित किया ताकि लोग थककर गिर जाएं। लेकिन, उन्हें रोकने का ये आइडिया फेल हो गया था। कई लोग नाचने की वजह से मौत के मुंह में समा गए। इसके बाद अपने आप ही ये महामारी खत्म हो गई।

संभावित कारण

आज के वैज्ञानिक इसे सामूहिक मानसिक बीमारी मानते हैं। दरअसल, उस समय भुखमरी, तनाव, सिफलिस जैसी बीमारियां और एर्गोट फंगस (राई में लगने वाला फंगस जो एलएसडी जैसा प्रभाव देता है) फैली थी। इन सबको भी कारण माना जाता है। कुछ महीनों बाद धीरे-धीरे लोगों ने थककर या मरकर नाचना बंद कर दिया और स्ट्रासबर्ग फिर से सामान्य हो गया। यह घटना दिखाती है कि सामूहिक तनाव और सामाजिक दबाव कितना खतरनाक हो सकता है। आधुनिक दुनिया में भी 'मास हिस्टीरिया के मामले देखे जाते हैं। 1518 की डांसिंग प्लेग मानव इतिहास की सबसे अजीब महामारियों में से एक है। यह हमें याद दिलाती है कि विज्ञान और समझ के बिना अंधविश्वास और तनाव कितना नुकसान पहुंचा सकते हैं।

दुनिया के सबसे बड़े अंडरवाटर सिटी पर खतरा



रोम। अमेरिका के लॉस वेगास को आज दुनिया का सिन सिटी (पाप का शहर) कहा जाता है। इसकी वजह इस शहर में चौबीसों घंटे चलने वाली गतिविधियां और मनोरंजन हैं, जो शायद कहीं और इतनी आसानी से उपलब्ध नहीं हैं। लेकिन, आज से लगभग 2200 साल पहले रोमनों ने ऐसा ही शहर बनाया था, जहां रोम के अमीर और ताकतवर लोग अपने अजीब शौक पूरा करने जाया करते थे। इसे रोमन अमीरों का लॉस वेगास कहा जाता था। नेपल्स के पश्चिम में मौजूद इस शहर का नाम बाइया था, जो आज समुद्र में समा गया है।

सीजर की मौत के समय यहीं थी क्लियोपेट्रा : दूसरी सदी ईसा पूर्व के अंत तक बाइया एक रोम के अमीरों के लिए एक लोकप्रिय डेस्टिनेशन बन चुका था। सिसरो, प्लिनी, नीरो और सीजर जैसी रोम की मशहूर हस्तियां यहां छुट्टी मनाने आया करती थीं। यह अपने जमाने का रिसॉर्ट शहर था। कहा तो यह भी जाता है कि जूलियस सीजर की हत्या के बाद उसकी प्रेमिका और मिस्र की खूबसूरत रानी क्लियोपेट्रा इसी शहर से भागकर अपने देश वापस गई थी। आज बाइया का ज्यादातर हिस्सा समुद्र के नीचे डूबा हुआ है। 1940 के दशक में हवाई फोटोग्राफी से पहली बार पता चला कि समुद्र की सतह के नीचे कोई ढांचा मौजूद है।

समुद्र में व्हेल के जन्म का अद्भुत नजारा

केनबरा। दुनियाभर में कुछ ऐसी घटनाएं होती हैं, जिन्हें देखना न सिर्फ अचंभा पैदा करता है, बल्कि कभी-कभी आंखों पर भी भरोसा करना मुश्किल हो जाता है। ऐसी ही एक घटना समुद्र के बीच शांत पानी में हुई. ड्रोन से वीडियो रिकॉर्ड करते समय एक वयस्क मादा व्हेल को बच्चे को जन्म देते हुए देखा। दावा किया जा रहा है कि दुनिया में कहीं भी वीडियो में रिकॉर्ड किए गए हंपबैक व्हेल के जन्म की चौथी पूरी घटना को कैमरे में कैद किया है। दावा ये भी किया जा रहा है कि यह ड्रोन से रिकॉर्ड की गई ऐसी पहली घटना है।

ऑस्ट्रेलिया में 'ऑर्गनाइजेशन फॉर द रेस्क्यू एंड रिसर्च ऑफ सिटासियन्स' के लिए एनएसडब्ल्यू के उत्तरी तट पर माइग्रेट करने वाली हंपबैक व्हेल की हवाई निगरानी करते समय अलेक्जेंडर फॉरेस्ट ने शांत समुद्र में एक वयस्क मादा व्हेल को बच्चे को जन्म देते हुए देखा। उन्होंने व्हेल के बच्चे के जीवन के शुरुआती पलों को कैमरे में कैद किया, जिसमें उसकी पहली सांस और अपनी मां के साथ उसका मिलन शामिल है।



हंपबैक व्हेल का वैज्ञानिक नाम 'मेगाप्टेरा'

हंपबैक व्हेल को यह नाम इसके आकार और समुद्र में गोता लगाते समय इसकी पीठ की विशिष्ट बनावट के कारण दिया गया है। इसका वैज्ञानिक नाम मेगाप्टेरा है। इसका अर्थ 'बड़े पंखों वाला' होता है। इनकी लंबाई कुल शरीर की लंबाई के एक तिहाई के बराबर होती है।

स्पर्म व्हेल बच्चे को जन्म देते आई थी नजर

इससे पहले मार्च 2026 में वैज्ञानिकों ने एक फुटेज जारी किया था। इस वीडियो फुटेज में एक स्पर्म व्हेल बच्चे को जन्म देते हुए नजर आई थी, जबकि दूसरी मादा व्हेल मिलकर मां और उसके नवजात बच्चे को सहारा दे रही थी।



सेक्स अंगों की कॉस्मेटिक सर्जरी
Fat Injection
Vagina Tightening
(महिलाएं व पुरुष दोनों हेतु)
कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सैंटर
आर.के.सी. के सामने, जी.ई. रोड, चौबे कालोनी एवं गंगा डायग्नोस्टिक्स के उपर, कलर्स माल के पास, पचपेढ़ी नाका, रायपुर (छ.ग.)
9827143060
Ajay Advt.

38 साल के इंडियन योगा टीचर ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

इनोई। भारत के 38 साल के योग टीचर कमल कालोई ने नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है।

- पानी के अंदर 6 मिनट तक सांस रोककर लगाए 86 पुश-अप्स

उन्होंने पानी के अंदर एक ही सांस में 86 पुश-अप्स लगाए हैं। यह उनका तीसरा वर्ल्ड रिकॉर्ड है। वे फिलहाल वियतनाम के नाम दीन्ह शहर के निन्ह बिन्ह में रहते हैं। उन्होंने इस रिकॉर्ड के लिए पूरे दो साल तक शरीर की ताकत बढ़ाने और सांस रोकने की ट्रेनिंग ली। कमल बताते हैं कि पिछले साल अक्टूबर में उन्होंने यह कारनामा किया। वे एक स्विमिंग पूल के एकदम नीचे गए, अपनी पोजीशन ली और सांस लेने के लिए ऊपर आने से पहले 86 पुश-अप्स लगा दिए। इस काम में योग ने उनकी बहुत मदद की। योग की वजह से ही वे पानी के अंदर 6 मिनट तक सांस रोक सकते हैं।



पहले भी एक ही साल में बनाए थे दो वर्ल्ड रिकॉर्ड

कमल कहते हैं कि वे शुरू से ही कुछ अलग करना चाहते थे. दूसरों के रिकॉर्ड देखकर उन्हें प्रेरणा मिलती थी। साल 2020 में उन्होंने पानी के अंदर लगातार 21 योग मुद्राएं करके अपना पहला रिकॉर्ड बनाया था। इसके बाद ही उन्हें अपनी असली ताकत का पता चला। साल 2020 में ही उन्होंने पानी के अंदर 72 एयर रिंग्स (हवा के छल्ले) बनाने का रिकॉर्ड भी बनाया था।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्प्लेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com